नई दिल्ली । शनिवार, 16 मई, 2026
ज्येष्ठ कृष्ण पक्ष अमावस्या, सिद्धार्थि संवत्सर विक्रम संवत 2083
वर्ष :12, अंक :130 / मूल्य 3.00 रुपए । पृष्ठ 12

दैनिक
विश्व केसरी
नई दिल्ली संस्करण
सिर्फ पत्रकारिता...
vishwakesari.com
@vishwakesariTV
@vishwakesari
vishwakesari_news
आर. एन. आई. संख्या डीईएलएच आईएन/2015/61415

@ खेल साक्षी ने कॉमनवेल्थ और एशियन गेम्स के लिए... @ विचार ब्रिक्स के विदेश मंत्रियों के 'दिल्ली-विमर्श' के... @ व्यापार भारत को शहरी इन्फ्रास्ट्रक्चर में 2037 तक 80 लाख...

नीट यूजी: पेपर लीक मुख्य आरोपी महाराष्ट्र से गिरफ्तार

आरोपी की पहचान रसायन विज्ञान के लेक्चरर पीवी कुलकर्णी के रूप में हुई

एजेंसी ■ नई दिल्ली

केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने 'नीट-यूजी 2026' पेपर लीक मामले में एक कथित सरगना को गिरफ्तार किया है। आरोपी की पहचान रसायन विज्ञान के लेक्चरर पीवी कुलकर्णी के रूप में हुई है, जो राष्ट्रीय परीक्षण एजेंसी (एनटीए) की ओर से परीक्षा प्रक्रिया से जुड़े थे और उनके पास गोपनीय प्रश्न पत्रों तक पहुंच थी।

सीबीआई के अनुसार, अप्रैल 2026 के अंतिम सप्ताह में पीवी कुलकर्णी ने 14 मई को गिरफ्तार मनीषा वाघमारे की मदद से छात्रों को संगठित किया और पुणे स्थित अपने आवास पर विशेष कोचिंग कक्षाएं आयोजित कीं। इन विशेष कोचिंग कक्षाओं के दौरान उन्होंने प्रश्न, विकल्प और सही उत्तर लिखवाए। छात्रों ने इन प्रश्नों को अपनी नोटबुक में हाथ से लिखा और ये प्रश्नपत्र 3 मई 2026 को आयोजित नीट के वास्तविक प्रश्न पत्र से हूबहू मेल खाते हैं।

गहन पूछताछ के बाद लातूर के रहने वाले पीवी कुलकर्णी को पुणे में गिरफ्तार किया गया। पिछले 24 घंटों में सीबीआई ने देश भर में कई स्थानों पर तलाशी अभियान चलाया है और कई महत्वपूर्ण दस्तावेज,

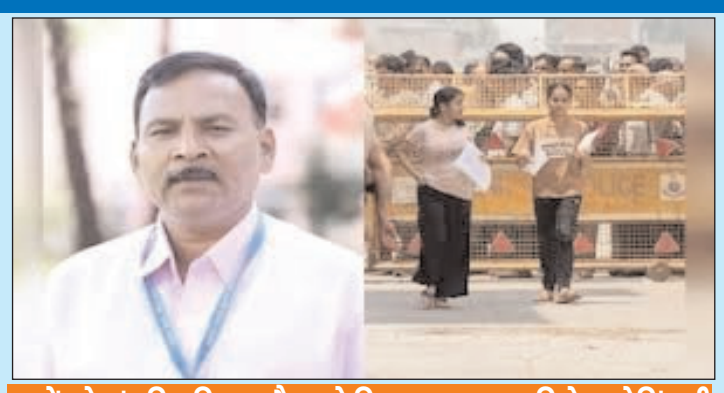

छात्रों को संगठित किया और पुणे स्थित आवास पर विशेष कोचिंग दी

इलेक्ट्रॉनिक उपकरण और मोबाइल फोन जब्त किए हैं। जब्त की गई वस्तुओं का विस्तृत फॉरेंसिक और तकनीकी विश्लेषण जारी है।

बता दें कि सीबीआई ने भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय के उच्च शिक्षा विभाग द्वारा 'नीट यूजी 2026' परीक्षा के कथित पेपर लीक के संबंध में दी गई लिखित शिकायत के आधार पर 12 मई को मामला दर्ज किया था। मामला दर्ज होते ही विशेष टीमें गठित की गईं और देश भर में विभिन्न स्थानों पर तलाशी अभियान चलाए गए तथा कई संदिग्धों को हिरासत में लेकर पूछताछ की गई। अब तक जयपुर, गुरुग्राम, नासिक, पुणे और अहिल्यानगर से 7 आरोपियों को गिरफ्तार किया जा चुका है। इनमें से पांच आरोपियों को अदालत में पेश किया जा चुका है और आगे की पूछताछ के लिए सात दिन की पुलिस हिरासत में भेज दिया गया है। सीबीआई अधिकारियों ने बताया कि जांच जारी है और अब तक केमिस्ट्री प्रश्नपत्र लीक के स्रोत का पता चल चुका है। साथ ही, उन बिचौलियों की पहचान भी कर ली गई है, जो उन छात्रों को जुटाने में शामिल थे।

नीट अगले साल से ऑनलाइन होगी, रद्द हुई परीक्षा 21 जून को

शिक्षा मंत्री ने कहा, 'रीएग्जाम में छात्रों को 15 मिनट का एक्स्ट्रा टाइम मिलेगा

केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने शुक्रवार को दिल्ली में प्रेस कॉन्फ्रेंस कर बताया की अगले सत्र से नीट-यूजी परीक्षा ऑनलाइन होगी। केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने शुक्रवार को इसका ऐलान किया। उन्होंने माना कि 3 मई को हुई नीट-यूजी 2026 की परीक्षा के पेपर लीक हुए थे।

उन्होंने कहा, 'हम नहीं चाहते थे कि कोई गलत कैंडिडेट सिलेक्ट हो जाए। इसलिए हमने बड़ी जिम्मेदारी से परीक्षा रद्द करने का फैसला लिया। अब यह परीक्षा रविवार 21 जून को होगी। 7 मई को गड़बड़ी का पता चला था। एनटीए ने सरकार को बताया। फिर 12 मई को रीएग्जाम का फैसला लिया गया।'

शिक्षा मंत्री ने कहा, 'रीएग्जाम में छात्रों को 15 मिनट का एक्स्ट्रा टाइम मिलेगा। छात्र रीएग्जाम में अपनी पसंद का सेंटर चुन पाएंगे।' इससे पहले 3 मई को यह एग्जाम देश के 551 और विदेशों के 14 शहरों में हुई था। इसके लिए 5400 से ज्यादा एग्जाम सेंटर्स बनाए गए थे। धर्मेंद्र प्रधान ने कहा, छात्रों के आने-जाने के लिए राज्यों से बात करूंगाकेंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने कहा, 'राधाकृष्ण समिति की सिफारिशों का पालन करने के बावजूद यह उल्लंघन कैसे हुआ।

पेट्रोल-डीजल की कीमतों में 3 रुपए बढ़ोतरी

मामूली बढ़ोतरी सरकार की व्यापक रणनीति को दर्शाती है

एजेंसी ■ नई दिल्ली

सरकार द्वारा पेट्रोल और डीजल की कीमतों में की गई 3 रुपए प्रति लीटर की मामूली बढ़ोतरी, सार्वजनिक क्षेत्र की तेल कंपनियों को हो रहे भारी नुकसान के मुकाबले कुछ भी नहीं है। वैश्विक बाजार में कच्चे तेल की कीमतें 100 डॉलर प्रति बैरल के पार पहुंच गई हैं। एक वरिष्ठ अधिकारी ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। अधिकारी ने कहा कि यह मामूली बढ़ोतरी सरकार की उस व्यापक रणनीति को दर्शाती है, जिसके तहत उपभोक्ताओं को वैश्विक तेल संकट का पूरा असर झेलने से बचाया जा रहा है। सूत्रों के मुताबिक, फिलहाल पेट्रोल पर प्रति लीटर लगभग 26 रुपए और डीजल पर करीब 82 रुपए का अंडर-रिकवरी नुकसान हो रहा है। ऐसे में अधिकारियों का कहना है कि 3 रुपए की बढ़ोतरी, सरकारी तेल कंपनियों इंडियन ऑयल, बीपीसीएल और एचपीसीएल पर पड़ रहे वित्तीय बोझ का केवल एक छोटा हिस्सा ही कवर कर पाएगी। शीर्ष सूत्रों के अनुसार, पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के कारण वैश्विक कच्चे तेल की कीमतों में आई तेज बढ़ोतरी के बावजूद पेट्रोल और डीजल की खुदरा कीमतों में बड़ा इजाफा रोकने के लिए सरकारी तेल विपणन कंपनियां और केंद्र सरकार मिलकर रोजाना करीब 1,000 करोड़ रुपए का नुकसान उठा रही हैं।

बेरोजगार युवा कॉकरोच जैसे: सीजेआई

मीडिया, सोशल मीडिया और आरटीआई एक्टिविस्ट बनकर सिस्टम पर हमला करते हैं

एजेंसी ■ नई दिल्ली

चीफ जस्टिस सूर्यकांत ने एक मामले की सुनवाई के दौरान देश के बेरोजगार युवाओं को कॉकरोच कहा। उन्होंने कहा- कुछ बेरोजगार युवा कॉकरोच जैसे होते हैं, जो बाद में मीडिया, सोशल मीडिया या आरटीआई एक्टिविस्ट बनकर सिस्टम पर हमला करने लगते हैं। सीजेआई और जस्टिस जॉयमाल्या बागची की बेंच ने शुक्रवार को एक वकील की याचिका पर सुनवाई की, जिसमें उसने सीनियर एडवोकेट का दर्जा पाने मांग की थी। बेंच ने वकील को फटकार लगाते हुए कहा- समाज में पहले से ही पैरासाइट (परजीवी) हैं, जो सिस्टम पर हमला करते हैं। बेंच ने कहा कि दुनिया में हर कोई सीनियर बनने के योग्य हो सकता है, लेकिन आप इसके हकदार नहीं हैं। अगर आपको दिल्ली हाईकोर्ट ने सीनियर एडवोकेट बना भी दिया, तो सुप्रीम कोर्ट आपके व्यवहार को देखते हुए उस फैसले को रद्द कर देगा।

बेंच का सवाल- आपके पास कोई और केस नहीं

कोर्ट ने पूछा कि क्या याचिकाकर्ता के पास कोई और मुकदमा नहीं है और क्या यह किसी सीनियर एडवोकेट बनने की चाह रखने वाले का सही व्यवहार है। सीनियर एडवोकेट का दर्जा दिया जाता है।

पीएम मोदी के दौरे से भारत-यूएई के रिश्तों को मिली नई मजबूती

ऊर्जा सुरक्षा को बड़ा फायदा : एमईए

एजेंसी ■ अबू धाबी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को अबू धाबी में यूएई के राष्ट्रपति शेख मोहम्मद बिन जायद अल नाहयान से मुलाकात की। इस बैठक में दोनों देशों के रिश्तों को और मजबूत करने पर बात हुई। खास तौर पर ऊर्जा, व्यापार और निवेश, ब्लू इकोनॉमी, टेक्नोलॉजी और फिनटेक, रक्षा और लोगों के बीच आपसी जुड़ाव जैसे मुद्दों पर चर्चा की गई।

दोनों नेताओं ने पश्चिम एशिया की स्थिति और दूसरे वैश्विक मुद्दों पर भी अपने विचार साझा किए।

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट करते हुए कहा, 'प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और शेख मोहम्मद बिन जायद अल नाहयान के बीच अबू धाबी में आज बेहद सकारात्मक और व्यापक बातचीत हुई। दोनों नेताओं ने भारत-यूएई साझेदारी को और मजबूत करने के तरीकों पर चर्चा की। बातचीत में ऊर्जा, व्यापार और निवेश, ब्लू इकोनॉमी, टेक्नोलॉजी और फिनटेक, रक्षा और लोगों के बीच आपसी जुड़ाव जैसे कई मुद्दे शामिल रहे। उन्होंने कहा, 'दोनों नेताओं ने पश्चिम एशिया की स्थिति और अन्य वैश्विक मुद्दों पर बात की। प्रधानमंत्री मोदी ने हाल ही में यूएई पर हुए हमलों और उसकी संप्रभुता तथा क्षेत्रीय अखंडता को नुकसान पहुंचाने की कोशिशों की कड़ी निंदा की। दोनों नेताओं ने शांति, स्थिरता और समृद्धि के लिए अपनी साझा प्रतिबद्धता दोहराई।

बैठक के दौरान दोनों नेताओं की मौजूदगी में ऊर्जा, रक्षा, इंफ्रास्ट्रक्चर, शिपिंग और एडवांस टेक्नोलॉजी जैसे क्षेत्रों में कई समझौतों का आदान-प्रदान भी हुआ। विदेश मंत्रालय के मुताबिक, इससे भारत-यूएई व्यापक रणनीतिक साझेदारी को गति मिलेगी।

रणधीर जायसवाल ने पोस्ट में बताया कि यूएई ने भारत में पांच अरब डॉलर के निवेश की घोषणा की है। इससे भारत के बाजार और इंफ्रास्ट्रक्चर को मजबूती मिलेगी। इस यात्रा से भारत की ऊर्जा सुरक्षा को भी बड़ा फायदा होगा।

यूएई के राष्ट्रपति से मुलाकात के दौरान प्रधानमंत्री मोदी ने पश्चिम एशिया में संघर्ष के समय भारतीय समुदाय का ख्याल रखने के लिए यूएई सरकार और शाही परिवार का धन्यवाद भी किया।

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, 'हम यूएई में हुए हमले की कड़ी निंदा करते हैं। जिस तरह यूएई को निशाना बनाया गया, वह किसी भी रूप में स्वीकार नहीं किया जा सकता।

मानसून 26 मई को केरलम पहुंचेगा

एजेंसी ■ नई दिल्ली

मौसम विभाग ने शुक्रवार को बताया कि मानसून केरलम में 26 मई को दस्तक दे सकता है। आमतौर पर मानसून 1 जून के आसपास केरल पहुंचता है, फिर देश के दूसरे हिस्सों को कवर करने के लिए उत्तर की ओर बढ़ता है। पिछले साल मानसून 24 मई को आया था।

2025 में सामान्य से 8% ज्यादा बारिश हुई थी। 30 सितंबर 2025 को मौसम विभाग ने बताया था कि पूरे देश में सामान्य से 8 प्रतिशत अधिक बारिश (937.2 मिमी) दर्ज की गई। आईएमडी चीफ मृत्युंजय महापात्रा ने इसे बहुत सफल सीजन बताया था।

यूपी में बारिश-आंधी से तबाही, 111 लोगों की मौत

हालांकि देश के कई हिस्सों में अभी भी बारिश जारी है। यूपी में बुधवार को आंधी और बारिश ने जमकर तबाही मचाई। राज्य में 111 लोगों की मौत हो गई। सबसे ज्यादा 21 मौतें प्रयागराज और 17 मौतें भदोही में हुईं। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने भी इन मौतों पर दुख जताया।

आधे से ज्यादा देश हीटवेव की चपेट में

उधर का देश का आधे से ज्यादा हिस्सा हीटवेव की चपेट में है। महाराष्ट्र, राजस्थान, मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश के कई शहरों में गुरुवार को तापमान 40°C के पार दर्ज किया गया। महाराष्ट्र का अकोला 45.9°C के साथ देश में सबसे गर्म रहा। जलगांव, वर्धा और अमरावती में भी पारा 45°C के ऊपर दर्ज हुआ। राजस्थान के फलोदी में तापमान 45.2°C, जैसलमेर और बाड़मेर में 45.1°C रिकॉर्ड हुआ। श्रीगंगानगर में 44.8°C और जोधपुर में 44°C पारा रहा।

चीन होर्मुज खोलने में मदद को तैयार : ट्रंप

ईरान ने होर्मुज के लिए नए प्रोटोकॉल जारी किए, ब्रिक्स से अमेरिका की निंदा की अपील

एजेंसी ■ तेल अवीव

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने दावा किया कि चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने होर्मुज को खुला रखने में मदद की पेशकश की है। फॉक्स न्यूज को दिए इंटरव्यू में ट्रम्प ने कहा कि शी जिनपिंग चाहते हैं कि अमेरिका और ईरान के बीच कोई समझौता हो जाए।

ट्रम्प के मुताबिक, शी जिनपिंग ने कहा कि अगर मैं किसी तरह मदद कर सकता हूं, तो मैं मदद करना चाहूंगा। चीन बड़ी मात्रा में ईरानी तेल खरीदता है, इसलिए उसकी भी दिलचस्पी है कि होर्मुज खुला रहे।

उन्होंने कहा, जो देश इतना ज्यादा तेल खरीदता है, उसका जाहिरतौर पर ईरान के साथ रिश्ता होता है। चीन चाहता है कि होर्मुज स्ट्रेट खुला रहे।

वहीं, ईरान ने होर्मुज से गुजरने वाले जहाजों के लिए नए नियम लागू किए हैं। अब इस रास्ते से गुजरने वाले जहाजों को ईरान की निगरानी और मंजूरी से गुजरना पड़ रहा है। उन्होंने ब्रिक्स देशों से अपील की है कि वो अमेरिका और इजराइल की निंदा करें।

पांच बड़े अपडेट

होर्मुज में गुजरात का एक और जहाज

डूबा: गुजरात का मालवाहक जहाज 'हाजी अली' ओमान के पास ड्रोन या मिसाइल जैसे हमले की चपेट में आकर डूब गया। सभी 14 क्रू मेंबर्स को सुरक्षित बचा लिया गया।

ईरान ने चीनी जहाजों को होर्मुज से गुजरने दिया: ईरानी मीडिया के मुताबिक आईआरजीसी की निगरानी में कई चीनी जहाजों को होर्मुज स्ट्रेट से सुरक्षित निकाला गया। ईरान बोला- इजराइल के साथ मिलीभगत करने वालों को जवाब मिलेगा: ईरानी विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने चेतावनी दी कि इजराइल के साथ मिलकर ईरान के खिलाफ साजिश करने वालों को जवाब दिया जाएगा। उनका बयान नेतन्याहू के कथित यूएई दौरे के दावे के बाद आया।

ईरान ने ब्रिक्स से अमेरिका-इजराइल की निंदा करने को कहा: नई दिल्ली में ब्रिक्स बैठक के दौरान ईरानी विदेश मंत्री अराघची ने अमेरिका और इजराइल पर अंतरराष्ट्रीय कानून तोड़ने का आरोप लगाया और ब्रिक्स देशों से खुलकर विरोध की अपील की। अमेरिका का दावा- होर्मुज नाकाबंदी के बाद 70 जहाजों ने रास्ता बदला: मुताबिक होर्मुज में तनाव बढ़ने के बाद अब तक 70 व्यापारिक जहाजों ने अपना रूट बदल लिया है।

ईरान बोले- बातचीत जारी रखेंगे, लेकिन अमेरिका पर भरोसा नहीं

ईरानी विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने कहा है कि ईरान अभी भी बातचीत और कूटनीति का रास्ता खुला रखना चाहता है, लेकिन उसे अमेरिका पर भरोसा नहीं है।

नई दिल्ली में ब्रिक्स देशों की बैठक के दौरान मीडिया से बात करते हुए अराघची ने कहा कि ईरान तभी आगे बातचीत करेगा, जब अमेरिका गंभीरता से समाधान चाहता हो।

उन्होंने कहा कि ईरान युद्धविराम बनाए रखने की कोशिश कर रहा है ताकि बातचीत और कूटनीति को मौका मिल सके।

हालांकि अराघची ने यह भी कहा कि दोनों देशों के बीच भरोसे की कमी की वजह से बातचीत प्रभावित हो रही है।

उनके मुताबिक, जब तक आपसी विश्वास नहीं बढ़ेगा, तब तक बातचीत में आगे बढ़ना मुश्किल रहेगा।

ब्रिक्स देशों ने एकतरफा प्रतिबंधों और टैरिफ का विरोध किया

भारत ने नई दिल्ली में हुई ब्रिक्स देशों के विदेश मंत्रियों की बैठक के बाद एक बयान जारी किया है।

'भोजशाला मंदिर है'-हाईकोर्ट

नमाज की अनुमति से जुड़ा आदेश रद्द

एजेंसी ■ इंदौर

हाईकोर्ट की इंदौर बेंच ने शुक्रवार को फैसला दिया है। मध्य प्रदेश हाईकोर्ट ने धार की भोजशाला को देवी सरस्वती का मंदिर मानते हुए बड़ा फैसला दिया है।

कोर्ट ने कहा कि इस स्थल के धार्मिक और ऐतिहासिक स्वरूप को तय करने में केवल आस्था नहीं, बल्कि एएसआई की वैज्ञानिक रिपोर्ट, पुरातात्विक साक्ष्य, संस्कृत शिलालेख, स्थापत्य अवशेष और ऐतिहासिक रिकॉर्ड अहम आधार रहे।

अदालत ने अपने फैसले में अयोध्या केस के कई सिद्धांतों का भी हवाला दिया।

अयोध्या फैसले जैसी कौन-सी बातें भोजशाला में लागू हुई

हाईकोर्ट ने कहा कि धार्मिक आस्था को केवल तार्किक कसौटी पर नहीं परखा जा सकता, उसकी निरंतरता भी महत्वपूर्ण है। कोर्ट ने अयोध्या फैसले की तरह एएसआई रिपोर्ट, धार्मिक प्रतीकों, स्थापत्य अवशेष, ऐतिहासिक रिकॉर्ड और पूजा परंपरा को अहम माना।

अदालत ने कहा कि एएसआई रिपोर्ट, संस्कृत शिलालेख, ऐतिहासिक साहित्य और पुरातात्विक साक्ष्य संकेत देते हैं कि विवादित परिसर मूल रूप से संस्कृत अध्ययन और देवी सरस्वती उपासना से जुड़ी हिंदू संरचना था, जिसके बाद वहां मस्जिद का उपयोग शुरू हुआ।

एएसआई रिपोर्ट को कोर्ट ने कितना अहम माना

हाईकोर्ट ने कहा कि भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण विशेषज्ञ संस्था है और उसकी रिपोर्ट को सामान्य राय की तरह नहीं देखा जा सकता। अदालत ने अयोध्या फैसले का हवाला देते हुए कहा कि पुरातत्व विज्ञान कमजोर साक्ष्य नहीं है। कोर्ट ने कहा कि एएसआई रिपोर्ट को समग्र और वैज्ञानिक तरीके से पढ़ना होगा तथा उसके निष्कर्षों का परीक्षण संभावनाओं के आधार पर किया जाना चाहिए।

वर्तमान ढांचे में पुराने मंदिर के हिस्सों का इस्तेमाल हुआ

एएसआई ने हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर भोजशाला में वैज्ञानिक सर्वे, जीपीआर सर्वे, उत्खनन, स्थापत्य अध्ययन और शिलालेख अध्ययन किया था। रिपोर्ट में कहा गया कि वर्तमान संरचना एक पूर्ववर्ती विशाल संरचना के ऊपर बनाई गई है और नीचे पुरानी संरचना के अवशेष मौजूद हैं।

दुनिया में पहली बार ब्रॉड गेज ट्रैक पर दौड़ेगी सेमी हाई-स्पीड ट्रेन, अहमदाबाद-धोलेरा कॉरिडोर को मिली मंजूरी

अहमदाबाद। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में आयोजित आर्थिक मामलों की मंत्रिमंडलीय समिति ने गुजरात को देश का पहला ब्रॉड गेज सेमी हाई-स्पीड रेल कॉरिडोर प्रदान करते हुए अहमदाबाद (सरखेज)-धोलेरा सेमी हाई-स्पीड डबल लाइन रेलवे परियोजना को ऐतिहासिक मंजूरी प्रदान की है। लगभग 20,667 करोड़ की लागत वाली यह परियोजना भारतीय रेलवे की पहली स्वदेशी तकनीक आधारित सेमी हाई-स्पीड रेल परियोजना होगी, जिस पर भविष्य में नमो भारत ट्रेनों का संचालन किया जाएगा।

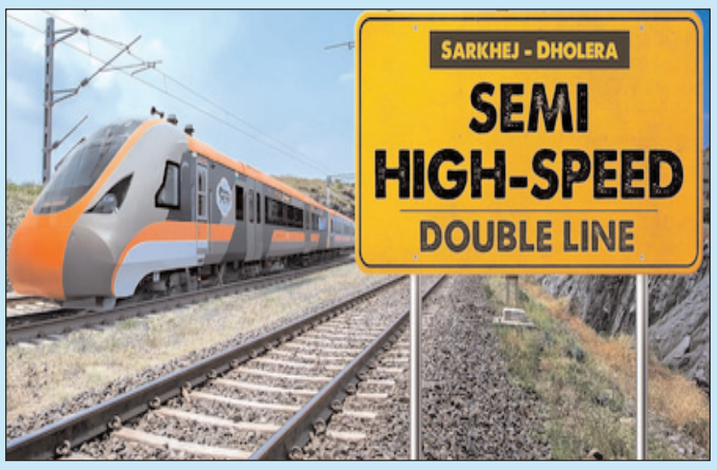

करीब 134 किलोमीटर लंबी यह नई दोहरी रेल लाइन अहमदाबाद, धोलेरा स्पेशल इन्वेस्टमेंट रीजन, आगामी धोलेरा अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा और लोथल स्थित राष्ट्रीय समुद्री विरासत परिसर को अत्याधुनिक रेल कनेक्टिविटी प्रदान करेगी। परियोजना की डिजाइन गति 220 किमी प्रति घंटा और परिचालन गति 200 किमी प्रति घंटा निर्धारित की गई है। कॉरिडोर पर कुल 13 स्टेशन विकसित किए जाएंगे।

परियोजना के अंतर्गत 3 मेगा पुल, 74 किलोमीटर वायाडक्ट (खंभों पर टिका पुल), 39 रोड अंडर ब्रिज और 2 रेल ओवर रेल ब्रिज का निर्माण किया जाएगा। ट्रैक की कुल लंबाई लगभग 293 किलोमीटर होगी। परियोजना को अगले 4 वर्षों में पूर्ण करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है।

रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा, 'अहमदाबाद-धोलेरा सेमी हाई-स्पीड रेल परियोजना भारत के रेलवे इतिहास में एक नई शुरुआत है। यह केवल एक रेल लाइन नहीं, बल्कि 'न्यू इंडिया' की आधुनिक, तेज और आत्मनिर्भर परिवहन व्यवस्था का प्रतीक है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारतीय रेलवे आत्मनिर्भर भारत के विजन को नई गति दे रहा है। स्वदेशी तकनीक आधारित यह परियोजना भविष्य में देशभर में सेमी हाई-स्पीड रेल नेटवर्क विस्तार का आधार बनेगी। गुजरात सरकार के मुख्य सचिव मनोज कुमार दास ने कहा, 'प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल और रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव के दूरदर्शी नेतृत्व में स्वीकृत यह परियोजना गुजरात के औद्योगिक एवं आर्थिक विकास में नया अध्याय सिद्ध होगी। धोलेरा रीजन को साबरमती, धोलेरा एयरपोर्ट और लोथल से जोड़ने वाला यह कॉरिडोर राज्य की आर्थिक प्रगति को नई दिशा देगा। साबरमती, गांधीग्राम एवं वस्त्रापुर स्टेशनों पर मेट्रो एकीकरण, साबरमती में बुलेट ट्रेन कनेक्टिविटी तथा मोरैया में डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर से जुड़ाव गुजरात को विश्वस्तरीय मल्टी-मोडल ट्रांसपोर्ट हब के रूप में स्थापित करेगा।

नीदरलैंड में भारतीय समुदाय पीएम मोदी के दौरे को लेकर उत्साहित, नई साझेदारियों को बताया अहम

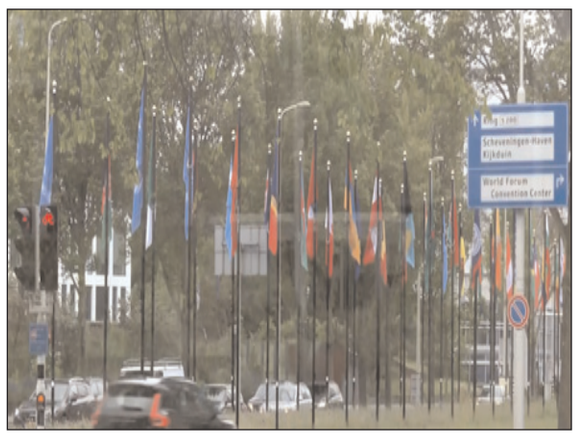

एम्स्टर्डम । नीदरलैंड में रह रहे भारतीय समुदाय ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दौरे को लेकर उत्साह जताते हुए कहा कि भारत और नीदरलैंड के बीच संबंध लगातार मजबूत हो रहे हैं और दोनों देश नए क्षेत्रों में साझेदारी बढ़ा रहे हैं।

प्रधानमंत्री मोदी अपने मौजूदा आधिकारिक दौरे के दूसरे चरण में 15 से 17 मई तक नीदरलैंड की यात्रा पर रहेंगे। इस दौरान वह नीदरलैंड के राजा विलेम-अलेक्जेंडर, महारानी मैक्सिमा और प्रधानमंत्री रॉब जेटन से मुलाकात करेंगे। पीएम मोदी की इस यात्रा के दौरान दोनों देशों के बीच रणनीतिक साझेदारी से जुड़े कई समझौतों का आदान-प्रदान भी होगा।

हेग में पीएम मोदी के आगमन से पहले भारतीय समुदाय के एक सदस्य ने आईएएनएस से कहा, 'हम पिछले दो वर्षों से नीदरलैंड में रह रहे हैं और यहां इतने बड़े भारतीय समुदाय को देखकर बेहद खुश हैं। हमारे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी यहां आ रहे हैं और हम उनसे मिलने की भी योजना बना रहे हैं।'

भारतीय समुदाय के एक अन्य सदस्य ने कहा कि भारत और नीदरलैंड के बीच पहले से ही असाधारण साझेदारी मौजूद है। उन्होंने कहा, 'द्विपक्षीय व्यापार 28 अरब डॉलर से अधिक है और नीदरलैंड भारत में चौथा सबसे बड़ा प्रत्यक्ष विदेशी निवेशक (एफडीआई) है।'

उन्होंने आगे कहा, 'लेकिन सबसे ज्यादा उत्साह उन नए क्षेत्रों को लेकर है जिन पर अब दोनों देश काम कर रहे हैं। इस बार सतत ऊर्जा, सेमीकंडक्टर नवाचार और जल प्रबंधन जैसे विषयों पर चर्चा हो रही है। भविष्य काफी मजबूत और आशाजनक नजर आता है।'

झारखंडः पतरातू के कामेश्वर पांडे हत्याकांड में गैंगस्टर अमन श्रीवास्तव और लखन साव को उम्रकैद

रामगढ़। झारखंड के रामगढ़ जिले के चर्चित कामेश्वर पांडे हत्याकांड में अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश प्रथम की अदालत ने शुक्रवार को गैंगस्टर अमन श्रीवास्तव और उसके सहयोगी लखन साव को आजीवन कारावास की सजा सुनाई। अदालत ने दोनों दोषियों पर 10-10 हजार रुपए का जुर्माना भी लगाया। 7 मई को अदालत ने दोनों को हत्या और आपराधिक साजिश रचने का दोषी करार दिया था।

सजा के बिंदु पर सुनवाई पूरी होने के बाद शुक्रवार को अदालत ने हत्या के मामले में दोनों दोषियों को उम्रकैद और जुर्माने की सजा दी। वहीं धारा 120(बी) के तहत आपराधिक साजिश रचने के आरोप में भी दोनों को आजीवन कारावास और 10 हजार रुपए जुर्माने की सजा सुनाई गई। इसके अलावा आर्म्स एक्ट की धारा 27 के तहत सात वर्ष के सश्रम कारावास और 10 हजार रुपए जुर्माने की सजा सुनाई गई।

अदालत ने कहा कि जुर्माने की राशि जमा नहीं करने पर दोषियों को एक वर्ष का अतिरिक्त सश्रम कारावास भुगतना होगा। फैसला सुनाए जाने के दौरान न्यायालय परिसर में सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए थे।

यह मामला पतरातू निवासी 70 वर्षीय कामेश्वर पांडे की हत्या से जुड़ा है। घटना 26 अक्टूबर, 2015 को उस समय हुई थी, जब वह स्थानीय सब्जी बाजार में खरीदारी करने गए थे। इसी दौरान श्रीवास्तव गिरोह के शूटरों ने उन पर ताबड़तोड़ फायरिंग कर दी थी, जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई थी। मामले में पवन किशोर पांडे ने प्राथमिकी दर्ज कराई थी।

सुनवाई के दौरान अदालत में यह तथ्य सामने आया कि अमन श्रीवास्तव ने इलाके में दहशत और अपना वर्चस्व कायम करने के उद्देश्य से हत्या की साजिश रची थी। जांच में यह भी सामने आया कि कामेश्वर पांडे का किसी आपराधिक गतिविधि से कोई संबंध नहीं था। मामले में पुलिस ने गणेश सिंह उर्फ जयप्रकाश सिंह, लखन साव और अमन श्रीवास्तव को नामजद आरोपी बनाया था।

हालांकि अभियोजन पक्ष गणेश सिंह के खिलाफ अदालत में पर्याप्त साक्ष्य और गवाह पेश नहीं कर सका, जिसके बाद उसे बरी कर दिया गया। मामले में सरकार की ओर से एपीपी श्रद्धा जया टोपनो ने पक्ष रखा, जबकि बचाव पक्ष की ओर से झारखंड हाईकोर्ट के अधिवक्ता बीएन त्रिपाठी और रामगढ़ के अधिवक्ता महेंद्र महतो ने बहस की।

राजस्थान के मुख्यमंत्री ने ईंधन बचाने के लिए जन आंदोलन का किया आह्वान

जयपुर । राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने शुक्रवार को ऊर्जा संरक्षण और ईंधन बचत को जन आंदोलन में बदलने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि पेट्रोल और डीजल की बचत करना समय की आवश्यकता है और भविष्य की ऊर्जा चुनौतियों का समाधान केवल स्वच्छ और वैकल्पिक ऊर्जा स्रोतों के माध्यम से ही किया जा सकता है।

राजस्थान एनर्जी कॉन्क्लेव को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश सौर ऊर्जा उत्पादन में अग्रणी भूमिका निभा रहा है और एक प्रमुख ऊर्जा आपूर्तिकर्ता राज्य के रूप में अपनी पहचान को लगातार मजबूत कर रहा है। राज्य में गैर-पारंपरिक ऊर्जा की अपार संभावनाएं हैं और यह तेजी से हरित ऊर्जा क्रांति के केंद्र के रूप में उभर रहा है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि ऊर्जा संरक्षण, ऊर्जा उत्पादन का सबसे किफायती, प्रभावी और टिकाऊ विकल्प है। संसाधनों का अनुशासित और विवेकपूर्ण उपयोग ऊर्जा आत्मनिर्भरता प्राप्त करने की कुंजी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'राष्ट्र पहले' दृष्टिकोण और ईंधन की 'एक-एक बूंद' बचाने के आह्वान का जिक्र करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार ने सरकारी वाहनों के संयमित उपयोग और व्यापक ऊर्जा संरक्षण उपायों को बढ़ावा देने के लिए दिशानिर्देश जारी किए हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि ऊर्जा संरक्षण और ईंधन की बचत को जन भागीदारी से संचालित एक जन आंदोलन बनाना होगा। इलेक्ट्रिक वाहनों को अपनाने से कार्बन उत्सर्जन में उल्लेखनीय कमी आएगी और पर्यावरण संरक्षण प्रयासों को मजबूती मिलेगी।

पेट्रोल और डीजल की बचत को समय की आवश्यकता बताते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि भविष्य की ऊर्जा चुनौतियों का समाधान केवल स्वच्छ और वैकल्पिक ऊर्जा स्रोतों के माध्यम से ही किया जा सकता है। इलेक्ट्रिक वाहनों के उपयोग से कार्बन उत्सर्जन में उल्लेखनीय कमी आती है और पर्यावरण संरक्षण प्रयासों को मजबूती मिलती है।

राजस्थान के ऊर्जा क्षेत्र में निवेशकों को सक्रिय रूप से भाग लेने के लिए आमंत्रित करते हुए मुख्यमंत्री शर्मा ने कहा कि राज्य प्रधानमंत्री मोदी के '2047 तक विकसित भारत' के विजन के अनुरूप ऊर्जा शक्ति बनने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि राजस्थान देश के सबसे निवेश-अनुकूल राज्यों में से एक है।

पीएम मोदी के आह्वान को जन-आंदोलन बनाएगी दिल्ली सरकारः सीएम रेखा गुप्ता

नई दिल्ली । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा ऊर्जा संरक्षण, संसाधनों की बचत और जिम्मेदार जीवनशैली अपनाने के आह्वान के बाद दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने शुक्रवार को दिल्ली सचिवालय में विधायक दल की महत्वपूर्ण बैठक कर पार्टी विधायकों से दिल्ली सरकार के निर्णयों को जन-जन तक पहुंचाने का आह्वान किया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्तमान वैश्विक संकट, ईंधन की बढ़ती चुनौती और आर्थिक परिस्थितियों को देखते हुए दिल्ली सरकार प्रधानमंत्री के संदेश को जन-आंदोलन का स्वरूप देने के लिए पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है।

मुख्यमंत्री ने विधायकों से कहा कि वे अपने-अपने विधानसभा क्षेत्रों में व्यापक जनसंपर्क अभियान चलाएं और लोगों को ईंधन बचत, सार्वजनिक परिवहन के उपयोग, कारपूलिंग तथा जिम्मेदार जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित करें। उन्होंने कहा कि विधायक स्वयं भी उदाहरण प्रस्तुत करें। 'मेट्रो मंडे' पहल के तहत विधायक सप्ताह में एक दिन मेट्रो से यात्रा करें ताकि आम नागरिक भी प्रेरित हों। उन्होंने विधायकों से अपने काफिलों को सीमित करने, वाहनों का कम उपयोग करने तथा ई-वाहनों को प्राथमिकता देने की भी अपील की।

मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि विधायक अपनी विधानसभा क्षेत्रों की आरडब्ल्यूए, सामाजिक संस्थाओं, मार्केट एसोसिएशन, शिक्षण संस्थानों और विभिन्न संगठनों के बीच जाकर दिल्ली सरकार द्वारा शुरू किए गए 'मेरा भारत, मेरा योगदान' अभियान की जानकारी दें। उन्होंने कहा कि यह 90 दिवसीय जनजागरूकता अभियान केवल सरकारी कार्यक्रम नहीं, बल्कि राष्ट्रहित में सामूहिक भागीदारी का प्रयास है, जिसमें हर नागरिक की भूमिका महत्वपूर्ण है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि दिल्ली सरकार ने प्रधानमंत्री के आह्वान को धरातल पर उतारने के लिए कई बड़े निर्णय लिए हैं। इसके तहत आवश्यक सेवाओं को छोड़कर सरकारी विभागों में सप्ताह में दो दिन 'वर्क फ्रॉम होम' व्यवस्था लागू की जा रही है। निजी संस्थानों और कंपनियों को भी इस दिशा में सहयोग करने की सलाह दी गई है।

मुख्यमंत्री ने विधायकों से कहा कि दिल्ली सरकार ने संकट की घड़ी में जो निर्णय लिए हैं, उसकी जानकारी आमजन तक भी पहुंचनी चाहिए ताकि वे भी उन पर अमल करें। सरकार के इन निर्णयों के तहत हर सोमवार 'मेट्रो मंडे' मनाया जाएगा तथा सप्ताह में एक दिन 'नो व्हीकल डे' मनाने की अपील की गई है।

उन्होंने बताया कि सरकार ने अगले छह महीने तक नया पेट्रोल, डीजल, सीएनजी या हाइब्रिड वाहन नहीं खरीदने का निर्णय लिया है। इसके अतिरिक्त सरकारी कार्यालयों में एयर कंडीशनर का तापमान 24 से 26 डिग्री के बीच निर्धारित किया गया है ताकि बिजली की बचत सुनिश्चित की जा सके।

कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री शिवकुमार के जन्मदिन पर समर्थकों ने की विशेष पूजा-अर्चना

बेंगलुरु। कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री और प्रदेश कांग्रेस कमेटी (केपीसीसी) अध्यक्ष डीके. शिवकुमार का जन्मदिन शुक्रवार को पूरे राज्य में धूमधाम से मनाया गया। कांग्रेस नेताओं और समर्थकों ने मंदिर में पूजा-अर्चना, केक काटने का समारोह, दान कार्यक्रम और जनसभाएं आयोजित कीं। कई नेताओं ने खुले तौर पर आशा व्यक्त की कि शिवकुमार एक दिन कर्नाटक के मुख्यमंत्री बनेंगे।

शिवकुमार अपना 64वां जन्मदिन मना रहे हैं और उनके कई वफादार विधायकों ने पहले ही कहा था कि कांग्रेस हाई कमांड इस अवसर पर मुख्यमंत्री पद के संबंध में कोई घोषणा कर सकती है।

शिवकुमार को मुख्यमंत्री पद का प्रबल दावेदार माना जा रहा है और उन्होंने खुले तौर पर मुख्यमंत्री बनने की इच्छा व्यक्त की है। उन्होंने यह भी कहा था कि उन्हें और मुख्यमंत्री सिद्दारमैया को जल्द ही दिल्ली बुलाया जाएगा और वे पार्टी हाई कमांड के निर्देशों का पालन करेंगे।

शुक्रवार को शिवकुमार के जन्मदिन के अवसर पर बल्लारी के दुर्गाम्मा मंदिर में विशेष प्रार्थनाएं की गईं और कांग्रेस नेताओं ने राज्य में उनके राजनीतिक उत्थान की कामना की।इस कार्यक्रम का आयोजन कांग्रेस सांसद ई. तुकाराम और बल्लारी शहरी विकास प्राधिकरण के अध्यक्ष अंजनेयलू के नेतृत्व में किया गया। इस दौरान 65 किलो का केक काटा गया और 2,000 से अधिक लोगों के लिए भोजन की व्यवस्था की गई थी।

मीडिया से बात करते हुए सांसद तुकाराम ने कहा, 'हमने डी.के. शिवकुमार की मनोकामनाएं पूरी होने की प्रार्थना की है।'

शिवकुमार की मुख्यमंत्री बनने की महत्वाकांक्षाओं का अप्रत्यक्ष समर्थन करते हुए तुकाराम ने कहा कि कांग्रेस हाई कमांड कर्नाटक में नेतृत्व संबंधी मुद्दों को केरल की तरह ही सुलझाएगी।

तुकाराम ने कहा, 'जिस तरह केरल में बदलाव हुए, उसी तरह पार्टी हाई कमांड कर्नाटक में भी मुद्दों को सुलझाएगी।

बहुराष्ट्रीय मिशन पर भारतीय नौसेना का जहाज 'आईओएस सागर' कोलंबो बंदरगाह पहुंचा

नई दिल्ली। भारतीय नौसेना का जहाज 'आईओएस सागर' शुक्रवार को कोलंबो बंदरगाह पहुंचा है। इस जहाज में केवल भारत ही नहीं बल्कि 16 देशों के नौसैनिक कर्मी मौजूद हैं। बहुराष्ट्रीय दल के साथ यह भारतीय युद्धपोत हिंद महासागर क्षेत्र में अपने परिचालन तैनाती मिशन पर है।

श्रीलंकाई जलक्षेत्र में प्रवेश के समय श्रीलंका नौसेना के एक युद्धपोत ने आईओएस सागर को एस्कॉर्ट करते हुए बंदरगाह तक पहुंचाया। भारतीय नौसेना के मुताबिक तीन दिवसीय इस पोर्ट कॉल का उद्देश्य भारत और श्रीलंका के बीच समुद्री सहयोग को और मजबूत करना तथा क्षेत्रीय समुद्री सुरक्षा ढांचे को सुदृढ़ करना है।

यह यात्रा हिंद महासागर क्षेत्र में शांति, स्थिरता और सामूहिक समुद्री सुरक्षा के प्रति दोनों देशों की साझा प्रतिबद्धता को भी दर्शाती है। कोलंबो की इस यात्रा में आईओएस सागर के कमांडिंग ऑफिसर श्रीलंकाई नौसेना के वरिष्ठ अधिकारियों से मुलाकात करेंगे।

इनमें वेस्टर्न नेवल एरिया के कमांडर और फ्लैग ऑफिसर कमांडिंग नेवल फ्लीट शामिल हैं। कमांडिंग ऑफिसर कोलंबो स्थित भारत के उच्चायुक्त से भी भेंट करेंगे। इसके अलावा श्रीलंका नौसेना के चीफ ऑफ स्टाफ भारतीय जहाज का दौरा करेंगे और बहुराष्ट्रीय दल के नौसैनिकों से संवाद करेंगे। यहां पेशेवर और सांस्कृतिक गतिविधियां होंगी।

इन गतिविधियों के तहत आईओएस सागर का बहुराष्ट्रीय दल एक विशेष संवाद में हिस्सा लेगा, जिसमें 'आईओएस सागर 2026' अभियान के उद्देश्यों पर जानकारी दी जाएगी। भारत और श्रीलंका नौसेना के कर्मियों के बीच वॉलीबॉल और बास्केटबॉल जैसे मैत्रीपूर्ण खेल मुकाबले भी आयोजित किए जाएंगे। इन खेलों का मकसद आपसी सौहार्द और सहयोग की भावना को बढ़ावा देना है। कोलंबो बंदरगाह पर प्रवास के दौरान जहाज को स्थानीय आगंतुकों के लिए भी खोला जाएगा।

श्रीलंका नौसेना के कर्मी, स्कूली बच्चे और कोलंबो में रहने वाले भारतीय समुदाय के लोग भारतीय जहाज का दौरा करेंगे। आधिकारिक कार्यक्रमों के अलावा आईओएस सागर का दल कोलंबो पोर्ट, गॉल, कैंडी और पिन्नावाला जैसे स्थानों का सांस्कृतिक और पेशेवर दौरा भी करेगा।

इन गतिविधियों का उद्देश्य दोनों देशों के लोगों के बीच संपर्क और आपसी समझ को और मजबूत करना है। आईओएस सागर अपनी यात्रा पूरी करने के उपरांत 18 मई को कोलंबो से रवाना होगा। प्रस्थान के समय भारतीय नौसेना और श्रीलंका नौसेना के बीच 'पासेज सैन्य एक्सरसाइज' यानी पासेक्स आयोजित किया जाएगा। इस अभ्यास का उद्देश्य दोनों नौसेनाओं के बीच परिचालन समन्वय और इंटरऑपरेबिलिटी को बढ़ाना है।

गौरतलब है कि आईओएस सागर की यह यात्रा भारत की 'पड़ोसी प्रथम' नीति का महत्वपूर्ण उदाहरण है। साथ ही यह हिंद महासागर क्षेत्र में सामूहिक समुद्री सुरक्षा, क्षेत्रीय सहयोग और स्थिरता सुनिश्चित करने की दिशा में भारत की निरंतर प्रतिबद्धता को भी दर्शाती है।

संक्षिप्त खबरें

आम जनता को न हो परेशानी, कालाबाजारी की शिकाय पर होगी कार्रवाई : डॉ. गौरव सिंह

रायपुर। डॉक्टर डॉ. गौरव सिंह ने तेलुगू कंपनियों के पेशेवरों और विपक्षों की बैठक ली। उन्होंने कहा कि इस बात पर ध्यान दें कि आम जनता को परेशानी न हो, पेट्रोल पंपों से उन्हें नियमित रूप से डीजल एवं पेट्रोल की आपूर्ति हो रही है। तेल कंपनी के अपने उद्यमों को बिना देरी के पेट्रोल-डीजल की आपूर्ति बंद कर दें। साथ ही डिपाजिट द्वारा जो अब तक पेट्रोल-डीजल पेट्रोल का समय सुबह 7 से दोपहर 3 बजे तक था उसे स्थिति सामान्य होने तक समय मिला। डॉक्टर डॉ. सिंह ने शहर के अंदर जंगल के 24 कलाकारों को देखने के निर्देश दिए। ताकि किसी भी पेट्रोल पंप में ईंधन की कमी न हो और स्टॉक रहे। साथ ही पेट्रोल पंप मुख्यत: समय तक खुल जाए ताकि आम जनता को पेट्रोल-डीजल लेने में सुविधा हो। उन्होंने कहा कि यह ध्यान रखें कि किसी भी स्थिति में पेट्रोल-डीज़ल की आपूर्ति में गड़बड़ी न हो और कालाबाजारी की याचिका न हो, ऐसा पाए जाने पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी। वरिष्ठ वकील कीर्तिमान सिंह रायटर ने कहा कि जिले में पेट्रोल-डीजल के सामी स्टॉक आम जनता के लिए फायदेमंद नहीं हैं, और पेट्रोल-डीजल की कमी न करें, पेट्रोल-डीज़ल की कमी न करें, अफवाहों पर ध्यान न दें। कालाबाजारी की सूचना मिलने पर कलेक्टर कॉल सेंटर के नंबर 9977222564, 9977222574, 9977222584 एवं 9977222594 पर सूचित करें। प्रदेश एवं जिला प्रोडक्शन्स एसोसिएशन के अध्यक्ष अखिल भगत ने अपील की है कि आम जनता चिंता न करे, अफवाहों पर ध्यान न दे। पेट्रोल-डीजल का सामान स्टॉक है, उतनी ही जरूरी है पेट्रोल-डीजल की जरूरत, और करें सहयोग। बैठक में खाद्य नियंत्रक भूपेन्द्र मिश्रा एवं सभी तेल कंपनियों के अधिकारी एवं बरोजगार उपस्थित थे।

राजधानी में 'रेड रूम' रेव पार्टी को लेकर बढ़ा विवाद

रायपुर। राजधानी रायपुर में एक बार फिर छत्तीसगढ़ की संस्कृति और सामाजिक मर्यादाओं को ठेस पहुंचाने का मामला सामने आया है। जानकारी के अनुसार, शहर में रेड रूम टेक्नो पार्टी नाम से आयोजित होने वाली पार्टी को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर खुलेआम प्रमोट किया जा रहा। बताया जा रहा है कि पार्टी के प्रमोशनल वीडियो में नाबालिग लड़कियों का इस्तेमाल किया गया है। वहीं वीडियो को अश्लील अंदाज में प्रस्तुत कर युवाओं को आकर्षित करने की कोशिश की जा रही है। सूत्रों के मुताबिक, पार्टी में नशे से जुड़े पदार्थ परोसे जाने की भी आशंका जताई जा रही है। इसके बाद आयोजन स्थल की बुकिंग और अनुमति प्रक्रिया पर भी सवाल उठने लगे हैं। यह पार्टी शुक्रवार को 'फर्जी कैफे' नामक स्थान पर शाम 6 बजे से रात 11 बजे तक आयोजित होने वाली है। पार्टी के लिए 40 हजार, 20 हजार, 15 हजार, 10 हजार और 8 हजार रुपये तक की बुकिंग फीस तय की गई है। इसके अलावा कलाकारों से मुलाकात के लिए अलग से शुल्क लिए जाने की भी जानकारी सामने आई है।

छत्तीसगढ़ के लाल दिव्यांशु देवांगन ने रचा इतिहास

रायपुर। छत्तीसगढ़ के रायगढ़ जिले के होनहार अंतरराष्ट्रीय निशानेबाज दिव्यांशु देवांगन ने वैश्विक पटल पर भारत का परचम लहराया है। मिस्र की राजधानी काहिरा में आयोजित जूनियर वर्ल्ड कप की 10 मीटर एयर राइफल मिक्स्ड डबल्स स्पर्धा में दिव्यांशु ने न केवल स्वर्ण पदक जीता, बल्कि एक नया वर्ल्ड रिकॉर्ड भी स्थापित किया है। वित्त मंत्री ओ.पी. चौधरी ने कहा कि खेल केवल जीत-हार का माध्यम नहीं, बल्कि अनुशासन और राष्ट्र के प्रति समर्पण का सबसे सशक्त मार्ग है।

वित्त मंत्री ने दी बधाई पूरे प्रदेश के लिए गर्व का क्षण

दिव्यांशु की इस अभूतपूर्व सफलता पर छत्तीसगढ़ के वित्त मंत्री ओपी चौधरी ने उन्हें फोन कर व्यक्तिगत रूप से बधाई दी। बातचीत के दौरान उन्होंने इस जीत के महत्व को साझा किया। चौधरी ने कहा कि यह सफलता छत्तीसगढ़ के लाखों युवाओं के लिए प्रेरणा स्रोत है। यह साबित करता है कि अटूट संकल्प से इतिहास रचा जा सकता है। उन्होंने कहा कि उन्होंने खेल को अनुशासन, धैर्य और आत्मविश्वास का सर्वश्रेष्ठ शिक्षक बताया। उन्होंने जोर दिया कि खेलों के माध्यम से ही युवा शक्ति अंतरराष्ट्रीय मंच पर देश का मान बढ़ा सकती है।

राज्य सरकार का समर्थन और भविष्य की राह

वित्त मंत्री ने दिव्यांशु को आश्वासन दिया कि राज्य सरकार प्रदेश की खेल प्रतिभाओं को निखारने और उन्हें हर संभव सहायता प्रदान करने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। उन्होंने विश्वास जताया कि दिव्यांशु भविष्य में भी अंतरराष्ट्रीय स्तर पर देश और प्रदेश का नाम रोशन करते रहेंगे।

छत्तीसगढ़ में पेट्रोल-डीजल की कमी नहीं

खाद्य सचिव रीना बाबासाहेब कंगाले

रायपुर। छत्तीसगढ़ में पेट्रोल और डीजल की पर्याप्त आपूर्ति सुनिश्चित है और आम नागरिकों को किसी भी प्रकार की चिंता करने की आवश्यकता नहीं है। खाद्य सचिव रीना बाबा साहेब कंगाले ने महत्वपूर्ण जानकारी देते हुए कहा कि प्रदेशवासियों से किसी भी प्रकार की पैनिक समस्या से बचने की अपील की जाती है।

खाद्य रीना बाबा साहेब कंगाले ने स्पष्ट किया है कि हाल ही में कुछ पंपों के ड्राय आउट से फोर्थ अफवाहों के कारण वृद्धि दर्ज की गई थी। शासन और तेल उद्योग पूरी स्थिति पर लगातार चौबीस घंटे नजर बनाए हुए हैं। सभी संचालित 2,516 पेट्रो डीजल पंपों की नियमित रूप से आपूर्ति बहाल की जा रही है ताकि किसी भी नागरिक को परेशानी न हो।

उन्होंने बताया कि रायपुर शहर के कुल 326 पंपों में से केवल 35 पंप और बिलासपुर के 156 पंपों में से केवल 13 पंपों को आकार के रूप से बाहर निकाला गया है। इन प्रभावित पंपों को भी जल्द ही नया स्टॉक उपलब्ध कराया जाएगा। प्रशासन ने जनता से भ्रम में न आने का आग्रह किया है।

छत्तीसगढ़- पेट्रोल पंपों में दूसरे दिन भी भीड़

देशभर में पेट्रोल और डीजल 3-3 रुपए प्रति लीटर महंगा हो गया है। छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर में 103.58 रुपए पर लीटर पेट्रोल मिल रहा, डीजल की कीमत 96.57 रुपए है। लेकिन निजी कंपनी जियो ने 5 रुपए लीटर तक रेट बढ़ाया है।

सुबह से ही कई फ्यूल स्टेशनों पर दूसरे दिन भी गाड़ियों की लंबी लाइन लगी है, कई पंप बंद भी है। छत्तीसगढ़ के अधिकांश शहरों में यही हालात है। प्रशासन का दावा है कि, अफवाहों के चलते लोग सामान्य से ज्यादा पेट्रोल-डीजल भरवा रहे हैं। खाद्य सचिव रीना बाबासाहेब कंगाले ने जानकारी दी कि, प्रदेश में टोटल 2516 पेट्रोल/डीजल पंप हैं। रायपुर शहर में 326 पंप हैं, जिनमें से 35 पंप ड्राई आउट हैं। बिलासपुर शहर में टोटल 156 पंप हैं, जिनमें से 9 पंप ड्राई है। वहीं, कोरबा में स्थिति सामान्य बताई जा रही है।

अन्य चीजों के दाम भी बढ़ सकते हैं

डीजल के दाम बढ़ने का सीधा असर आम आदमी की जेब और किचन पर पड़ता है।

मालभाड़ा बढ़ेगा: ट्रक और टेम्पो का किराया बढ़ जाएगा, जिससे दूसरे राज्यों से आने वाली सब्जियां, फल और राशन महंगे हो सकते हैं।

खेती की लागत: ट्रैक्टर और पंपिंग सेट चलाने के लिए किसानों को ज्यादा खर्च करना होगा, जिससे अनाज की लागत बढ़ सकती है।

बस-ऑटो का किराया: सार्वजनिक परिवहन और स्कूल बसों के किराए में भी इजाफा देखने को मिल सकता है।

मुख्यमंत्री ने कहा, प्रदेश में पेट्रोल-डीजल का भंडार : अफवाहों से दूर रहें

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने प्रदेशवासियों से पेट्रोल एवं डीजल के मसालों को लेकर किसी भी प्रकार की चिंता न करने की अपील की है। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ में पेट्रोल एवं डीजल का स्टॉक उपलब्ध है और प्रदेश के सभी तेल डिपो में नियमित रूप से पेट्रोल की आपूर्ति जारी है। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि प्रदेश सरकार एवं तेल उद्योग पूर्ण सहयोग के साथ स्थिति पर लगातार निगरानी बनाए रखे हुए हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि ग्लोबल स्पेक्ट्रम पर ध्यान देने की बात यह है कि भारत सरकार द्वारा सशक्त स्टॉक को लेकर कोई विशेष समस्या नहीं है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी ने सभी देशवासियों को एस्कॉर्ट शॉप और कलेक्शन से बचा लिया है और किसी भी अफवाह पर ध्यान न देने की अपील की है।

आकाशवाणी के 90 वर्ष पूर्ण होने पर रायपुर में भव्य वॉकथन

रायपुर। आकाशवाणी के 90 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में आज छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर में आकाशवाणी केन्द्र द्वारा भव्य वॉकथन का आयोजन किया गया। इस आयोजन में आकाशवाणी के वर्तमान कर्मचारी, सेवानिवृत्त अधिकारी-कर्मचारी, समाचार वाचक, श्रोता, युवा वर्ग तथा शहर के अनेक प्रमुख नागरिकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम का उद्देश्य आकाशवाणी की गौरवशाली यात्रा, समाज में उसके योगदान तथा जनसंचार के क्षेत्र में उसकी विश्वसनीय भूमिका को स्मरण करना था।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि दूरदर्शन रायपुर के उप महानिदेशक संजय कुमार मिश्रा थे। विशेष अतिथि के रूप में पत्र सूचना कार्यालय रायपुर के उप निदेशक रमेश जायभाये तथा माय भारत के क्षेत्रीय प्रमुख अर्पित तिवारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम में शहर के विभिन्न सामाजिक संगठनों, मीडिया प्रतिनिधियों और युवाओं की भी उल्लेखनीय भागीदारी रही।

वॉकथन का शुभारंभ सुबह लगभग सात बजे सिविल लाइंस स्थित आकाशवाणी भवन परिसर से हुआ। प्रतिभागियों ने हाथों में आकाशवाणी के 90 वर्ष पूरे होने से संबंधित संदेश लिखी तख्तियां और बैनर लेकर शहर के प्रमुख मार्गों पर पदयात्रा की। यह वॉकथन आकाशवाणी भवन से प्रारंभ होकर सिविल लाइंस, जयस्तंभ चौक, तेलीबांधा क्षेत्र तथा अन्य प्रमुख मार्गों से होते हुए पुन: आकाशवाणी परिसर में संपन्न हुआ। पूरे मार्ग में प्रतिभागियों में उत्साह और ऊर्जा देखने को मिली। इस अवसर पर मुख्य अतिथि संजय कुमार मिश्रा ने कहा कि आकाशवाणी केवल एक प्रसारण संस्था नहीं, बल्कि देश की सांस्कृतिक, सामाजिक और लोकतांत्रिक चेतना का मजबूत माध्यम है। उन्होंने कहा कि पिछले नौ दशकों में आकाशवाणी ने देश के दूरस्थ क्षेत्रों तक सूचना, शिक्षा और मनोरंजन पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उन्होंने यह भी कहा कि आज डिजिटल युग में भी आकाशवाणी की विश्वसनीयता और जनसरोकार पहले की तरह मजबूत बने हुए हैं। माय भारत के क्षेत्रीय प्रमुख अर्पित तिवारी ने कहा कि आकाशवाणी ने सदैव युवाओं, किसानों, महिलाओं और समाज के विभिन्न वर्गों के लिए उपयोगी कार्यक्रम प्रस्तुत किए हैं। उन्होंने कहा कि रेडियो आज भी जनसंचार का सबसे सुलभ और प्रभावशाली माध्यम है।

19 मई को बस्तर में होगी मध्य क्षेत्रीय परिषद की 26वीं बैठक

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने आज मंत्रालय महानदी भवन में बस्तर में आयोजित होने वाली मध्य क्षेत्रीय परिषद की 26वीं बैठक की तैयारियों को लेकर उच्च स्तरीय समीक्षा बैठक की। यह महत्वपूर्ण बैठक केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह की अध्यक्षता में आयोजित होगी, जिसमें मध्यप्रदेश, उत्तरप्रदेश, उत्तराखंड और छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री शामिल होंगे।

बैठक के दौरान अधिकारियों ने प्रस्तुतीकरण (पीपीटी) के माध्यम से राज्य सरकार द्वारा परिषद की बैठक में उठाए जाने वाले विभिन्न विषयों की जानकारी मुख्यमंत्री को दी। मुख्यमंत्री ने सभी बिंदुओं की विस्तार से समीक्षा करते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए। मुख्यमंत्री साय ने वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारियों को विभिन्न जिम्मेदारियां सौंपते हुए निर्देश दिए कि आयोजन की तैयारियों में किसी प्रकार की कमी न रहे और सभी व्यवस्थाएं गंभीरता एवं समन्वय के साथ सुनिश्चित की जाएं। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि विकसित भारत के निर्माण में मध्य क्षेत्रीय परिषद के राज्यों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है।

केंद्र और राज्य के बीच डिजिटल राजस्व सुधार पर चर्चा

रायपुर। छत्तीसगढ़ में अब व्हाट्सएप पर मिलेगी रजिस्ट्री की कॉपी! केंद्र ने नवाचारों की सराहना कर बढ़ाई समय सीम भारत सरकार के भूमि संसाधन विभाग के सचिव नरेन्द्र भूषण ने मंत्रालय (महानदी भवन) में छत्तीसगढ़ के मुख्य सचिव विकासशील से सौजन्य भेंट कर राज्य में चल रहे डिजिटल राजस्व सुधारों और सिंचाई परियोजनाओं की विस्तृत समीक्षा की। इस बैठक में ई-पंजीयन, भुईयां पोर्टल और प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना के तहत हो रहे नवाचारों पर केंद्र ने संतोष व्यक्त किया है

छत्तीसगढ़ के किसानों और आम जनता के लिए राजस्व संबंधी कार्यों में पारदर्शिता और गति आएगी। अब रजिस्ट्री की प्रति व्हाट्सएप पर मिलना और डिजिटल किसान किताब जैसी सुविधाएं आम नागरिकों को तहसील और दफ्तरों के चक्कर काटने से मुक्ति दिलाएंगी। बैठक के दौरान राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग की सचिव शम्मी आबिदी ने बताया कि राज्य में भू-अभिलेखों का पूर्ण कंप्यूटरीकरण कर मॉडर्न रिकॉर्ड रूम स्थापित किए जा चुके हैं। भुईयां पोर्टल के माध्यम से अब भूमि स्वामी अपनी डिजिटल किसान किताब कभी भी डाउनलोड कर सकते हैं। इसके अलावा, वाणिज्यिक कर (पंजीयन) विभाग ने रजिस्ट्री प्रक्रिया को पूरी तरह पेपरलेस बना दिया है, जिसमें अपॉइंटमेंट से लेकर दस्तावेज प्राप्ति तक की सूचना व्हाट्सएप पर दी जा रही है।

सिंचाई परियोजना की लागत 613.66 करोड़ रुपये है, जिसमें केंद्र और राज्य का हिस्सा 60:40 के अनुपात में है। केंद्र सरकार ने हाल ही में 28 अप्रैल 2026 को परियोजना के लिए 30.14 करोड़ रुपये का केंद्रांश जारी किया है। डिजिटल सुधारों और केंद्र से मिली नई किश्त के बाद प्रदेश में लंबित सिंचाई कार्यों में तेजी आएगी। साथ ही, राजस्व विभाग जल्द ही कुछ अन्य सेवाओं को भी पूरी तरह ऑनलाइन और मोबाइल-फ्रेंडली बनाने की तैयारी में है।

छत्तीसगढ़ में वर्कफार्म होम लागू करने की मांग

कर्मचारी अधिकारी महासंघ ने मुख्यमंत्री-मुख्य सचिव को पत्र लिखा

रायपुर। छत्तीसगढ़ अधिकारी-कर्मचारी महासंघ ने राज्य में 'वर्क फ्रॉम होम' व्यवस्था लागू करने की मांग की है। फेडरेशन के मुख्यमंत्री और मुख्य सचिव के पत्र में कहा गया है कि अंतर्राष्ट्रीय असंतुलन के कारण पेट्रोल और डीजल के रसायन और उनके क्षेत्र को लेकर गंभीर संकट की आशंका बनी हुई है। ऐसे समय में ठोस कदम उठाने की आवश्यकता है।

फेडरेशन के संयोजक कमल वर्मा ने कहा कि वैश्विक स्तर पर ऊर्जा संरक्षण और आजीविका को कम करने की आवश्यकता लगातार महसूस की जा रही है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने भी ऊर्जा संरक्षण और उपयोग पर विशेष जोर दिया है। फेडरेशन ने प्रधानमंत्री की अपील समयानुकूल और स्वागत योग्य बताई है।

पत्र में कहा गया है कि छत्तीसगढ़ शासन द्वारा सबसे पहले ई-ऑफिस और पैलेसेस में ही वीजा आवेदन लागू किया गया है। वर्तमान डिजिटल व्यवस्था के कारण अधिकांश रेलवे और ऑफिसीन कार्य ऑनलाइन माध्यम से आसान किये जा सकते हैं। ऐसे में आवश्यकता के अनुसार वर्कशॉप से ??होम व्यवस्था लागू करना पूरी तरह से व्यावहारिक और कलात्मक कदम होगा।

फेडरेशन ने विशेष रूप से नवा रायपुर स्थित मंत्रालय और अन्य तीर्थयात्रियों का उल्लेख करते हुए कहा है कि वहां प्रतिदिन बड़ी संख्या में अधिकारी और कर्मचारी निजी और लिपिक सह-लेखक नियुक्त किए जाते हैं। यदि वर्कशॉप होम व्यवस्था लागू की जाती है तो इससे जंगल की बड़ी मात्रा में बचत संभव होगी। साथ ही सड़क पर सामुहिक दबाव कम होगा और प्रदूषण में भी कमी आएगी।

कमल वर्मा ने कहा कि वर्तमान में सरकार को चरणबद्ध तरीके से या आवश्यकता के अनुसार कार्यशाला से गृह व्यवस्था लागू करने पर विचार करना चाहिए। उनका कहना है कि इससे न केवल आजीविका संकट से शुरुआत में मदद मिलेगी, बल्कि श्रमिक श्रमिकों की स्वायत्तता भी बनी रहेगी।

नवाचारों से कृषि स्नातक बन सकते हैं देश की तरक्की में भागीदार : राज्यपाल

1800 से अधिक विद्यार्थियों को प्रदान की उपाधि, विद्यार्थियों को 13 स्वर्ण, 7 रजत एवं 2 कांस्य पदक वितरित

रायपुर। राज्यपाल रमेन डेका ने कहा है कि देश के विकास में कृषि विश्वविद्यालयों की इसमें विशेष भूमिका है, क्योंकि भारत में कृषि केवल आर्थिक गतिविधि नहीं बल्कि हमारी संस्कृति, परंपरा और करोड़ों लोगों की आजीविका है। उन्होंने कहा है कि भारत ने 2047 तक विकसित राष्ट्र बनने का लक्ष्य निर्धारित किया है, जिसमें कृषि स्नातकों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण होगी। कृषि की पढ़ाई करने वाले विद्यार्थी ग्रामीण क्षेत्रों में जाकर नवीन कृषि अनुसंधानों, प्रौद्योगिकी तथा नवाचारों का उपयोग कर देश की तरक्की में भागीदार बन सकते हैं। श्री डेका ने कृषि स्नातकों तथा शोधार्थियों से आव्हान किया कि वे अपने ज्ञान के उपयोग से भारत को विश्व का सबसे विकसित देश बनाने में अहम भूमिका निभाएं। राज्यपाल डेका आज यहां इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय के 11वें दीक्षांत समारोह को संबोधित कर रहे थे। दीक्षांत समारोह में छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय और कृषि मंत्री रामविचार नेताम भी शामिल हुए। समारोह में धरसींवा विधायक अनुज शर्मा भी उपस्थित थे। इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय रायपुर के सभागार में आयोजित भव्य एवं गरिमामय दीक्षांत समारोह में शैक्षणिक वर्ष 2024-25 तक उत्तीर्ण 1800 से अधिक छात्र-छात्राओं को ग्रेजुएशन, पोस्ट ग्रेजुएशन और पी.एच.डी की उपाधियां प्रदान की गई। इस अवसर पर मेधावी विद्यार्थियों को 13 स्वर्ण, 07 रजत एवं 02 कास्य पदक प्रदान किए गए। इसके साथ ही 128 शोधार्थियों को पीएचडी, 518 विद्यार्थियों को स्नातकोत्तर और 1234 विद्यार्थियों को स्नातक उपाधि प्रदान की गई। दीक्षांत भाषण भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान, नई दिल्ली के पूर्व निर्देशक डॉ. अशोक कुमार सिंह द्वारा दिया गया।

कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. गिरीश चंदेल ने विद्यार्थियों को दीक्षोपदेश दिया। इस अवसर पर भव्य शोभा यात्रा भी निकाली गई जिसमें अतिथियों सहित विश्वविद्यालय के कुलपति, कुलसचिव, प्रबंध मण्डल के सदस्य, प्रशासनिक तथा विद्यापरिषद के सदस्य तथा पदक प्राप्त करने वाले विद्यार्थी शामिल हुए। दीक्षांत समारोह को संबोधित करते हुए राज्यपाल डेका ने कहा कि देश और दुनिया की बड़ी आबादी का पेट भरने के लिए खाद्यान्न एवं अन्य भोज्य सामग्री की हमेशा जरूरत पड़ेगी।

महिला कांग्रेस की कार्यवाहक अध्यक्ष संगीता सिन्हा ने सम्हाला कार्यभार

रायपुर। महिला कांग्रेस की नवनियुक्त कार्यवाहक अध्यक्ष संगीता सिन्हा ने पार्टी के वरिष्ठ नेताओं प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज, नेता प्रतिपक्ष डॉ. चरणदास महंत, पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल, पूर्व मंत्री ताम्रध्वज साहू, राज्यसभा सांसद फूलोदेवी नेताम, सांसद ज्योत्सना महंत, महिला कांग्रेस की प्रभारी गुंजन सिंह, पूर्व मंत्री डा. शिवकुमार कुमार डहरिया, प्रभारी महामंत्री मलकीत सिंह गैदू, सहप्रभारी सुमिता मिश्रा की उपस्थिति में राजीव भवन में पदभार ग्रहण किया।

इस अवसर पर प्रदेश भर में आई महिला कांग्रेस की पदाधिकारी बड़ी संख्या में बैठक में शामिल हुई। वरिष्ठ नेताओं की उपस्थिति में महिला कांग्रेस की कार्यवाहक अध्यक्ष संगीता सिन्हा ने फूलोदवी नेताम से पदभार ग्रहण किया। इस अवसर हुई बैठक को संबोधित करते हुए प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा कि संगठन को मजबूत करना, महिला आरक्षण बिल के मुद्दे पर लड़ना एवं सरकार के खिलाफ अन्य मुद्दे लड़ने में महिला कांग्रेस की महत्वपूर्ण भूमिका होनी चाहिए। आज गैस महंगी हो गई है, पेट्रोल, डीजल की कील्लत हो गयी है, घर का बजट बिगड़ चुका है। सिलेंडर नहीं मिल रहा है, हाहाकार मचा हुआ है। प्रदेश कांग्रेस ने विरोध प्रदर्शन भी किया। भाजपा सरकार पांच राज्यों के चुनाव में डेरा डाले रही और देश की चिंता नहीं था। जैसे चुनाव खत्म हुआ मंहगाई बढ़ गयी।

मोदी बेशर्मीपूर्वक कहते है सोना मत खरीदो, शादी-ब्याह मत करो, तेल खाना कम कर दो, पेट्रोल-डीजल का खर्च कम कर दो। इसके लिए जिम्मेदार देश के प्रधानमंत्री मोदी और भाजपा है। देश के विकास के लिए तमाम राजनीतिक दलों की बैठक बुलाकर चर्चा नहीं करते। कांग्रेस की सरकार ने 3 संग्रहण केंद्र बनाये, मोदी सरकार ने एक भी संग्रहण केंद्र नहीं बनाये।

संक्षिप्त खबरें

महासमुंद में आकाशीय बिजली गिरने से मकान में लगी आग, लाखों का नुकसान

महासमुंद। महासमुंद जिले में बीती रात तेज अंधड़, हल्की बारिश और आकाशीय बिजली ने भारी तबाही मचाई। बागबाहरा ब्लॉक के कोमाखान तहसील अंतर्गत ग्राम बाधमुड़ा में आकाशीय बिजली गिरने से एक खपरेल मकान में भीषण आग लग गई। आग इतनी तेजी से फैली कि घर में रखा पूरा सामान जलकर राख हो गया।

जानकारी के मुताबिक, ग्राम बाधमुड़ा निवासी प्रज्ञानंद देवागन के मकान पर देर रात करीब 4 बजे अचानक बिजली गिर गई। इसके बाद घर में आग भड़क उठी और देखते ही देखते पूरा मकान इसकी चपेट में आ गया। घटना की सूचना मिलते ही महासमुंद और बागबाहरा से फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर पहुंची। काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया, लेकिन तब तक घर में रखा सीट कवर का सामान, इलेक्ट्रॉनिक सामग्री और अन्य घरेलू वस्तुएं जल चुकी थीं। पीड़ित परिवार के अनुसार, आगजनी में करीब 50 हजार से 1 लाख रुपये तक का नुकसान हुआ है। राहत की बात यह रही कि घटना के समय परिवार के सदस्य पास के पक्के मकान में सो रहे थे, जिससे कोई जनहानि नहीं हुई। ग्रामीणों ने भी शुरुआती स्तर पर आग बुझाने की कोशिश की, लेकिन तेज हवाओं के कारण आग तेजी से फैलती चली गई। घटना के बाद गांव में अफरा-तफरी का माहौल बन गया।

ग्राम बाधमुड़ा के सरपंच एडिसन विजय ठाकुर ने प्रशासन से पीड़ित परिवार को शीघ्र आर्थिक सहायता उपलब्ध कराने की मांग की है। वहीं कोमाखान तहसीलदार मनीषा देवागन ने बताया कि मामले की जानकारी मिलने के बाद पटवारी को मौके पर भेजा गया है। रिपोर्ट मिलने के बाद शासन स्तर पर क्षतिपूर्ति की कार्रवाई की जाएगी।

वन कर्मियों द्वारा चरणबद्ध आंदोलन शुरू

कोरबा। छत्तीसगढ़ वन कर्मचारी संघ बिलासपुर के सभी वनमंडलों में वन कर्मियों द्वारा चरणबद्ध आंदोलन शुरू किया गया है। आंदोलन के प्रथम चरण में वन कार्यकर्ताओं ने काली पट्टी विरोध विरोध प्रदर्शन कार्यकर्ता कार्य को प्रभावित किया। उनका कहना है कि मुख्यालय के अनाधिकृत अधिकारियों द्वारा कर्मचारियों के अनुरोध और समस्याओं पर ध्यान नहीं दिया जा रहा है। ऑर्गेनाइजेशन का भी खुलासा हो रहा है।

छत्तीसगढ़ वनकर्मचारी संघ के महासचिव पुतिम पुराइन ने बताया कि चरणबद्ध आंदोलन का दूसरा चरण 18 मई को होगा जिसमें वन संरक्षक बिलासपुर कार्यालय के अवकाश पर सांकेतिक हड़ताल का प्रदर्शन संघ के बैनर तले किया जाएगा। कोरबा जिले में प्रथम चरण में कटघोरा एवं कोरबा वनमंडल के जटगा, कासनिया डिपो, कोरबा, बालको, केंडई, कुदमुरा, पाली, करतला सहित विभिन्न रेंजों में फ्रेंडली एसोसिएशन ने हाथी में काली चमड़ी का प्रदर्शन किया और अपने समर्थन में आवाज उठाई।

शक में पति ने पत्नी की हत्या कर दी

कोरबा। पाली थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम बरहामुड़ा में कथित आरोपी पति ने पत्नी कर हमला किया। गले पर वार करने के साथ-साथ उसके पेट पर भी धारदार हथियार से चोट के निशान पाए गए हैं। जानकारी के अनुसार, रमाशंकर यादव (35 वर्ष) अपनी पत्नी पूर्णिमा यादव (30 वर्ष) के चरित्र पर लंबे समय से संदेह करता था। इसी बात को लेकर दोनों के बीच अक्सर विवाद होता था। मंगलवार सुबह लगभग 9 से 10 बजे के बीच विवाद बढ़ा और गुस्से में आकर उसने पत्नी पर ताबड़तोड़ हमला कर दिया। हमले में गले को रेतने के अलावा पेट में भी गहरे कट के निशान देखे गए। मौके पर ही पत्नी की मौत हो गई, जिससे पूरे गांव में सनसनी फैल गई। घटना की सूचना मिलते ही पाली पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। कथित आरोपी को हिरासत में लेकर उसके खिलाफ हत्या (धारा 103) के तहत मामला दर्ज किया गया है।

कांकेर में 6.5 लाख के नकली नोटों साथ पकड़ाया युवक

नशे और कर्ज में डूबा, घर में ही छापने लगा 500-500 के जाली नोट

कांकेर। छत्तीसगढ़ के कांकेर जिले में नशे और कर्ज में डूबा युवक घर में ही नकली नोट छापने लगा। पुलिस ने लगभग 6.5 लाख के नकली नोटों के साथ आरोपी को अरेस्ट किया है। पुलिस ने 500-500 रुपए के नकली नोट बरामद किए हैं। साथ ही प्रिंटर, लैपटॉप और स्कैनर भी जब्त किया गया है।

पुलिस ने बताया कि आरोपी कर्ज में डूबा हुआ था और जल्दी पैसा कमाने के लिए उसने नकली नोट छापने की साजिश रची। किसी ने सूचना दी कि बस स्टैंड पर युवक नकली नोट खपाने की कोशिश कर रहा है। इस सूचना पर पुलिस ने कार्रवाई की।

पुलिस का कहना है आरोपी के पहले भी मार्केट में नकली नोट खपाने की आशंका है। उसने अब तक कितने नकली नोट मार्केट में खपाए हैं? उसके साथ और कौन-कौन शामिल है? इसकी जांच की जा रही है। आरोपी यह काम पिछले 5-6 महीनों से कर रहा था। मामला कोतवाली थाना क्षेत्र का है।

पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली थी कि नए बस स्टैंड इलाके में एक युवक बड़ी मात्रा में नकली नोट लेकर घूम रहा है। सूचना मिलते ही पुलिस ने घेराबंदी कर आरोपी को धर दबोचा। तलाशी के दौरान उसके पास से 500 रुपए के कई नकली नोट बरामद हुए। पुलिस पूछताछ में आरोपी ने बताया कि वह नशे का आदी है। कर्ज में डूबा हुआ था और जल्दी पैसा कमाने के लिए उसने नकली नोट छापने की योजना बनाई थी। वह पिछले 5 से 6 महीने से घर पर ही प्रिंटर और स्कैनर की मदद से इन नोटों को छापता था।

आरोपी के घर से प्रिंटर, लैपटॉप और स्कैनर जब्त

पुलिस ने आरोपी के घर पर छापा मारकर नकली नोट छापने में इस्तेमाल किए गए प्रिंटर, लैपटॉप और स्कैनर भी जब्त कर लिए हैं। पुलिस अब इस बात की जांच कर रही है कि आरोपी अकेले काम कर रहा था या इस गिरोह में कोई और भी शामिल है। साथ ही एक्सपर्ट के जरिए ये भी पता लगाएंगे कि आरोपी असली नोटों की सेक्युरिटी लेवल तक कितना आगे बढ़ गया था। पुलिस आरोपी से ये पता लगाने में जुटी है कि इन नकली नोटों को वो कहां खपाने जा रहा था। इसके पीछे क्या किसी गिरोह का हाथ है। फिलहाल, आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है और उसके खिलाफ आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है। कांकेर पुलिस इस पूरे मामले की गहनता से जांच कर रही है।

गृहमंत्री अमित शाह के अभिनन्दन की तैयारियों में जुटी भाजपा

जगदलपुर। घोषित समय में बस्तर सहित समूचे देश से नक्सलवाद के आतंक को समाप्त करने के संकल्प को सिद्ध रूप देने के बाद पहली बार बस्तर प्रवास पर आ रहे केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह के भव्यतम स्वागत और अभिनन्दन करने की तैयारियों में भारतीय जनता पार्टी जोर-शोर से जुट गयी है। आगामी 18 व 19 मई को केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह का दो दिवसीय बस्तर प्रवास प्रस्तावित है। आज शुक्रवार को भाजपा जिला कार्यालय में भाजपा प्रदेश अध्यक्ष किरण सिंह देव व केबिनेट मंत्री केदार कश्यप ने भाजपा पदाधिकारियों की महत्वपूर्ण बैठक ली और बस्तर प्रवास पर आ रहे केन्द्रीय गृह मंत्री के भव्य स्वागत सहित तमाम तैयारियों की रूपरेखा पर चर्चा की।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष किरण सिंह देव ने कहा कि केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह बस्तर को नक्सलवाद के मुक्त कराने के बाद पहली बार बस्तर पहुंच रहे हैं। इस महत्वपूर्ण प्रवास में चार राज्यों के मुख्यमंत्री भी शामिल रहेंगे। गृहमंत्री शाह के आगमन पर सभी तैयारियां गंभीरता से पूरी होनी है। कैबिनेट मंत्री केदार कश्यप ने कहा कि केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह का बस्तर आगमन बेहद महत्वपूर्ण है। बस्तर से लाल आतंक को समूल समाप्त करने का दृढ़ संकल्प पूर्ण हुआ है। अब बस्तर को विकास की नई धारा से जोड़ने सुनहरा समय आरंभ हो गया है। गृहमंत्री शाह के बस्तर आगमन पर उनके स्वागत सहित सभी तैयारियों को योजनाबद्ध रूप से पूर्ण करेंगे। बैठक में शहर के प्रमुख मार्गो में साज सज्जा, ध्वज व होर्डिंग्स आदि लगाने पर चर्चा कर दायित्व भी सौंपे गये व गंभीरता से ज़िम्मेदारियों को निभाने निर्देशित किया गया।

वृंदावन कॉलोनी भूमि विवाद : सुप्रीम कोर्ट के निर्देश पर जगदलपुर विशेष लोक अदालत में होगा निपटारा

जगदलपुर। शहर के वृंदावन कॉलोनी का बहुचर्चित भूमि विवाद एक बार फिर सुर्खियों में है। लगभग 60 एकड़ में फैली इस कॉलोनी पर मालिकाना हक को लेकर बस्तर राज परिवार और यहां निवासरत सैकड़ों परिवारों के बीच बीते कई दशकों से कानूनी संघर्ष जारी है। अब इस मामले में देश की सर्वोच्च अदालत के हस्तक्षेप के बाद समाधान की नई आस जगी है।

मिली जानकारी के अनुसार, वृंदावन कॉलोनी में 1980 के दशक से व्यवस्थित रूप से बसावट और पक्के मकानों का निर्माण शुरू हुआ था। रहवासियों का दावा है कि उन्होंने करीब 50 वर्ष पूर्व बस्तर राज परिवार से अनापत्ति प्रमाण पत्र (एनओसी) लेकर विधिवत जमीन खरीदी थी। इसी आधार पर लोगों ने यहां अपने आशियाने बनाए और धीरे-धीरे पूरी कॉलोनी विकसित होती चली गई। हालांकि, समय बीतने के साथ इस जमीन के वास्तविक मालिकाना हक को लेकर विवाद खड़ा हो गया। मामला निचली अदालत तक पहुंचा, जहां शुरुआती सुनवाई में फैसला कॉलोनी वासियों के पक्ष में आया था। इससे रहवासियों को राहत मिली और वे लंबे समय तक अपने अधिकार को लेकर आश्वस्त रहे।

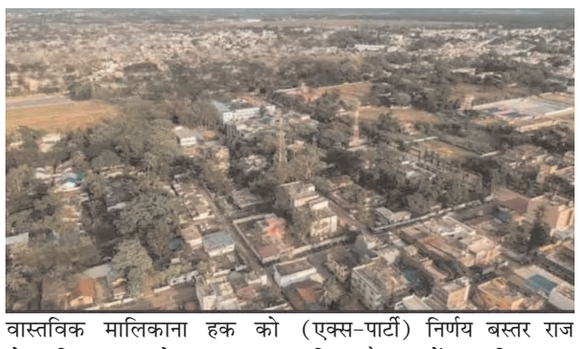

बाद में इस निर्णय को चुनौती देते हुए मामला छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट पहुंचा। हाईकोर्ट में सुनवाई के दौरान कथित रूप से रहवासियों या उनके पक्षकारों की अनुपस्थिति के कारण अदालत ने एकपक्षीय (एक्स-पार्टी) निर्णय बस्तर राज परिवार के पक्ष में सुना दिया। इस फैसले के बाद विवाद ने और गंभीर रूप ले लिया, क्योंकि हाई कोर्ट की डिक्री के बाद राज परिवार का दावा कानूनी रूप से मजबूत माना जाने लगा। हाई कोर्ट के आदेश से चिंतित रहवासियों ने इसके खिलाफ सुप्रीम कोर्ट का रुख किया।

सर्वोच्च अदालत ने मामले की संवेदनशीलता, जटिलता और सैकड़ों परिवारों के आवासीय हितों को ध्यान में रखते हुए महत्वपूर्ण निर्देश जारी किए।

पेट्रोल-डीजल व एलपीजी की पर्याप्त उपलब्धता : कलेक्टर

धमतरी। पेट्रोल पंपों पर इन दिनों बढ़ती भीड़ एवं कुछ असामाजिक तत्वों द्वारा ईंधन एवं घरेलू गैस की कमी संबंधी अफवाह फैलाए जाने की स्थिति को गंभीरता से लेते हुए कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी अबिनाश मिश्रा ने जिले के सभी अनुविभागीय दण्डाधिकारियों (एसडीएम) को अपने-अपने क्षेत्र के पेट्रोल पंपों पर आवश्यकतानुसार कार्यपालिक दण्डाधिकारी एवं फूड इंस्पेक्टर की ड्यूटी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं।

कलेक्टर मिश्रा ने स्पष्ट किया है कि जिले में पेट्रोल एवं डीजल का पर्याप्त भंडारण उपलब्ध है तथा आपूर्ति व्यवस्था पूरी तरह सुचारू रूप से संचालित हो रही है। इसी प्रकार एलपीजी (घरेलू गैस) की भी जिले में किसी प्रकार की कमी अथवा शॉर्टेज नहीं है। उन्होंने कहा कि कुछ लोगों द्वारा फैलायी जा रही भ्रामक सूचनाओं के कारण अनावश्यक रूप से पेट्रोल पंपों पर भीड़ एकत्र हो रही है, जिससे आम नागरिकों को असुविधा हो रही है। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया है कि पेट्रोल पंपों की नियमित मॉनिटरिंग की जाए तथा किसी भी प्रकार की कालाबाजारी, जमाखोरी अथवा अव्यवस्था पाए जाने पर तत्काल नियमानुसार कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। साथ ही पुलिस एवं प्रशासनिक अमले को भी स्थिति पर सतत नजर रखने के निर्देश दिए गए हैं, ताकि आमजन को किसी प्रकार की परेशानी न हो।

कलेक्टर मिश्रा ने जिलेवासियों से अपील की है कि वे किसी भी अपुष्ट सूचना अथवा अफवाह पर ध्यान न दें और आवश्यकता के अनुरूप ही ईंधन एवं गैस क्रय करें। प्रशासन पूरी तरह सतर्क है तथा जिले में आवश्यक वस्तुओं की उपलब्धता बनाए रखने के लिए हरसंभव कदम उठाए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि अफवाह फैलाने वालों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाएगी।

दिव्यांगजनों को कृत्रिम अंग एवं सहायक उपकरण वितरण के लिए आवेदन

कोरबा। जिला प्रशासन द्वारा जिले के समस्त दिव्यांगजनों को स्वावलंबी बनाने और उनके जीवन को सुगम बनाने के उद्देश्य से एक विशेष पहल शुरू की गई है। इस योजना के अंतर्गत जिले के जरूरतमंद दिव्यांगजनों को उनकी आवश्यकतानुसार कृत्रिम अंग एवं सहायक उपकरण नि:शुल्क वितरित किए जाएंगे। विशेष रूप से, जिन दिव्यांगजनों के हाथ या पैर कटे हुए हैं, उनके लिए माप लेकर विशेष रूप से तैयार किए गए नकली हाथ और पैर भी प्रदान किए जाएंगे।

जिले के समस्त पात्र दिव्यांगजन अथवा उनके अभिभावक अपने आवश्यक दस्तावेज 19 मई तक अनिवार्य रूप से संबंधित कार्यालयों में जमा कर सकते हैं। सुविधा हेतु आवेदन जमा करने के लिए विभिन्न स्थानों को अधिकृत किया गया है। आप अपने क्षेत्र के वार्ड पार्षद अथवा ग्राम पंचायत सरपंच-सचिव के पास दस्तावेज जमा कर सकते हैं। इसके अतिरिक्त कार्यालय नगर पालिक निगम कोरबा एवं इसके समस्त जोन कार्यालयों, संबंधित मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत तथा मुख्य नगरपालिका अधिकारी नगर पालिका परिषद एवं नगर पंचायत में भी आवेदन स्वीकार किए जाएंगे।

आवेदन के साथ दिव्यांगता प्रमाण पत्र, आधार कार्ड और दो पासपोर्ट साइज फोटो की छायाप्रति संलग्न करना अनिवार्य है। प्रशासन द्वारा अपील की जाती है कि जिले के अधिक से अधिक दिव्यांगजन इस योजना का लाभ उठाने के लिए समय सीमा के भीतर अपने दस्तावेज जमा करें, ताकि समय पर कृत्रिम अंगों का निर्माण और उपकरणों का वितरण सुनिश्चित किया जा सके।

दपूमरे केंद्रीय चिकित्सालय बिलासपुर में आधुनिक रसोई परिसर एवं नवीन पंजीकरण/स्वागत कक्ष का शुभारंभ

बिलासपुर। केंद्रीय चिकित्सालय, दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, बिलासपुर में नवनिर्मित एवं आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित रिनोवेटेड किचन कॉम्प्लेक्स तथा ओपीडी कॉम्प्लेक्स के नवीन पंजीकरण/स्वागत कक्ष का उदघाटन विधिवत फीता काटकर मीनाक्षी शर्मा, अध्यक्षा, दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे महिला कल्याण संगठन (सेक्रो) द्वारा किया गया।

इस अवसर पर उन्होंने कहा कि अस्पताल में उत्कृष्ट स्वास्थ्य सेवाएँ उपलब्ध कराने के साथ-साथ मरीजों एवं उनके परिजनों को स्वच्छ, सुव्यवस्थित और सुविधाजनक वातावरण प्रदान करना रेलवे प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है। उन्होंने कहा कि आधुनिक स्वास्थ्य सुविधाओं के विकास से न केवल मरीजों को बेहतर उपचार वातावरण मिलेगा, बल्कि अस्पताल की कार्यप्रणाली भी अधिक प्रभावी एवं व्यवस्थित बनेगी। नवनिर्मित रसोई परिसर में आधुनिक उपकरणों, स्वच्छता मानकों तथा सुरक्षित खाद्य प्रबंधन व्यवस्था का विशेष ध्यान रखा गया है। इससे मरीजों को गुणवत्तापूर्ण, पौष्टिक एवं स्वच्छ भोजन उपलब्ध कराया जा सकेगा। इसी प्रकार, ओपीडी कॉम्प्लेक्स में स्थापित नवीन पंजीकरण/स्वागत कक्ष के प्रारंभ होने से मरीजों को पंजीकरण, मार्गदर्शन एवं आवश्यक जानकारी प्राप्त करने में अधिक सुविधा होगी। इससे ओपीडी सेवाओं में सुव्यवस्था एवं कार्यकुशलता भी बढ़ेगी तथा मरीजों की प्रतीक्षा अवधि में कमी आएगी।इस अवसर पर वरिष्ठ अधिकारीगण, चिकित्सक, अस्पताल कर्मचारी एवं अन्य गणमान्य उपस्थित रहे। सभी ने इस पहल की सराहना करते हुए इसे केंद्रीय चिकित्सालय की स्वास्थ्य सेवाओं को और अधिक सुदृढ़ एवं जनोन्मुखी बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बताया।

अलग-अलग थाना क्षेत्र में चार महिलाओं की मौत

कांकेर। अलग-अलग थाना क्षेत्र में शुक्रवार को चार महिलाओं की मौत हुई है। मृतक महिलाओं में किसी ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली तो किसी की सांप डसने से मौत हुई है। पुलिस ने इस मामले में शव का पंचनामा कर पोस्टमार्टम के बाद शव को परिजनों को सौंपने के बाद मामले की विवेचना कर रही है।

मिली जानकारी के अनुसार कांकेर जिले के कोरर थाना क्षेत्र के ग्राम भेजा में रहने वाली कुमारी सकीना कमेटी पिता अरविंद उम्र 16 वर्ष अपने घर में सो रही थी, इसी दौरान सांप ने डस लिया था, जिसे उपचार के लिये अस्पताल ले जाया गया, लेकिन उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। वही कोरर थाना क्षेत्र के ही ग्राम कोटागांव निवासी कुमारी मंजू दर्रो 23 वर्ष को भी सांप ने डस लिया था।

जिसकी उपचार के दौरान आज मौत हो गई। इसके अलावा भानुप्रतापपुर थाना क्षेत्र के ग्राम बिचपारा निवासी अगोन बाई 60 वर्ष ने अपने ही घर में अज्ञात कारणों के चलते फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। इसके अलावा भानुप्रतापपुर थाना क्षेत्र के ही ग्राम नयापारा निवासी सरोज सिंह 47 वर्ष किसी आज सुबह काम से जा रही थी, कि एक अज्ञात वाहन चालक ने टक्कर मार दी। जिससे महिला की मौत हो गई। पुलिस सभी मामलों की जांच कर रही है।

विचार

विश्व केसरी

संपादकीय

अंतर्राष्ट्रीय परिवार दिवस विशेष

परिवार से ही है रिश्तों की गर्माहट !

डॉ घनश्याम बादल

मानव सभ्यता के विकास का इतिहास इस बात का साक्षी है कि मनुष्य ने सबसे पहले जिस सामाजिक संस्था को जन्म दिया, वह परिवार था। परिवार केवल रक्त संबंधों का समूह नहीं, बल्कि संवेदनाओं, संस्कारों, विश्वास, सुरक्षा और सहयोग का जीवंत संसार है। यही कारण है कि संयुक्त राष्ट्र द्वारा प्रतिवर्ष 15 मई को 'अंतर्राष्ट्रीय परिवार दिवस' मनाया जाता है।

आज जब दुनिया तकनीक और कृत्रिम बुद्धिमत्ता के दौर में तेजी से आगे बढ़ रही है, तब यह दिवस हमें याद दिलाता है कि मनुष्य की सबसे बड़ी आवश्यकता अब भी रिश्तों की गर्माहट ही है। वर्तमान समय में मनुष्य दो दुनियाओं में जी रहा है, एक आभासी दुनिया और दूसरी व्यवहारिक दुनिया। आभासी दुनिया अर्थात सोशल मीडिया, डिजिटल प्लेटफॉर्म और इंटरनेट का संसार, जहां हजारों 'फॉलोअर' और 'फ्रेंड' दिखाई देते हैं; जबकि व्यवहारिक दुनिया वह है जहां वास्तविक संबंध, संवेदनाएं और मानवीय स्पर्श मौजूद होते हैं। विडंबना यह है कि तकनीक ने दूरियों को कम करने का दावा किया, लेकिन सच कहें तो इसने दिलों की दूरियां बढ़ा दीं। एक ही घर में बैठे लोग मोबाइल स्क्रीन में इतने व्यस्त हो गए हैं कि आपसी संवाद कम होता जा रहा है। परिवार साथ रहते हुए भी भावनात्मक रूप से अलग-थलग पड़ता दिखाई देता है।ऐसीपरिस्थितियों में परिवार का महत्व और भी बढ़ जाता है।

परिवार व्यवहारिक दुनिया की वह सच्चाई है जो आभासी दुनिया के कृत्रिम आकर्षण के बीच मनुष्य को वास्तविकता से जोड़े रखती है।

सोशल मीडिया पर मिलने वाली 'लाइक' और 'कमेंट' क्षणिक संतोष दे सकते हैं, लेकिन संकट की घड़ी में सहारा देने वाला हाथ केवल परिवार का ही होता है। इंटरनेट की दुनिया सूचना दे सकती है, परंतु आत्मीयता नहीं। कृत्रिम बुद्धिमत्ता सलाह दे सकती है, लेकिन मां के स्पर्श जैसी शांति नहीं दे सकती। यही कारण है कि आधुनिक जीवन में परिवार की भूमिका पहले से कहीं अधिक महत्वपूर्ण हो गई है।

अंतर्राष्ट्रीय परिवार दिवस मनाने का मूल उद्देश्य है समाज को परिवार संस्था के प्रति जागरूक करना तेज़ी से बदलती जीवनशैली, बढ़ती व्यक्तिवादी सोच और तकनीकी निर्भरता के कारण परिवारों में विघटन बढ़ रहा है। अकेलापन, अवसाद, तनाव, बुजुर्गों की उपेक्षा और बच्चों में असुरक्षा जैसी समस्याएं लगातार गंभीर होती जा रही हैं। परिवार मनुष्य की पहली पाठशाला है। बच्चा बोलना, चलना, व्यवहार करना, सम्मान देना, प्रेम करना और अनुशासन सीखना परिवार से ही सीखता है।

माता-पिता, दादा-दादी, भाई-बहन और अन्य सदस्य केवल रिश्तेदार नहीं होते, बल्कि जीवन के पहले शिक्षक होते हैं। आज जब बच्चे वास्तविक खेल के मैदानों से अधिक मोबाइल स्क्रीन पर समय बिताने लगे हैं, तब परिवार की जिम्मेदारी और बढ़ जाती है कि वह उन्हें मानवीय मूल्यों और सामाजिक व्यवहार से जोड़े रखे।

आभासी दुनिया की सबसे बड़ी चुनौती यह है कि वहां संबंधों की गहराई कम और प्रदर्शन अधिक होता है। लोग अपनी खुशियों का प्रदर्शन तो करते हैं, लेकिन अपने दर्द को छिपाते हैं। परिणामस्वरूप व्यक्ति धीरे-धीरे भीतर से अकेला होता जाता है। मानसिक तनाव और अवसाद की बढ़ती घटनाएं इसी सामाजिक विघटन का संकेत हैं। ऐसे समय में परिवार ही वह स्थान है जहां व्यक्ति बिना किसी दिखावे के स्वयं को व्यक्त कर सकता है। परिवार मनुष्य को यह विश्वास देता है कि दुनिया चाहे कितनी भी बदल जाए, कुछ रिश्ते ऐसे हैं जो बिना शर्त उसके साथ खड़े रहेंगे।

परिवार का टूटना बिखरना आज समाज के सामने गंभीर समस्या है। वृद्धाश्रमों की बढ़ती संख्या इस बात का प्रमाण है कि बुजुर्गों के लिए पारिवारिक सहारा कमजोर पड़ रहा है। बच्चों में बढ़ती आक्रामकता, नशे की प्रवृत्ति और मानसिक अस्थिरता भी कहीं न कहीं पारिवारिक विघटन से जुड़ी हुई है। जब व्यक्ति को परिवार का भावनात्मक संरक्षण नहीं मिलता, तब वह भीतर से असुरक्षित हो जाता है। यही असुरक्षा समाज में हिंसा, अपराध और असंवेदनशीलता के रूप में दिखाई देती है।

भारतीय संस्कृति में परिवार को सदैव विशेष महत्व दिया गया है। 'वसुधैव कुटुम्बकम' की अवधारणा केवल दार्शनिक विचार नहीं, बल्कि भारतीय जीवन दृष्टि का आधार है। यहां परिवार केवल माता-पिता और बच्चों तक सीमित नहीं रहा, बल्कि दादा-दादी, चाचा-चाची और पड़ोस तक उसका विस्तार दिखाई देता रहा है।

ब्रिक्स के विदेश मंत्रियों के 'दिल्ली-विमर्श' के निहितार्थ

कमलेश पांडे

देखा जाए तो नई दिल्ली में ब्रिक्स के विदेश मंत्रियों का जमावड़ा लगा हुआ है। दो दिनों का यह 18वां शिखर सम्मेलन ऐसे समय हो रहा है, जब दुनिया कई मोर्चे पर अस्थिरता से गुजर रही है। ब्रिक्स के सदस्य देश - ईरान और यूएई सीधे तौर पर इस हलचल में शामिल है। ऐसे में यह जुटान पूरी दुनिया के लिए अहम हो जाती है।

ब्रिक्स (ब्राज़ील-...) के विदेश मंत्रियों की दो दिवसीय दिल्ली बैठक ने दुनिया को कई महत्वपूर्ण राजनीतिक, आर्थिक और सामरिक संदेश दिए हैं, जिनके कूटनीतिक निहितार्थ को समझने की जरूरत है। अन्यथा शेष दुनिया को अमेरिकी-यूरोपीय दादागिरी (नाटो सैन्य गठबंधन) के दुनियावी दांवपेंचों से निजात मिलनी मुश्किल है। लिहाजा, इस बैठक में मुख्य रूप से वैश्विक शक्ति-संतुलन, अमेरिकी प्रतिबंध नीति, पश्चिम एशिया संकट, वैश्विक व्यापार व्यवस्था और 'ग्लोबल साउथ' की भूमिका पर जोर दिखाई दिया।

देखा जाए तो नई दिल्ली में ब्रिक्स के विदेश मंत्रियों का जमावड़ा लगा हुआ है। दो दिनों का यह 18वां शिखर सम्मेलन ऐसे समय हो रहा है, जब दुनिया कई मोर्चे पर अस्थिरता से गुजर रही है। ब्रिक्स के सदस्य देश - ईरान और यूएई सीधे तौर पर इस हलचल में शामिल है। ऐसे में यह जुटान पूरी दुनिया के लिए अहम हो जाती है। इस अहम बैठक में भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर, रूस के विदेश मंत्री सर्जेई लावरोव और ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची जैसे नेताओं के दूरदर्शिता भरे बयान विशेष चर्चा में रहे। जिसके दुनियावी मायने बेहद अहम हैं।

जिस तरह से कूटनीतिक सम्मेलन के पहले ही दिन जयशंकर ने अंतरराष्ट्रीय कानून और संयुक्त राष्ट्र चार्टर के खिलाफ लगाए जाने वाले एकतरफा प्रतिबंधों का जिक्र किया, जो सबसे ज्यादा विकासशील देशों को नुकसान पहुंचाते हैं। स्वाभाविक तौर पर उनका इशारा अमेरिका है, क्योंकि

डोनाल्ड ट्रंप की टैरिफ नीतियों की वजह से दुनिया को बहुत ज्यादा नुकसान उठाना पड़ा है। वहीं, ईरान मामले में भी गतिरोध की वजह बहुत हद तक वॉशिंगटन की अव्यवहारिक मांगें है। ब्रिक्स के बड़े मंच से उठी आवाज का असर ज्यादा होगा।

विदेश मंत्री एस जयशंकर का उद्घाटन भाषण मौजूदा चुनौतियों का सही खाका खींचता है। पश्चिम एशिया पर मंडराता युद्ध का खतरा, ऊर्जा संकट, सप्लाई चेन में रुकावट और जलवायु परिवर्तन ने अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था को एक नए मोड़ पर ला खड़ा किया है।

तमाम देशों की अर्थव्यवस्था को मंदी में फंसने का डर सता रहा है।

ऐसे में जैसा कि विदेश मंत्री ने कहा, विकासशील देशों ने ब्रिक्स से यह उम्मीद लगाई है कि यह मंच स्थिरता कायम करने में सकारात्मक भूमिका अदा करेगा। इसके कतिपय निहितार्थ इस प्रकार हैं-

पहला, एकध्रुवीय विश्व व्यवस्था को चुनौती: बैठक का सबसे बड़ा संदेश यह था कि दुनिया अब केवल अमेरिका-केन्द्रित व्यवस्था पर निर्भर नहीं रहना चाहती।

ब्रिक्स देशों ने 'मल्टीपोलर वर्ल्ड' के दृष्टिगत बहुध्रुवीय विश्व व्यवस्था की आवश्यकता पर जोर दिया। इसका अर्थ है कि वैश्विक निर्णयों में पश्चिमी देशों के साथ एशिया, अफ्रीका और लैटिन अमेरिका की शक्तियों की भी बराबर भूमिका हो।

दूसरा, अमेरिकी प्रतिबंधों और आर्थिक दबाव का विरोध: भारत, रूस, चीन और ईरान सहित कई देशों ने एकतरफा प्रतिबंधों को अंतरराष्ट्रीय व्यापार और संप्रभुता के खिलाफ बताया। विशेष रूप से एस जयशंकर ने कहा कि प्रतिबंध और दबाव कूटनीति का विकल्प नहीं हो सकते।

यह संदेश सीधे तौर पर अमेरिका की प्रतिबंध नीति की आलोचना माना गया।

तीसरा, डॉलर प्रभुत्व कम करने का संकेत: बैठक में स्थानीय मुद्राओं में व्यापार बढ़ाने और वैकल्पिक भुगतान प्रणालियों पर भी चर्चा हुई। यह संदेश था कि ब्रिक्स देश डॉलर पर निर्भरता कम करना चाहते हैं ताकि अमेरिकी आर्थिक दबाव का असर घटाया जा सके।

चतुर्थ, पश्चिम एशिया संकट पर चिंता: ईरान-इज़राइल तनाव और समुद्री मार्गों की सुरक्षा बड़ा मुद्दा रहा। ब्रिक्स देशों ने रेड सी और होर्मुज़ जलडमरूमध्य जैसे मार्गों की सुरक्षा पर जोर दिया। दुनिया को यह संदेश दिया गया कि क्षेत्रीय युद्ध अब वैश्विक अर्थव्यवस्था और ऊर्जा सुरक्षा को सीधे प्रभावित कर सकते हैं। हालांकि इस मंच के सामने भी चुनौती है।

ईरान और यूएई के आपसी रिश्ते ठीक नहीं चल रहे। जबकि चीन ने अपने विदेश मंत्री को नहीं भेजा है।

एक बात और, जब सम्मेलन की शुरुआत हुई, चीनी राष्ट्रपति शी चिनफिंग तब ट्रंप की मेजबानी में व्यस्त थे। ब्रिक्स के सबसे बड़े विरोधी ट्रंप है। उन्हें लगता है कि यह मंच अमेरिकी हितों के खिलाफ खड़ा किया गया है। मेजबान होने के नाते यह भारत की जिम्मेदारी है कि यहां से निकला संदेश किसी के विरोध में नहीं, साझा हित में हो। भारत के पास सभी सदस्यों को करीब लाने और मौजूदा संकट का समाधान पेश करने का मौका है।

पांचवां, ग्लोबल साउथ की राजनीतिक आवाज: बैठक में यह स्पष्ट हुआ किब्रिक्स स्वयं को केवल आर्थिक समूह नहीं, बल्कि विकासशील देशों की सामूहिक राजनीतिक आवाज के रूप में स्थापित करना चाहता है। अफ्रीका, एशिया और लैटिन अमेरिका के देशों की समस्याओं—जैसे खाद्य सुरक्षा, ऊर्जा संकट और कर्ज—को वैश्विक एजेंडा में प्रमुखता देने की बात कही गई।

छठा, संयुक्त राष्ट्र सुधार की मांग: भारत और ब्राज़ील ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में सुधार और विकासशील देशों के अधिक प्रतिनिधित्व की आवश्यकता दोहराई। यह संदेश था कि द्वितीय विश्व युद्ध के बाद बनी संस्थाओं में अब नई वैश्विक वास्तविकताओं के अनुसार बदलाव होना चाहिए।

सातवां, ब्रिक्स के भीतर मतभेद भी सामने आए: हालांकि बैठक में एकजुटता दिखाई गई, लेकिन यह भी स्पष्ट हुआ कि सभी सदस्य अमेरिका-विरोधी नीति पर पूरी तरह एकमत नहीं हैं। भारत और ब्राज़ील जैसे देश पश्चिम के साथ संतुलित संबंध बनाए रखना चाहते हैं, जबकि रूस और ईरान अधिक आक्रामक रुख चाहते हैं। इससे यह संकेत मिला कि ब्रिक्स अभी पूर्ण राजनीतिक गठबंधन नहीं, बल्कि साझा हितों वाला मंच है।

समग्र रूप से कहा जाए तो, इस बैठक का वैश्विक संदेश यह था कि उभरती शक्तियाँ अब विश्व राजनीति और अर्थव्यवस्था में अधिक स्वतंत्र, संतुलित और पश्चिम से अलग भूमिका चाहती हैं।

ब्रिक्स ने यह दिखाने की कोशिश की कि 'ग्लोबल साउथ' अब केवल दर्शक नहीं, बल्कि वैश्विक शक्ति-संतुलन का सक्रिय खिलाड़ी बनना चाहता है। चूंकि ब्रिक्स अब केवल उभरती हुई अर्थव्यवस्थाओं का समूह नहीं रहा, इसकी भूमिका आज कहीं ज्यादा व्यापक हो चुकी है।

वास्तव में यह वैश्विक संतुलन स्थापित करने में महत्वपूर्ण हो सकता है। भारत का रोल इसमें सबसे अहम हो जाता है। उसने पश्चिमी देशों के साथ रिश्ते बनाए हुए हैं, जबकि रूस, ईरान और चीन के साथ भी बैलेंस रखा है। उसने हमेशा संवाद से समाधान की बात की है। यह रवैया उसे भरोसेमंद साथी बनाता है।

अनिश्चित वैश्विक बाजारों के बीच पीएम मोदी की आर्थिक अपील के गहरे मायने

आयुषी कुमारी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का हाल ही में ईंधन संरक्षण और नियंत्रित खर्च पर दिया गया आह्वान, राजनीतिक दायरों से आगे बढ़कर व्यापक चर्चा का विषय बन गया है। व्यवसाय जगत के नेता, निवेशक, अर्थशास्त्री, परिवहन संचालक और आम उपभोक्ता सभी इस दिशा में हो रहे बदलावों को बारीकी से देख रहे हैं, खासकर जब वैश्विक तेल बाजार पश्चिम एशिया में जारी तनाव के कारण अस्थिर बने हुए हैं।

यह आह्वान मुख्य रूप से ईंधन की बचत और गैर-ज़रूरी खर्चों से बचने पर था, लेकिन कई अर्थशास्त्रियों का मानना है कि इसका बड़ा संदेश देश को एक संभावित आर्थिक अनिश्चितता के लिए तैयार करना था। बढ़ती कच्चे तेल की कीमतें, विदेशी मुद्रा भंडार पर दबाव, महंगाई और भारत की भारी आयात निर्भरता सरकार की चिंताओं के केंद्र में हैं, क्योंकि भारत अपने कच्चे तेल की ज़रूरत का लगभग 88.6 प्रतिशत आयात करता है। इसी वजह से, वैश्विक तेल कीमतों में मामूली बढ़ोतरी भी सीधे परिवहन लागत, विनिर्माण खर्च और घरेलू खर्चों को प्रभावित करती है, विशेषकर जब होर्मुज़ जलडमरूमध्य जैसे महत्वपूर्ण तेल मार्गों में व्यवधान की आशंका रहती है, जिससे वैश्विक ऊर्जा बाजारों में और चिंता बढ़ जाती है।

अपने संबोधन में, पीएम मोदी ने नागरिकों और सरकारी विभागों से अनावश्यक ईंधन का उपयोग कम करने, गैर-ज़रूरी यात्रा से बचने, सावधानी से खर्च करने और आयातों को कम करने का आग्रह किया। उन्होंने वर्क-फ्रॉम-होम को भी बढ़ावा दिया ताकि ईंधन बचत हो सके। इसके बाद, रिपोर्ट्स आईं कि पीएम की सुरक्षा काफिले को ईंधन बचत के लिए काफी कम किया गया, और कई राज्यों में सरकारी वाहनों की आवाजाही घटाने की चर्चा शुरू हुई। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री ने भी इस तरह की कार रैलियों और काफिलों पर रोक लगाने की बात कही।

वित्तीय बाजार आमतौर पर तब सख्त प्रतिक्रिया देते हैं जब तेल कीमतें तेज़ी से बढ़ती हैं, और इस बार भी ऐसा ही हुआ। सबसे पहले असर उन क्षेत्रों में दिखता है जो परिवहन और लॉजिस्टिक्स पर निर्भर हैं; माल ढुलाई की लागत बढ़ती है, संचालन खर्च बढ़ता है, और कंपनियां अंततः इस बोझ को उपभोक्ताओं पर डालती हैं। भारतीय मुद्रा भी दबाव में है, क्योंकि बढ़ता तेल आयात विदेशी मुद्रा भंडार पर दबाव बनाता है। आरबीआई ने रुपये को स्थिर रखने के लिए मुद्रा बाजार में हस्तक्षेप किया है।

सरकार ने आयात पर दबाव कम करने के लिए सोने और चांदी पर आयात शुल्क 6 प्रतिशत से बढ़ाकर 15 प्रतिशत कर दिया है, जिससे सोने की कीमतें बढ़ेंगी और आभूषण की मांग अस्थायी रूप से प्रभावित हो सकती है। हालांकि, विशेषज्ञों का मानना है कि जब भी महंगाई बढ़ती है या बाजार अस्थिर होते हैं, तो निवेशक सोने की ओर रुख करते हैं, जिससे डिजिटल गोल्ड, बुलियन और सोवरन गोल्ड बॉन्ड जैसे निवेश मजबूत बने रहते हैं।

पर्यटन और विमानन भी इस बढ़ती कीमतों से प्रभावित हो सकते हैं, क्योंकि हवाई टिकट महंगे होते हैं और संचालन खर्च बढ़ता है। पीएम मोदी के अनावश्यक विदेश यात्रा से बचने के आह्वान से भी आउटबाउंड पर्यटन पर असर पड़ा है, जबकि घरेलू पर्यटन अभी स्थिर बना हुआ है।

विनिर्माण क्षेत्र भी बढ़ते परिवहन और ईंधन लागत से दबाव में है, विशेषकर लोहे और स्टील जैसे उद्योगों में, जहाँ उत्पादन और परिवहन दोनों ऊर्जा-गहन हैं।

बढ़ते माल भाड़े से उत्पादन लागत और औद्योगिक मुनाफ़े पर असर पड़ता है। इसी तरह, सीमेंट, निर्माण और औद्योगिक विनिर्माण जैसे क्षेत्र भी महंगाई के दबाव से प्रभावित हो रहे हैं, जिससे संचालन खर्च बढ़ रहे हैं और बुनियादी ढांचे से जुड़े कार्य धीमे पड़ रहे हैं।सरकार ने दीर्घकालिक आयात निर्भरता कम करने के लिए कोयला गैसिफिकेशन योजना को मंज़ूरी दी है, जिसमें ₹37,500 करोड़ का निवेश होगा, ताकि देशी कोयले से सिंथेटिक गैस का उत्पादन बढ़े, जिससे एलएनजी और औद्योगिक ईंधन पर निर्भरता कम हो। साथ ही, इलेक्ट्रिक वाहनों और नवीकरणीय ऊर्जा की ओर बदलाव को भी बढ़ावा दिया जा रहा है, जिससे लंबी अवधि में ऊर्जा सुरक्षा मजबूत होगी।

अंत में, पीएम मोदी का यह आह्वान सिर्फ एक ईंधन बचत का आग्रह नहीं था, बल्कि महंगाई नियंत्रण, विदेशी मुद्रा भंडार का संरक्षण, आयात दबाव कम करने और वैश्विक अस्थिरता के लिए अर्थव्यवस्था को तैयार करने का व्यापक संदेश था। अब व्यवसाय, निवेशक और उपभोक्ता सतर्क हैं, क्योंकि वे तेल कीमतों, महंगाई, और सरकार की नीतियों पर बारीकी से नजर रखेंगे, ताकि भारत एक स्थिर और संतुलित आर्थिक भविष्य की ओर बढ़ सके।

(आयुषी कुमारी 'विश्व केसरी' हिंदी राष्ट्रीय समाचार पत्र में बिजनेस एनालिस्ट हैं। वह बेंगलुरु में कार्यरत हैं। उनसे ayushivishwakesari@gmail.com पर संपर्क किया जा सकता है।)

तीर तेवर — सागर कुमार

व्यंग्य केसरी

भारत महान : लाइन में लगो, मुस्कुराओ!

अशोक 'मतवाला'

भारत एक अद्भुत देश है। यहाँ आदमी पैदा होते ही दो चीजें सीख जाता है—पहली, जुगाड़; दूसरी, लाइन में लगना। अस्पताल में जन्म लेते ही बच्चा शायद यही सोचता होगा—'किस लाइन में आया हूँ भाई?'

हमारे यहाँ हर चीज़ का अपना गौरवशाली इतिहास है। सड़क पर गड्ढे हों तो कहा जाता है—'ये विकास के प्रारंभिक लक्षण हैं।' बिजली चली जाए तो लोग मोमबत्ती जलाकर राष्ट्रभक्ति महसूस करने लगते हैं। पानी न आए तो समझ लीजिए सरकार आपको योग और संयम सिखा रही है।

भारत में चुनाव किसी त्योहार से कम नहीं होते। नेता जी पाँच साल तक जनता को भूलकर विदेशों में 'देशहित' सोचते रहते हैं, फिर चुनाव आते ही अचानक उन्हें गरीबों के घर की चाय बहुत स्वादिष्ट लगने लगती है। जिस नेता को पाँच साल तक अपने क्षेत्र का रास्ता नहीं पता होता, वह चुनाव से पहले हर गली में ऐसे घूमता है जैसे वहीं पैदा हुआ हो।

यहाँ भाषणों में देश चाँद पर पहुँच चुका है, लेकिन मोहल्ले की नाली अभी भी स्वतंत्रता संग्राम लड़ रही होती है। नेता कहते हैं—'हमने देश बदल दिया।' जनता सोचती है—'हाँ, पेट्रोल के दाम देखकर तो लग ही रहा है।'

भारतीय ट्रैफिक अपने आप में विश्व धरोहर है। लाल बत्ती यहाँ केवल सजावट के लिए होती है। बाइक वाला ऐसे निकलता है जैसे वीडियो गेम खेल रहा हो। कार वाला हॉर्न बजाकर मानता है कि सड़क उसके पिताजी की निजी संपत्ति है। और अगर कोई नियम से गाड़ी चला दे, तो बाकी लोग उसे शक की नजर से देखते हैं—'लगता है नया-नया लाइसेंस बना है!'

हमारे देश में सलाह मुफ्त मिलती है। आपको खाँसी हो जाए तो पड़ोसी हल्दी वाला दूध लेकर पहुँच जाएगा। बेरोजगार हों तो रिश्तेदार कहेंगे—'सरकारी नौकरी की तैयारी करो।' और अगर नौकरी मिल जाए, तो वही लोग पूछेंगे—'बस इतनी ही तनख्वाह?'

भारत में सोशल मीडिया ने हर व्यक्ति को विशेषज्ञ बना दिया है। सुबह क्रिकेट का कोच, दोपहर में अर्थशास्त्री और शाम होते-होते विदेश नीति का सलाहकार। व्हाट्सऐप यूनिवर्सिटी के प्रोफेसर तो ऐसे ज्ञान बाँटते हैं कि न्यूटन भी कब्र में करवट बदल ले।

फिर भी, इस देश में कुछ ऐसा है जो लोगों को बाँधे रखता है। यहाँ त्योहारों में गली चमक उठती है, दुख में पड़ोसी साथ खड़ा मिलता है, और चाय की दुकान पर बैठे लोग दुनिया की सबसे बड़ी समस्याएँ पाँच मिनट में हल कर देते हैं।भारत विरोधाभासों का देश है—जहाँ आदमी ट्रैफिक में गाली भी देता है और मंदिर पहुँचकर शांति की प्रार्थना भी करता है। यहाँ लोग सरकार को कोसते भी हैं और अगले दिन उसी नेता के साथ सेल्फी लेने के लिए लाइन में भी लग जाते हैं।सच तो यह है कि भारत केवल एक देश नहीं, बल्कि एक स्थायी व्यंग्य है—जिस पर हम सब हँसते भी हैं, झुंझलाते भी हैं, और फिर गर्व से कहते हैं—'मेरा भारत महान!'

107 सनसेट ड्राइव,टेक्सास (अमेरिका)

इतिहास

15 मई को इतिहास में प्रमुख घटनाओं के रूप में साल 1948 में अरब-इजरायल युद्ध की शुरुआत, 1940 में पहले मैकडॉनल्ड्स (McDonald's) रेस्तरां की शुरुआत और 1928 में मिकी माउस के पहले एनिमेटेड फिल्म की स्क्रीनिंग के लिए जाना जाता है?15 मई की प्रमुख ऐतिहासिक घटनाएं:1940: मौरिस और रिचर्ड मैकडॉनल्ड ने कैलिफोर्निया के सैन बर्नार्डिनो में पहला 'मैकडॉनल्ड्स' रेस्तरां खोला, जो आज दुनिया की सबसे बड़ी फास्ट-फूड चेन है?1948: इज़राइल की स्वतंत्रता की घोषणा के अगले ही दिन मिस्र, सीरिया, ट्रांसजॉर्डन और इराक ने इज़राइल पर आक्रमण कर दिया, जिससे पहला अरब-इज़राइल युद्ध छिड़ गया?1928: डिज्नी का पहला मिकी माउस कार्टून 'प्लेन क्रेजी' (Plane Crazy) प्रदर्शित किया गया?1930: एलेन चर्च नामक महिला यूनाइटेड एयरलाइंस की पहली एयर होस्टेस बनींविस्तृत और अन्य सभी दिनों के ऐतिहासिक तथ्यों को पढ़ने के लिए आप On This Day और Britannica On This Day पर जा सकते हैं।

भारत को शहरी इन्फ्रास्ट्रक्चर में 2037 तक 80 लाख करोड़ रुपए के निवेश की आवश्यकता : रिपोर्ट

नई दिल्ली। भारत को तेज शहरीकरण और आर्थिक ग्रोथ को सपोर्ट करने के लिए शहरी इन्फ्रास्ट्रक्चर में 2037 तक 80 लाख करोड़ रुपए के निवेश की आवश्यकता होगी। यह जानकारी शुक्रवार को जारी रिपोर्ट में दी गई।

क्रेडिट रेटिंग एजेंसी ब्रिकवर्क रेटिंग्स (बीडब्ल्यूआर) की रिपोर्ट में कहा गया है कि 2036 तक भारत की जीडीपी में शहरी क्षेत्रों का योगदान लगभग 70 प्रतिशत होने की उम्मीद है, जिससे सतत शहरी वित्तपोषण एक राष्ट्रीय प्राथमिकता बन जाता है।

रिपोर्ट में कहा गया है कि केंद्र सरकार का 1 लाख करोड़ रुपए अर्बन चैलेंज फंड (यूसीएफ), भारत के शहरी विकास वित्तपोषण मॉडल में एक बड़ा बदलाव है। यह योजना अनुदान-आधारित कार्यक्रम से हटकर बाजार-आधारित ढांचे की ओर बढ़ रही है, जिसका उद्देश्य पांच वर्षों में लगभग 4 लाख करोड़ रुपए का कुल शहरी निवेश जुटाना है।

केंद्रीय सहायता प्राप्त करने से पहले, शहरी स्थानीय निकायों (यूएलबी) को नगरपालिका बांड, बैंक ऋण या पीपीपी के माध्यम से परियोजना वित्तपोषण का कम से कम 50 प्रतिशत जुटाना होगा।

इसके अलावा, सरकार परियोजना लागत का 25 प्रतिशत वहन करती है, और शेष राशि राज्यों और यूएलबी द्वारा वित्तपोषित की जाती है। रिपोर्ट में बताया गया कि इस मॉडल का उद्देश्य अनुशासन, पारदर्शिता और साख को मजबूत करना है, जबकि बीडब्ल्यूआर ने इसके कार्यान्वयन में महत्वपूर्ण जोखिमों की ओर ध्यान दिलाया है। साथ ही, बाजार वित्तपोषण प्राप्त करने के लिए शहरी स्थानीय निकायों (यूएलबी) के लिए क्रेडिट रेटिंग के महत्व पर जोर दिया।

हालांकि, बैंक ऋणों के लिए औपचारिक रेटिंग की आवश्यकता नहीं होती है, रिपोर्ट में चेतावनी दी गई है कि केवल संस्थागत ऋण पर निर्भरता शहरों को राज्य की गारंटी पर निर्भर रखती है और विविधीकरण को सीमित करती है।

ब्रिकवर्क रेटिंग्स के सीईओ मनु सहगल ने कहा, 'यूसीएफ भारत के नगरपालिका वित्त पारिस्थितिकी तंत्र को काफी मजबूत कर सकता है, विशेष रूप से नगरपालिका बांड बाजार में भागीदारी बढ़ाकर। वित्त वर्ष 2018 से, केवल 17 शहरों ने 45.4 अरब रुपए के नगरपालिका बांड जारी किए हैं, जो इस क्षेत्र में मौजूद विशाल अप्रयुक्त वित्तपोषण अवसर को उजागर करता है।'

सहगल ने आगे कहा कि यूसीएफ द्वारा शुरू की गई 5,000 करोड़ रुपए की क्रेडिट रिपेमेंट गारंटी योजना छोटे यूएलबी को पहली बार लिए गए ऋणों के लिए गारंटी प्रदान करके निवेशकों का विश्वास बढ़ा सकती है, जिससे उधारदाताओं और निवेशकों के लिए निवेश योग्य क्षेत्र का विस्तार होगा।

मजबूत डॉलर से सोना और चांदी धराशाई; दाम 11,700 रुपए तक कम हुए

मुंबई । सोने और चांदी की शुरुआत शुक्रवार को गिरावट के साथ हुई और दोनों कीमती धातुओं में 11,700 रुपए तक की कमजोरी देखने को मिली।

मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर चांदी का 3 जुलाई 2026 का कॉन्ट्रैक्ट पिछली क्लोजिंग 2,91,102 रुपए के मुकाबले 11,102 रुपए या 3.81 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 2,80,000 रुपए पर था।

इंट्रा-डे में इसने 2,79,458 रुपए का लो बनाया है, जो कि पिछली क्लोजिंग से 11,644 रुपए कम है। वहीं, इंट्रा-डे हाई 2,83,938 रुपए का था।सुबह 10:06 पर चांदी 2.94 प्रतिशत या 8,563 रुपए की कमजोरी के साथ 2,82,539 रुपए पर थी।

चांदी के साथ सोने में भी कमजोरी देखने को मिली। सोने का 05 जून 2026 का कॉन्ट्रैक्ट पिछली क्लोजिंग 1,61,978 रुपए के मुकाबले 1,188 रुपए या 0.73 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 1,60,790 रुपए पर खुला। इंट्रा-डे में इसने 1,60,355 रुपए का लो बनाया है, जो कि पिछली क्लोजिंग से 1,623 रुपए कम है। वहीं, इंट्रा-डे हाई 1,60,992 रुपए का था।

खबर लिखे जाने तक सोना 0.89 प्रतिशत या 1,438 रुपए की कमजोरी के साथ 1,60,540 रुपए पर थी।

भारत के साथ अंतरराष्ट्रीय बाजारों में भी सोने और चांदी में कमजोरी देखी जा रही है। सोना 1.54 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 4,615 डॉलर प्रति औंस और चांदी 4.47 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 81.49 डॉलर प्रति औंस पर था।

जानकारों ने कहा कि सोना 4,600 डॉलर प्रति औंस और 4,750 डॉलर प्रति औंस के बीच बना हुआ है। इसके लिए सपोर्ट 4,560 डॉलर प्रति औंस - 4,520 डॉलर प्रति औंस के बीच में है। रुकावट का स्तर 4,700 डॉलर प्रति औंस से 4,750 डॉलर प्रति औंस के बीच है।

सोने और चांदी में कमजोरी की वजह डॉलर इंडेक्स में मजबूती को माना जा रहा है।

डॉलर इंडेक्स 0.23 प्रतिशत बढ़कर 98.955 पर पहुंच गया है, जो बीते पांच हफ्तों का उच्चतम स्तर है।

डॉलर इंडेक्स, अमेरिकी मुद्रा डॉलर की दुनिया की छह बड़ी मुद्राओं- यूरो, जापानी येन, पाउंड स्टर्लिंग, कैनेडियन डॉलर, स्वीडिश क्रोना और स्विस फ्रैंक- के मुकाबले स्थिति को दिखाता है।

कमजोर वैश्विक संकेतों के चलते लाल निशान में बंद हुआ बाजार, सेंसेक्स 161 अंक फिसला

मुंबई । कमजोर वैश्विक बाजार संकेतों, कच्चे तेल की कीमतों में तेज उछाल और अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपए के नए रिकॉर्ड निचले स्तर पर गिरने के कारण मुनाफावसूली की वजह से सप्ताह के आखिरी कारोबारी दिन भारतीय शेयर बाजार दिन के उतार-चढ़ाव के बाद गिरावट के साथ लाल निशान में बंद हुआ। इस तरह, घरेलू बाजार की दो दिन की लगातार बढ़त का सिलसिला शुक्रवार को समाप्त हो गया।

बाजार बंद होने के समय 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 160.73 अंक या 0.21 प्रतिशत गिरकर 75,237.99 पर था, तो वहीं निफ्टी 50 46.10 अंक या 0.19 प्रतिशत गिरकर 23,643.50 पर पहुंच गया।

दिन के दौरान, सेंसेक्स 75,497.10 पर खुलकर 75,870.36 का दिन का हाई छुआ तो वहीं 75,139.41 के इंट्रा-डे लो पर पहुंच गया। जबकि निफ्टी 50 23,731.40 पर खुलकर 23,839.30 के दिन के उच्चतम स्तर और 23,610.30 के निचले स्तर को छुआ।

व्यापक बाजार में, निफ्टी मिडकैप इंडेक्स में 0.45 प्रतिशत और निफ्टी स्मॉलकैप इंडेक्स में 0.61 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई।

सेक्टर के हिसाब से देखें तो निफ्टी मेटल, निफ्टी पीएसयू बैंक, निफ्टी रियल्टी और निफ्टी ऑयल एंड गैस में सबसे ज्यादा 1 प्रतिशत से ज्यादा की गिरावट देखने को मिली। वहीं, निफ्टी मीडिया (1.98 प्रतिशत की तेजी) और निफ्टी आईटी (1.30 प्रतिशत की तेजी) में सबसे ज्यादा तेजी दर्ज की गई। इसके अलावा, निफ्टी एफएमसीजी, निफ्टी फार्मा में भी अच्छी तेजी देखी गई, वहीं निफ्टी ऑटो में मामूली तेजी देखी गई।

निफ्टी50 इंडेक्स में टीएमपीवी, डॉ. रेड्डीज लैबोरेटरीज, इंफोसिस, कोल इंडिया, टेक महिंद्रा, कोटक बैंक, पावरग्रिड, मारुति सुजुकी इंडिया, भारती एयरटेल और विप्रो के शेयरों में सबसे ज्यादा तेजी देखने को मिली और ये टॉप गेनर्स में शामिल रहे। वहीं इसके विपरीत, हिंडाल्को, इटरनल, नेस्ले इंडिया, टाटा स्टील, रिलायंस, अल्ट्राटेक सीमेंट और एमएंडएम के शेयरों में सबसे ज्यादा गिरावट दर्ज की गई।

इस दौरान, बीएसई पर सूचीबद्ध कंपनियों का कुल मार्केट कैप पिछले सत्र के 462.9 लाख करोड़ रुपए से घटकर 460.5 लाख करोड़ रुपए हो गया, जिससे निवेशकों को एक ही सत्र में 2.4 लाख करोड़ रुपए का नुकसान हुआ। इंटरकॉन्टिनेंटल एक्सचेंज पर ब्रेंट क्रूड के मई वायदा अनुबंध में 2.9 प्रतिशत की वृद्धि हुई और यह 108.8 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया।

आईडीएफसी फर्स्ट बैंक और एयू स्मॉल फाइनेंस बैंक स्कैम मामले में सीबीआई ने चंडीगढ़ और पंचकुला में सात जगहों पर मारे छापे

चंडीगढ़ । सेंट्रल ब्यूरो ऑफ इन्वेस्टिगेशन (सीबीआई) ने आईडीएफसी फर्स्ट बैंक एवं एयू स्मॉल फाइनेंस बैंक स्कैम मामले में गुरुवार को चंडीगढ़ और पंचकुला में सात जगहों पर छापे मारे, जिससे घोटाले में गबन किए गए धन का पता लगाया जा सके। यह जानकारी एक आधिकारिक बयान में शुक्रवार को दी गई।

सीबीआई ने जिन जगहों पर छापेमारी की है, उनमें आवासीय परिसर, वाणिज्यिक परिसर/ज्वेलर्स शोरूम, सरकारी धन के गबन के संदिग्ध लाभार्थियों के परिसर और जांच से जुड़े अन्य निजी संस्थाओं के परिसर शामिल हैं।

तलाशी के दौरान, धोखाधड़ी और संदिग्ध गबन से संबंधित कई आपत्तिजनक दस्तावेज और वस्तुएं बरामद और जब्त की गईं। इनमें वित्तीय रिकॉर्ड और डिजिटल साक्ष्य शामिल हैं।

इस मामले में अब तक 16 आरोपियों को गिरफ्तार किया जा चुका है।

सीबीआई ने एक बयान में कहा, 'जांच में तेजी लाई गई है और कई सुरागों पर काम किया जा रहा है। सीबीआई इस मामले में जल्द से जल्द व्यापक जांच करने के लिए प्रतिबद्ध है।'

हरियाणा सरकार ने इस मामले को जांच के लिए सीबीआई को सौंप दी है। आरोप है कि आईडीएफसी फर्स्ट बैंक और एयू स्मॉल फाइनेंस बैंक के कुछ अधिकारियों ने हरियाणा सरकार के विभिन्न विभागों के सरकारी कर्मचारियों के साथ मिलीभगत करके धोखाधड़ी के माध्यम से सरकारी धन का गबन किया।

आईडीएफसी फर्स्ट बैंक धोखाधड़ी का मामला सबसे पहले इस साल फरवरी में सामने आया, जब हरियाणा सरकार के विकास एवं पंचायत विभाग के एक अधिकारी ने अपना खाता बंद करने और शेष राशि को दूसरे बैंक में स्थानांतरित करने का प्रयास किया। इसी छोटे से बैंकिंग लेनदेन के दौरान इस बड़े घोटाले का पर्दाफाश हुआ, जिसमें रिकॉर्ड और वास्तविक शेष राशि में भारी विसंगतियां पाई गईं। हरियाणा के सतर्कता एवं भ्रष्टाचार विरोधी ब्यूरो ने पहले इस मामले में एफआईआर दर्ज की, लेकिन राज्य सरकार ने बाद में इस मामले को सीबीआई को सौंप दिया।

सोने पर आयात शुल्क में बढ़ोतरी से भारत के चालू खाते घाटे में आ सकती है 23 आधार अंक तक की कमी : रिपोर्ट

नई दिल्ली। केंद्र सरकार की ओर से देश की वित्तीय स्थिरता को सुरक्षित रखने के लिए सोने पर आयात शुल्क (सेस सहित) 6 प्रतिशत से बढ़ाकर 15 प्रतिशत करने से चालू खाते में 23 आधार अंक तक की कमी आ सकती है।

यह जानकारी शुक्रवार को जारी रिपोर्ट में दी गई।

घरेलू ब्रोकरेज फर्म एमके ग्लोबल फाइनेंशियल सर्विसेज ने एक रिपोर्ट में कहा कि बाजार ने युद्ध के बाद ही परिस्थितियों का आकलन कर लिया है, लेकिन कच्चे तेल का 100 से 110 डॉलर के बीच रहने से दबाव बना हुआ है और इससे निफ्टी 21,000 तक फिसल सकता है।

रिपोर्ट में कहा गया कि सोने के आयात शुल्क में बढ़ोतरी से ज्वेलरी कंपनियों को नुकसान हो सकता है और खुदरा महंगाई दर में बढ़ोतरी देखने को मिल सकती है।

रिपोर्ट में अनुमान लगाया गया है कि खुदरा ईंधन की कीमतों में प्रति लीटर 17-18 रुपए की अंडर रिकवरी (लागत और बिक्री में अंतर) बनी हुई है और 10 रुपए प्रति लीटर की वृद्धि से लगभग आधी कमी पूरी हो जाएगी और जून में मुद्रास्फीति दर 4.4 प्रतिशत तक पहुंच सकती है, जिससे भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा ब्याज दरों में वृद्धि की संभावना बढ़ जाएगी।

घरेलू ब्रोकरेज फर्म ने यह भी कहा कि आने वाले हफ्तों में अमेरिका और ईरान के बीच समझौता होने की संभावना है, जिससे इन उपायों से बचा जा सकता है।

हालांकि, रिपोर्ट में चेतावनी दी गई है कि यदि कच्चे तेल की कीमतें ऊंची बनी रहती हैं, तो नीतिगत उपायों में मुद्रा बाजारों में प्रत्यक्ष हस्तक्षेप, विदेशी बॉन्ड या विशेष जमा योजनाओं में हस्तक्षेप और विदेशों में भेजे जाने वाले धन पर सीमाएं लगाना शामिल हो सकता है।

फिलीपींस, वियतनाम और थाईलैंड जैसे कई देशों ने घरेलू यात्रा को कम करने के लिए अनिवार्य रूप से घर से काम करने और अन्य उपाय लागू किए हैं।

भारत में इसकी संभावना बहुत कम है, लेकिन ब्रोकरेज फर्म के अनुसार, इससे पर्यटन, आतिथ्य और विमानन क्षेत्रों पर नकारात्मक प्रभाव पड़ेगा।

पिछले पांच वर्षों में भारतीयों द्वारा भेजे गए विदेशी धन में 9.5 प्रतिशत की वार्षिक वृद्धि हुई है और अब यह चालू खाता घाटे का 174 प्रतिशत हो गया है।

भारत का अप्रैल में निर्यात 13.6 प्रतिशत बढ़कर 80 अरब डॉलर के पार

नई दिल्ली । भारत का निर्यात अप्रैल में सालाना आधार पर 13.6 प्रतिशत बढ़कर 80.8 अरब डॉलर हो गया है, इसमें गुड्स की हिस्सेदारी 43.56 अरब डॉलर और सर्विसेज की हिस्सेदारी 37.2 अरब डॉलर रही है।

पिछले साल अप्रैल में गुड्स निर्यात 38.28 अरब डॉलर और सर्विसेज निर्यात 32.8 अरब डॉलर था।

भारत के निर्यात में ऐसे समय पर बढ़ोतरी देखी गई, जब अमेरिका-ईरान युद्ध के कारण हॉर्मुज स्ट्रेट बंद होने से मध्य पूर्व के कई देशों को निर्यात प्रभावित है।

वाणिज्य सचिव राजेश अग्रवाल ने कहा कि क्षेत्रीय चुनौतियों के बावजूद निर्यात में मजबूती बनी हुई है, जिसका श्रेय भारत की नई भौगोलिक क्षेत्रों और उत्पाद बाजारों में विविधता लाने की क्षमता को जाता है।

निर्यात के साथ भारत के आयात में भी बढ़ोतरी हुई है। अप्रैल में कुल आयात 88.6 अरब डॉलर था, जो कि पिछले साल समान अवधि में 82.3 अरब डॉलर था।

अप्रैल में गुड्स का आयात बढ़कर 71.9 अरब डॉलर हो गया है, जो कि अप्रैल 2025 में 65.4 अरब डॉलर था। सर्विसेज आयात कम होकर 16.66 अरब डॉलर हो गया है, जो कि पहले 16.9 अरब डॉलर था।

आयात में बढ़ोतरी होना दिखाता है कि देश की अर्थव्यवस्था में मांग मजबूत बनी हुई है।

इसके चलते भारत का वस्तु व्यापार घाटा बढ़कर 28.4 अरब डॉलर हो गया है, जो कि पिछले साल समान अवधि में 27.1 अरब डॉलर था।

वहीं, सर्विसेज सरप्लस बढ़कर अप्रैल में 20.54 अरब डॉलर हो गया है, जो कि पिछले साल समान अवधि में 15.9 अरब डॉलर था।

यूएस, भारत के लिए सबसे बड़ा निर्यात गंतव्य स्थान बना हुआ। वहीं, चीन देश के आयात का सबसे बड़ा स्रोत बना रहा।

सरकारी आंकड़ों के अनुसार, भारत ने वित्त वर्ष 2026 में 1,821 नए उत्पाद-देश निर्यात संयोजन स्थापित किए, जो एक व्यापक विविधीकरण रणनीति को दर्शाता है। भारत का सोने का आयात अप्रैल 2026 में तेजी से बढ़कर 5.63 अरब डॉलर हो गया, जबकि अप्रैल 2025 में यह 3.1 अरब डॉलर था।

घरेलू एयरलाइंस के सपोर्ट के लिए महाराष्ट्र सरकार ने एटीएफ पर वैट को घटाकर 7 प्रतिशत किया

नई दिल्ली। मध्य पूर्व संकट में घरेलू एयरलाइन के सपोर्ट के लिए महाराष्ट्र सरकार ने एयर टरबाइन फ्यूल (एटीएफ) पर वेल्यू एडेड टैक्स (वैट) को 18 प्रतिशत से घटाकर 7 प्रतिशत कर दिया है।

केंद्र सरकार की ओर से घरेलू एयरलाइन को सपोर्ट के लिए राज्यों से एटीएफ पर वैट घटाने की अपील की गई थी।

महाराष्ट्र सरकार की ओर से जारी नोटिफिकेशन में कहा गया कि महाराष्ट्र वेल्यू एडेड टैक्स एक्ट, 2002 के तहत एटीएफ पर वैट को 15 मई, 2026 से लेकर 14 नवंबर, 2026 तक के लिए 18 प्रतिशत से घटाकर 7 प्रतिशत कर दिया गया है।

महाराष्ट्र सरकार के फैसले पर केंद्रीय नागर विमानन मंत्री राम मोहन नायडू ने भी आभार जताया।

इसे लेकर, नायडू ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लिखा कि पश्चिम एशिया संकट के कारण भारतीय विमानन उद्योग को हवाई क्षेत्र बंद होने, अनिश्चित परिचालन और एटीएफ की कीमतों में वृद्धि जैसी समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। ऐसे समय में, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में, भारत सरकार ने घरेलू अनुसूचित उड़ानों के लिए एटीएफ की कीमतों पर सीमा निर्धारित करने, हवाई अड्डे के शुल्कों में कमी करने, इमरजेंसी क्रेडिट लिंकेज स्कीम आदि के रूप में एयरलाइनों को कई राहतें प्रदान की हैं। उन्होंने आगे कहा कि विमानन उद्योग में होने वाले महत्वपूर्ण खर्चों में से एक राज्य सरकारों द्वारा लगाया जाने वाला एटीएफ पर वैट है। नागर विमानन मंत्रालय कुछ समय से, विशेष रूप से संकट के समय में, इस वैट को कम करने के लिए राज्य सरकारों के साथ बातचीत कर रहा है। मैं महाराष्ट्र राज्य सरकार और मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस का आभारी हूं कि उन्होंने इस अवसर पर आगे बढ़कर एटीएफ पर वैट को 18 प्रतिशत से घटाकर 7 प्रतिशत करने की अधिसूचना जारी की, जो आज से प्रभावी है।

केंद्रीय मंत्री ने आगे कहा कि महाराष्ट्र में 16 एयरपोर्ट्स संचालन में हैं और देश में सबसे अधिक यात्री ट्रैफिक इसी राज्य में देखने को मिलता है, जो लगभग 7.5 करोड़ यात्रियों का है।

गर्मी में थकान और तनाव भगाएगी ये चाय, तन-मन को रखेगी शीतल

नई दिल्ली । देश भर के कई हिस्सों में तेजी से बढ़ती गर्मी शारीरिक व मानसिक कई समस्याओं की वजह बनती जा रही है। थकान और तनाव के साथ ही पाचन से संबंधित समस्याएं आम बात है। ऐसे में हेल्थ एक्सपर्ट लोगों को गुड़हल की चाय के सेवन की सलाह देता है, जो बेहतरीन प्राकृतिक उपाय साबित हो सकती है।

सुंदर लाल रंग के गुड़हल फूल से बनी चाय न सिर्फ तन-मन को शीतलता प्रदान करती है, बल्कि कई गंभीर स्वास्थ्य समस्याओं से भी बचाव करती है। भारत सरकार का आयुष मंत्रालय भी गुड़हल की चाय को सेहत के लिए बेहद फायदेमंद बताता है।

गुड़हल का फूल देवी-देवताओं को प्रिय होता है। वहीं, इसके औषधीय गुण प्राचीन आयुर्वेद में भी बताए गए हैं। गर्मियों में जब शरीर में गर्मी बढ़ जाती है और तनाव का स्तर ऊंचा रहता है, तब गुड़हल की चाय पीना बहुत राहत देता है। यह चाय शरीर को ठंडक पहुंचाती है और मन को शांत रखती है।

गुड़हल की चाय के सेवन से ब्लड प्रेशर नियंत्रित करता है, हाई ब्लड प्रेशर के मरीजों के लिए यह चाय बहुत उपयोगी है। यह रक्त वाहिकाओं को आराम देती है और प्राकृतिक रूप से ब्लड प्रेशर को कम करती है। इसमें मौजूद एंटीऑक्सीडेंट बैड कोलेस्ट्रॉल को घटाते हैं और दिल की बीमारियों के खतरे को कम करते हैं। यह वजन घटाने में भी कारगर है, यह मेटाबॉलिज्म को तेज करती है और शरीर से अतिरिक्त पानी व नमक निकालने में सहायक होती है। कम कैलोरी होने के कारण डाइटिंग करने वालों के लिए यह आदर्श पेय है।

इसके साथ ही गुड़हल की चाय डायबिटीज के मरीजों के लिए भी फायदेमंद है, यह इंसुलिन संवेदनशीलता बढ़ाती है और ब्लड शुगर को स्थिर रखने में मदद करती है। साथ ही लिवर और इम्युनिटी के लिए भी बेहतर है। चाय लीवर को स्वस्थ रखती है और रोग प्रतिरोधक क्षमता को मजबूत करती है।

गुड़हल की चाय बनाना बहुत आसान है। सूखे गुड़हल के फूलों को गर्म पानी में 5-7 मिनट उबालकर या भिगोकर पी सकते हैं। स्वाद के अनुसार चाय में शहद या थोड़ा नींबू मिलाया जा सकता है। दिन में 1-2 कप पीना पर्याप्त है। हालांकि, इसका सेवन शुरू करने से पहले आयुर्वेदाचार्य या डॉक्टर से सलाह जरूर लें। गर्भवती महिलाओं, कम ब्लड प्रेशर वाले लोगों और कुछ दवाइयां लेने वाले मरीजों को विशेष सावधानी बरतनी चाहिए।

हर किसी के बालों पर अलग असर दिखाता है रीठा, इस्तेमाल से पहले जान लें ये जरूरी सावधानियां

नई दिल्ली। बदलती जीवनशैली, धूल-मिट्टी, प्रदूषण, तनाव और कैमिकल वाले हेयर प्रोडक्ट्स की वजह से बालों की सेहत लगातार बुरा प्रभाव पड़ रहा है। ऐसे में लोग अब फिर से प्राकृतिक चीजों की तरफ लौट रहे हैं। आयुर्वेद में रीठा को बालों की सफाई के लिए फायदेमंद बताया गया है। वहीं विज्ञान के मुताबिक रीठा में ऐसे प्राकृतिक तत्व पाए जाते हैं, जो बालों को मजबूती देते हैं, लेकिन यह हर किसी के बालों पर अलग असर दिखाता है, इसलिए इसके इस्तेमाल पर सावधानियां बरतनी चाहिए।

वैज्ञानिक रिसर्च के अनुसार, रीठा में सैपोनिन नाम का प्राकृतिक तत्व पाया जाता है, जो पानी के साथ मिलकर झाग बनाता है और सफाई करने का काम करता है। यह सिर में जमा धूल, पसीना और अतिरिक्त तेल हटाने में मदद करता है।

जब रीठा को पानी में भिगोकर या उबालकर उसके पानी से बाल धोए जाते हैं, तो यह सिर की त्वचा पर जमी गंदगी को हटाता है। गंदगी हटने पर बालों की ग्रोथ अच्छी होती है। अगर स्कैल्प पर ज्यादा तेल और गंदगी जमा हो जाए तो बाल कमजोर होने लगते हैं।

रूसी की समस्या से परेशान लोगों के लिए भी रीठा फायदेमंद माना जाता है। रूसी का एक बड़ा कारण सिर की त्वचा पर फंगल संक्रमण, ज्यादा तेल या मृत त्वचा का जमा होना होता है। रीठा सिर की त्वचा को साफ करती है, जिससे रूसी कम हो सकती है। हालांकि, अगर किसी को बहुत ज्यादा रूसी, खुजली या संक्रमण की समस्या हो, तो उसे डॉक्टर की सलाह लेना जरूरी है।

बालों की मजबूती को लेकर भी रीठा को काफी उपयोगी माना जाता है। जब सिर की त्वचा स्वस्थ रहती है तो बालों की जड़ें भी मजबूत बनी रहती हैं। रीठा के इस्तेमाल से बाल टूटने कम हो जाते हैं। लंबे समय तक रीठा का इस्तेमाल करने से बाल ज्यादा मुलायम और घने होते हैं। बालों का घना होना सिर्फ किसी एक चीज पर निर्भर नहीं करता। इसके पीछे खानपान, शरीर में पोषण की मात्रा, हार्मोन और जीवनशैली समेत अन्य चीजें भी अपना योगदान देती हैं।

अगर सिर में खुजली और जलन की समस्या हो, तो रीठा इसमें भी राहत पहुंचाता है। कुछ लोग इसे संवेदनशील त्वचा के लिए बेहतर विकल्प मानते हैं। इसके नियमित उपयोग से बालों में प्राकृतिक चमक भी दिखाई देती है।

हालांकि विशेषज्ञ कहते हैं कि हर व्यक्ति के बाल और त्वचा अलग होते हैं। इसलिए किसी भी प्राकृतिक चीज का उपयोग करने से पहले थोड़ी सावधानी जरूरी है। अगर रीठा लगाने के बाद खुजली, जलन या एलर्जी महसूस हो तो इसका इस्तेमाल तुरंत बंद कर देना चाहिए। इसके अलावा, बहुत ज्यादा सूखे बालों वाले लोगों को इसे सीमित मात्रा में इस्तेमाल करना चाहिए।

जब बाल मन में 'लक्ष्मण रेखा' से बैठा डर, 'सीता हरण' अध्याय से जुड़ी रवींद्रनाथ टैगोर की वह कहानी

नई दिल्ली। राजसी ठाट-बाट और शानो-शौकत वाला एक अमीर खानदान। बंगाल के सबसे बड़े शहर कोलकाता में उस ठाकुर खानदान का रुतबा था। दूर-दूर तक लोग इस परिवार की चर्चा किया करते थे। इसी खानदान में जब देवेंद्रनाथ ठाकुर और सारदा देवी की 14वीं संतान के रूप में बेटा आया, तो किसी ने नहीं सोचा था कि सारी दुनिया में एक दिन उसके नाम का डंका बजेगा। बात हो रही है रवींद्रनाथ टैगोर की।

7 मई 1861 को जोड़ासाको के महलनुमा घर में रवींद्रनाथ ने पहली बार दुनिया को अपनी आंखों से देखा। रवींद्रनाथ दौलतमंद पिता की 14वीं संतान थे और मां सारदा की तबीयत अक्सर खराब रहती थी। जाहिर है कि लालन-पालन नौकरों के हाथ हुआ था।

वह इतने नटखट थे कि घर के नौकर भी तंग आ चुके थे। रवींद्रनाथ की हरकतों को बांधने के लिए रामायण के 'सीता हरण' की कहानी सुनाई गई और उन्हें एक चौक से घेरा बनाकर उसके भीतर खड़ा कर दिया गया। उन्हें नौकर कहते थे कि अगर इस घेरे से बाहर निकले तो रावण उठाकर ले जाएगा। उस बाल मन पर उसका गहरा असर पड़ा।

उन्होंने बहुत बाद में अपने बचपन के बारे में लिखा, 'हम नौकर शासन में जिए। हमारे मन को बिल्कुल जकड़ दिया गया था। हमारे नौकर श्याम ने लक्ष्मण रेखा से बाहर निकलने पर चेतावनी दी थी कि घेरे से बाहर निकलते ही बड़ी मुसीबत होगी। मैं मन ही मन उस विपत्ति से डरता रहा।'

उनके बचपन का एक किस्सा यह भी है कि स्कूल जाने की जिद पर एक टीचर ने उनकी जमकर पिटाई की थी। उस दौर

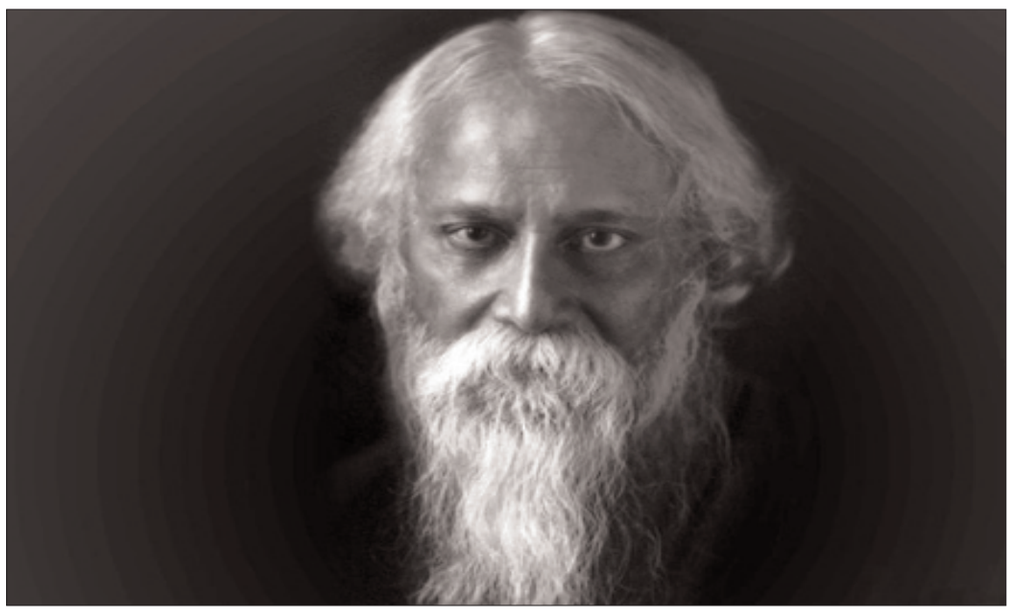

में परिवार की परंपरा के अनुसार, छोटे बच्चों को घर पर पढ़ाने के लिए शिक्षक आया करते थे। लेकिन अपने बड़े भाई की तरह उन्होंने भी स्कूल जाने की जिद पकड़ ली। इस पर मास्टरजी ने जमकर पिटाई कर दी थी। इस बाल मन पर यह अजीब-सा अनुभव था। हालांकि, जब वे थोड़े बड़े हुए तो उनका दाखिला एक बड़े स्कूल में करा दिया गया। मगर मन नहीं लगने के कारण उन्होंने अनेक स्कूल बदल दिए थे।एक तरीके से प्रकृति प्रेम और कविता साहित्य उनके खून में था। एक बार पिता के साथ हिमालय की यात्रा ने उसे और तराशा। 12 साल की उम्र में रवींद्र ने एक लंबी कविता 'अभिलाषा' लिखी, जो उस समय की 'तत्व बोधिनी पत्रिका' में छपी। 1875 में रवींद्र ने स्कूल जाना छोड़ दिया। 14 साल की उम्र में उन्होंने एक और कविता लिखी, जिसका नाम था 'वन फूल', जो 1,600 पंक्तियों की थी। यह कविता 'ज्ञानांकुर' पत्रिका में छपी। उसी उम्र में उन्होंने देशभक्ति की एक कविता लिखी, जिसने काफी सुर्खियां बंटोरी थी।

1880 के दौर में जब इंग्लैड से रवींद्र लौटकर आए थे, दिल का सूनापन साथ था। वे 17-16 साल की उम्र में अपने भाई के साथ इंग्लैड गए थे। रवींद्रनाथ टैगोर के प्रपौत्र सुप्रिय टैगोर ने एक इंटरव्यू में कहा, 'जब रवींद्रनाथ सोलह-सत्रह साल के हुए तब मंझले दादा (रवींद्र के भाई) के साथ पढ़ने के लिए विलायत भेज दिया गया, शायद बैरिस्टर बनाने के लिए, लेकिन रवींद्रनाथ ने दूसरा रास्ता चुन लिया। वहां वे आयरिश संगीत सीखने लगे और बाद में वाल्मीकि प्रतिभा नृत्य नाट्य में उसी आयरिश संगीत का इस्तेमाल किया।

बाजार की पाठशाला: बच्चे का सुरक्षित भविष्य चाहिए? जानें कैसे 'एनपीएस वात्सल्य योजना' बन सकती है बेहतरीन विकल्प

नई दिल्ली। अगर आप भी अपने बच्चे के भविष्य को आर्थिक रूप से सुरक्षित बनाना चाहते हैं, तो केंद्र सरकार की 'एनपीएस वात्सल्य योजना' एक बेहतर विकल्प साबित हो सकती है। यह योजना बच्चों के लिए बनाई गई एक विशेष पेंशन स्कीम है, जिसमें माता-पिता या अभिभावक अपने नाबालिग बच्चों के नाम पर निवेश कर सकते हैं। इस योजना में लंबी अवधि में बड़ा फंड तैयार करने के साथ टैक्स बचत का भी फायदा मिलता है।

एनपीएस वात्सल्य योजना को सितंबर 2024 में नेशनल पेंशन सिस्टम (एनपीएस) के तहत शुरू किया गया था। इस योजना का उद्देश्य बच्चों के भविष्य को आर्थिक सुरक्षा देना है। यह योजना पेंशन फंड रेगुलेटरी एंड डेवलपमेंट अथॉरिटी (पीएफआरडीए) द्वारा संचालित की जाती है। इसमें निवेश पर लगभग 9.5 प्रतिशत से 10 प्रतिशत तक रिटर्न मिलने की संभावना बताई जाती है।

इस योजना में माता-पिता या अभिभावक अपने 18 साल से कम उम्र के बच्चे के नाम पर खाता खोल सकते हैं। बच्चा भारतीय नागरिक, एनआरआई या ओसीआई श्रेणी का हो सकता है। जब तक बच्चा बालिग नहीं होता, तब तक खाते का संचालन माता-पिता या अभिभावक करते हैं।

एनपीएस वात्सल्य योजना में सालाना न्यूनतम 1,000 रुपए निवेश करना जरूरी है। हालांकि अधिकतम निवेश की कोई सीमा तय नहीं की गई है। यानी माता-पिता अपनी क्षमता के अनुसार निवेश कर सकते हैं।

इस योजना का एक बड़ा फायदा टैक्स बचत भी है। आयकर अधिनियम की धारा 80सीसीडी(1बी) के तहत माता-पिता या अभिभावक 1.5 लाख रुपए तक के निवेश पर टैक्स छूट का लाभ ले सकते हैं। इसके अलावा अतिरिक्त 50,000 रुपए की कटौती का फायदा भी मिलता है।खाता खोलने के लिए बच्चे का जन्म प्रमाण पत्र, स्कूल लीविंग सर्टिफिकेट, पासपोर्ट या पैन कार्ड जैसे दस्तावेज मान्य हैं। शुरुआत में बच्चे का बैंक खाता होना जरूरी नहीं है, लेकिन आंशिक निकासी या 18 वर्ष से पहले एग्जिट के समय बैंक खाता आवश्यक होगा।

एनपीएस वात्सल्य योजना में निवेश के लिए तीन विकल्प दिए गए हैं। पहला 'डिफॉल्ट चॉइस' है, जिसमें 50 प्रतिशत निवेश इक्विटी में किया जाता है। दूसरा 'ऑटो चॉइस' है, जिसमें निवेशक आक्रामक, मध्यम या सुरक्षित फंड विकल्प चुन सकते हैं।

तीसरा 'एक्टिव चॉइस' है, जिसमें माता-पिता खुद तय कर सकते हैं कि पैसा इक्विटी, सरकारी बॉन्ड, कॉरपोरेट डेट या अन्य एसेट्स में कितना लगाया जाए। इसमें इक्विटी में अधिकतम 75 प्रतिशत तक निवेश किया जा सकता है।

इस योजना में कुछ विशेष परिस्थितियों में आंशिक निकासी की सुविधा भी दी गई है। खाता खुलने के तीन साल बाद माता-पिता जमा राशि का 25 प्रतिशत तक निकाल सकते हैं।

यह सुविधा अधिकतम तीन बार ली जा सकती है। निकासी का उपयोग बच्चे की शिक्षा, गंभीर बीमारी के इलाज या 75 प्रतिशत से अधिक दिव्यांगता जैसी जरूरतों के लिए किया जा सकता है।

जब बच्चा 18 साल का हो जाता है, तब उसके पास दो विकल्प होते हैं। पहला, वह खाते को बंद करके राशि निकाल सकता है। दूसरा, वह इसे सामान्य एनपीएस खाते में बदल सकता है। इसके लिए 18 साल पूरा होने के तीन महीने के भीतर केवाईसी प्रक्रिया पूरी करनी होती है।

सर्पदंश में गलत घरेलू उपाय जानलेवा, एक्सपर्ट से जानें क्या करें, क्या नहीं

नई दिल्ली। बेमौसम बरसात या ग्रामीण इलाकों में सांप का निकलना आम बात है। वहीं, कई बार सर्पदंश या सांप काटने की स्थिति नजर आती है, जो जानलेवा भी हो सकती है। एक्सपर्ट बताते हैं कि सर्पदंश वास्तव में एक गंभीर मेडिकल इमरजेंसी है। घबराहट में या गलत घरेलू नुस्खों का इस्तेमाल करने से स्थिति और बिगड़ सकती है। सही जानकारी और तुरंत सही कदम उठाने से सर्पदंश के मरीज की जान बचाई जा सकती है।

नेशनल हेल्थ मिशन का कहना है कि सर्पदंश के मामले में समय सबसे महत्वपूर्ण है। देश में हर साल बड़ी संख्या में लोग सांप के काटने का शिकार होते हैं। कई बार लोग डर के मारे या झाड़-फूंक पर भरोसा करते हुए कीमती समय गंवा बैठते हैं, जिससे स्थिति गंभीर हो जाती है। सही समय पर उपचार मिलने से ज्यादातर मामलों में मरीज को बचाया जा सकता है।

सांप काटने पर घाव को साफ पानी से धोएं। मरीज से अंगूठी, कड़ा, जूता या कोई भी टाइट कपड़ा तुरंत हटा दें। मरीज को शांत रखें और ज्यादा हिलने-डुलने से बचाएं। बिना किसी देरी के नजदीकी सरकारी अस्पताल पहुंचें।

हेल्थ एक्सपर्ट बताते हैं कि सांप काटने पर घाव पर चीरा न लगाएं। घाव पर कसकर पट्टी या बंधन न बांधें। जहर चूसने की कोशिश कभी न करें। झाड़-फूंक, देशी नुस्खे या किसी भी तरह के घरेलू उपाय पर समय बर्बाद न करें।

सर्पदंश के बाद सबसे बड़ा खतरा घबराहट और गलत इलाज से होता है। जहर शरीर में तेजी से फैल सकता है, इसलिए मरीज को जितना हो सके कम हिलाएं। घाव को चीरा लगाने या जहर चूसने से संक्रमण का खतरा बढ़ जाता है और स्थिति और खराब हो सकती है। ऐसे में स्वास्थ्य विभाग की सलाह है कि सांप काटने पर तुरंत नजदीकी सरकारी अस्पताल जाएं जहां एंटी-वेनम सीरम और जरूरी इलाज उपलब्ध होता है। निजी क्लिनिक या घरेलू उपचार पर भरोसा करने की बजाय सरकारी अस्पताल जाना ज्यादा सुरक्षित है।

सांपों वाले इलाकों में सतर्क रहें। रात के समय चलते समय टॉर्च का इस्तेमाल करें और लंबी घास या अंधेरी जगहों से बचें। अगर सांप दिख जाए तो उसे छेड़ें नहीं, दूर हट जाएं। सर्पदंश एक मेडिकल इमरजेंसी है। घबराहट की बजाय शांत रहकर सही कदम उठाएं तो जान बचना तय है।

पोषक तत्वों से भरपूर ये जंगली फल, सेहत का साथी कहलाता है 'इंडियन चेरी'

नई दिल्ली। आजकल की अनियमित और तेज रफ्तार में भागती जिंदगी में लोग झटपट बने खाने को तवज्जो देते हैं, वो भले ही सेहत के लिए हानिकारक हों मगर लोग धड़ल्ले से उसका सेवन करते हैं। हालांकि, प्रकृति के पास पोषक तत्वों से भरपूर कई फल व सब्जियां हैं जिनके सेवन से सेहत को कई लाभ मिलते हैं। ऐसी ही एक फल व सब्जी है लसोड़ा या गोंदी, जिसे 'इंडियन चेरी' भी कहा जाता है।

बिहार के वन एवं पर्यावरण विभाग ने इसके कई स्वास्थ्य लाभों के बारे में विस्तार से जानकारी दी है। लसोड़ा एक तेजी से बढ़ने वाला पर्णपाती वृक्ष है। यह आमतौर पर 10 से 20 मीटर तक ऊंचा होता है। वैज्ञानिक नाम

कॉर्डिया डाइकोटोमा है। इसके फल, पत्ते और बीज सभी औषधीय गुणों से भरपूर होते हैं। इस फल में प्रोटीन, फाइबर, कैल्शियम, फॉस्फोरस, जिंक और आयरन जैसे जरूरी पोषक तत्व प्रचुर मात्रा में पाए जाते हैं।

बिहार वन विभाग के अनुसार, लसोड़ा न सिर्फ सेहत के लिए फायदेमंद है बल्कि पर्यावरण की दृष्टि से भी महत्वपूर्ण है। यह वृक्ष मध्यम आकार का होता है और आसानी से उगाया जा सकता है।

पके हुए लसोड़े का स्वाद मीठा होता है, जो खाने में बहुत टेस्टी लगता है जबकि कच्चे फलों का गूदा गोंद की जगह इस्तेमाल किया जाता है। गांवों में इसकी सब्जी बनाई जाती है और स्वादिष्ट अचार भी तैयार किया जाता है। इसके सेवन से सेहत को मिलने वाले लाभ पर नजर डालें तो ये भरपूर फाइबर से युक्त होने के कारण यह पाचन तंत्र को मजबूत बनाता है और कब्ज की समस्या से राहत दिलाता है। आयरन की अच्छी मात्रा होने से खून की कमी (एनीमिया) दूर करने में मदद मिलती है।

वहीं, कैल्शियम और फॉस्फोरस हड्डियों को मजबूत बनाते हैं। इसमें मौजूद एंटीऑक्सीडेंट्स शरीर को फ्री रेडिकल्स से बचाते हैं और इम्युनिटी बढ़ाते हैं। लसोड़े के पत्तों और बीजों का भी आयुर्वेद में इस्तेमाल होता है।

गर्मियों के मौसम में लसोड़ा आसानी से उपलब्ध हो जाता है। इसे ताजा खाया जा सकता है या फिर अचार, चटनी और सब्जी के रूप में इस्तेमाल किया जा सकता है। विशेषज्ञों के अनुसार, नियमित रूप से इसके सेवन से शरीर को प्राकृतिक तरीके से पोषण मिलता है।

अंकिता भार्गव के परिजन के साथ ठगी की कोशिश, अभिनेत्री ने स्कैम को लेकर किया आगाह

मुंबई। अभिनेत्री अंकिता भार्गव ने अपने माता-पिता के साथ हुई एक बेहद चिंताजनक स्कैम की कोशिश के बारे में सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए लोगों को जानकारी दी है। उन्होंने पोस्ट के जरिए लोगों को आगाह करते हुए लोगों खासकर बुजुर्गों को सतर्क रहने की अपील की है।

अंकिता ने इंस्टाग्राम पर किए पोस्ट में बताया कि जब वह कल (गुरुवार) लंच के समय अपने माता-पिता के घर पहुंची तो देखा कि दो अजनबी व्यक्ति डाइनिंग टेबल पर आराम से बैठे हुए थे। उन्होंने खुद को गुजरात क्राइम ब्रांच के अधिकारी बताया और कहा कि वे उनके पुराने पड़ोसी की जांच कर रहे हैं। उन्होंने अंकिता के पिता से सिर्फ एक छोटा-सा बयान लेने की बात कही।

उन्होंने लिखा, 'शुरुआत में सब कुछ बहुत सामान्य लग रहा था। वे शांत, विनम्र और आत्मविश्वास से भरे हुए थे। जब मैंने उनके आईडी कार्ड मांगे तो उन्होंने बिना किसी हिचकिचाहट के दिखा दिए और यहां तक कहा कि आप इनकी फोटो भी ले सकती हैं।'

अभिनेत्री ने आगे बताया कि दोनों व्यक्ति एक हाथ से लिखे हुए गुजराती भाषा के कागज पर अंकिता के पिता के हस्ताक्षर करवाने की कोशिश कर रहे थे। उनके पिता गुजराती नहीं पढ़ पाते थे। जब अंकिता ने इस पर सवाल उठाया तो एक व्यक्ति ने बहुत ही सहज अंदाज में कहा कि वह खुद अनुवाद करके समझा देंगे। अंकिता की सहज बुद्धि ने काम किया और उन्होंने साफ मना कर दिया। उन्होंने कहा, 'मैंने उनसे पूछा कि आधिकारिक बयान हाथ से क्यों लिखा हुआ है? इसे गुजराती में क्यों दिया गया है जबकि मेरे पिता इसे नहीं पढ़ सकते? मैंने साफ कहा कि इस घर में कोई भी व्यक्ति किसी भी कागज पर तब तक हस्ताक्षर नहीं करेगा जब तक वह उसे खुद न पढ़ और समझ ले।'

अंकिता ने बताया कि बाद में उनके पिता ने कहा कि अगर वह समय पर नहीं पहुंची होती तो शायद वे उस कागज पर हस्ताक्षर कर ही देते, क्योंकि वे लोग बहुत भरोसेमंद लग रहे थे। इस बात ने अंकिता को बहुत झकझोर दिया।

अभिनेत्री ने लोगों को चेतावनी देते हुए कहा, 'बुजुर्गों को आसानी से बहकाया जा सकता है। वर्दी, आईडी कार्ड और आधिकारिक भाषा का दबाव बनाकर उन्हें हस्ताक्षर करने के लिए मजबूर किया जाता है।'

उन्होंने सलाह दी कि कभी भी हाथ से लिखे कागज पर आंख बंद करके हस्ताक्षर न करें, जिस भाषा को आप नहीं समझते, उस पर कभी हस्ताक्षर न करें। हमेशा टाइप किए हुए और साफ कागज की मांग करें। सोसाइटी मैनेजमेंट या स्थानीय पुलिस से जांच करवाएं। साथ ही ऐसे किसी मामले में परिवार के अन्य सदस्यों को भी शामिल करें।अंकिता ने कहा कि हो सकता है वे असली अधिकारी रहे हों, लेकिन तरीका लापरवाह था। फिर भी सावधानी बरतना बेहद जरूरी है।

तान्या मित्तल ने कहा- 'मां है ना' में मां के साथ बिताया खास समय, रोज़मर्रा की जिंदगी में नहीं मिल पाता ऐसा मौका

मुंबई । जी5 अपने आगामी रियलिटी शो 'मां है ना' का प्रीमियर करने के लिए तैयार है, जिसे शिल्पा शेट्टी होस्ट करेंगी।

इस शो में 'बिग बॉस 19' की लोकप्रिय प्रतिभागी तान्या मित्तल और अभिनेत्री उर्वशी ढोलकिया अपने-अपने परिवार के सदस्यों के साथ नजर आएंगी।

तान्या मित्तल अपनी मां सुनीता मित्तल के साथ नजर आएंगी, जो टेलीविजन पर उनकी पहली उपस्थिति होगी। इसमें उर्वशी अपने बेटे क्षितिज ढोलकिया के साथ नजर आएंगी। तान्या मित्तल के लिए यह अनुभव भावनात्मक होने के साथ-साथ बेहद निजी भी रहा है। उन्होंने कहा, 'हम कितने भी आत्मनिर्भर क्यों न हो जाएं, हमेशा कोई न कोई ऐसा व्यक्ति होता है, जिसके पास हम सुकून पाने के लिए लौटते हैं और मेरे लिए वह मेरी माँ हैं। 'मां है ना' मेरे दिल के बहुत करीब है, क्योंकि इसमें परिवार के असली पल, हंसी-मजाक, छोटी-मोटी तकरार, दिल को छू लेने वाली बातें और वह सब दिखाया गया है, जो लोगों को एक-दूसरे के और करीब लाता है। इस शो की वजह से मुझे और मेरी मां को साथ समय बिताने का मौका मिला, जो हमें रोजमर्रा की जिंदगी में आमतौर पर नहीं मिल पाता। यह मेरे लिए बहुत खास अनुभव है, जिसे मैं हमेशा याद रखूंगी। मेरी मां के लिए भी यह उनका पहला रियलिटी शो है।'

उर्वशी ढोलकिया ने अपने अनुभव के बारे में बताया, 'अपने बेटे के साथ 'मां है ना' करना मुझे बहुत ही असली और खास लगा, क्योंकि जिंदगी में ऐसा मौका अक्सर नहीं मिलता कि आप रुककर अपने बच्चे के साथ इतने सच्चे तरीके से समय बिता सकें। हम हंसे, हमारी आपस में थोड़ी-बहुत अनबन भी हुई। हमने साथ मिलकर खाना भी बनाया और इन सब के बीच हम एक-दूसरे से इस तरह से फिर से जुड़ पाए, जिसे मैं हमेशा याद रखूंगी। मेरे लिए यही बिना बनावट वाले पल इस अनुभव को सच में खूबसूरत बनाते हैं।'

उन्होंने बताया, 'मां है ना' एक दिल को छू लेने वाला शो है, जो मशहूर मांओं और उनके बच्चों को एक साथ लाता है। यह शो बिना किसी स्क्रिप्ट के असली पलों को दिखाता है, जहां मां-बच्चे की जोड़ियां साथ मिलकर खाना बनाती हैं, बहस करती हैं।

मां बनने के बाद अभिनेत्रियों को क्यों नहीं मिलता काम, रुबीना दिलैक ने बताई इंडस्ट्री की कड़वी सच्चाई

मुंबई। दुनिया का शायद ही कोई ऐसा क्षेत्र हो जहां महिलाएं पुरुष के साथ कदम से कदम मिलाकर न चल रही हों, मगर अभिनेत्री रुबीना दिलैक का मानना है कि महिलाओं के साथ भेदभाव बरकरार है। अभिनेत्री ने मां बनने के बाद अभिनेत्रियों को काम न मिलने की वजह पर खुलकर बात की। उन्होंने कहा कि एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री में पुरानी सोच अभी भी बनी हुई है, जिसकी वजह से नई माओं को प्रोजेक्ट्स से बाहर रखा जाता है। रुबीना दिलैक ने आईएएनएस के साथ बातचीत में बताया कि मेकर्स को लगता है कि जिस अभिनेत्री ने हाल ही में बच्चे को जन्म दिया है, उसमें अब पहले जितना स्टैमिना, जुनून और मेहनत करने की क्षमता नहीं रही। वे सोचते हैं कि ऐसा होने से प्रोजेक्ट को नुकसान हो सकता है।

रुबीना ने कहा, 'स्टडीज बताती हैं कि 62 प्रतिशत महिलाएं प्रेग्नेंसी के बाद काम पर वापस नहीं लौट पातीं क्योंकि समाज उन्हें स्वीकार नहीं करता। इंडस्ट्री भी उन्हें कमजोर समझती है।

मेकर्स की सोच होती है कि अब उनके अंदर स्टैमिना नहीं बचा, आगे बढ़ने की चाहत नहीं रही, इसलिए वे खुद को साबित नहीं कर पाएंगी। ऐसे में उन्हें प्रोजेक्ट में रखना नुकसानदायक होगा। 'भिनेत्री ने बताया कि समाज महिलाओं पर लगातार दबाव बनाए रखता है। उन्हें कभी भी पूरी आजादी नहीं मिलती कि वे अपनी मर्जी से जीवन जी सकें। हर समय उन्हें जज किया जाता है।

'पत्नी को जन्मदिन की शुभकामनाएं', बैकग्राउंड में मराठी गीत के साथ डॉ. नेने ने शेयर किया माधुरी के लिए वीडियो

मुंबई। डॉ. श्रीराम नेने ने अपनी पत्नी माधुरी दीक्षित के जन्मदिन को खास बना दिया। उन्होंने एक भावुक वीडियो साझा किया, जिसमें दोनों के कई सालों के खूबसूरत और यादगार पल शामिल हैं।

'धक-धक गर्ल' माधुरी दीक्षित ने अपना 59वां जन्मदिन मनाया। इस खास मौके पर डॉ. श्रीराम नेने ने सोशल मीडिया पर एक सुंदर वीडियो साझा किया, जिसमें उनकी यात्राओं, परिवार के साथ बिताए गए पलों, रोमांटिक तस्वीरों और दुनिया भर में मनाए गए खास समारोहों की यादगार झलकियां शामिल थीं।

वीडियो साझा करते हुए डॉ. नेने ने लिखा, 'मेरी प्यारी पत्नी को जन्मदिन की ढेरों शुभकामनाएं। एक और शानदार साल के लिए बधाई। हमेशा हमारे साथ रहने और अपना प्यार व स्नेह देने के लिए आपका धन्यवाद।'

जन्मदिन की इस खास शुभकामना को और भावुक बनाने के लिए डॉ. नेने ने वीडियो के बैकग्राउंड में लोकप्रिय मराठी गीत 'चांद तू नभातला' का इस्तेमाल किया।

वीडियो में उनके जीवन के कई खूबसूरत पल दिखाए गए हैं। इसकी शुरुआत साड़ी पहने माधुरी दीक्षित की एक सुंदर तस्वीर से होती है। इसके बाद एक दृश्य में दोनों पति-पत्नी एक-दूसरे को प्यार भरी नजरों से देखते हुए दिखाई देते हैं।

वीडियो में उनकी यात्राओं की खूबसूरत झलकियां भी दिखाई गई हैं। समुद्र किनारे डूबते सूरज के सुंदर नजारों से लेकर स्पेशल मील और जापान में माउंट फूजी के सामने ली गई मजेदार तस्वीरों तक, इसमें कई यादगार पल शामिल हैं। एक दृश्य में माधुरी दीक्षित और डॉ. श्रीराम नेने नाव की सैर का आनंद लेते हुए भी नजर आते हैं।

माधुरी दीक्षित और डॉ. श्रीराम नेने के बारे में बताया जाता है कि दोनों की पहली मुलाकात माधुरी के भाई के जरिए हुई थी, जिन्होंने उनका परिचय कराया था। बताया जाता है कि डॉ. नेने का पालन-पोषण अमेरिका में हुआ था, इसलिए उन्हें भारतीय सिनेमा में माधुरी की लोकप्रियता के बारे में ज्यादा जानकारी नहीं थी। अपने कई पुराने साक्षात्कारों में माधुरी ने बताया है कि जब वे मिले थे, तब डॉ. नेने को सिर्फ इतना पता था कि वह एक अभिनेत्री हैं। उन्हें बॉलीवुड में उनकी लोकप्रियता और स्टारडम के बारे में विशेष जानकारी नहीं थी।

इस जोड़े ने अक्टूबर 1999 में एक निजी समारोह में शादी की थी। यह दंपति अपने दो बेटों, एरिन नेने और रयान नेने, के माता-पिता हैं।

माधुरी दीक्षित ने 16 साल की उम्र में फिल्म 'अबोध' से बॉलीवुड में कदम रखा। इसके बाद उन्होंने 'तेजाब', 'दिल', 'बेटा', 'हम आपके हैं कौन..!', 'दिल तो पागल है' और 'देवदास' जैसी फिल्मों में यादगार भूमिकाएं निभाईं।

अक्षय कुमार की फिल्म 'वेलकम टू द जंगल' का टीजर रिलीज, 'तू मरता क्यों नहीं' डायलॉग के साथ शुरू हुई जबरदस्त नोक-झोंक

मुंबई। अभिनेता अक्षय कुमार स्टारर फिल्म 'वेलकम टू द जंगल' का शुक्रवार को टीजर रिलीज कर दिया गया है। यह 'वेलकम' फिल्म फ्रेंचाइजी का तीसरा पार्ट है, जिसमें पुराने कई सारे सितारे नजर दर्शकों का मनोरंजन करते दिखेंगे।

1 मिनट 30 सेकंड का टीजर देखने में काफी जबरदस्त है। इसकी शुरुआत टाइटल सॉन्ग से होती है, जिसमें फिल्म में शामिल लोगों के नाम दिखाए गए हैं। टीजर देखकर लग रहा है कि दर्शकों को इस बार कॉमेडी का डबल डोज देखने को मिलेगा। एक्शन-कॉमेडी भी भरपूर है। टीजर में अक्षय कुमार एक बार फिर अपने मस्तमौला अंदाज में नजर आ रहे हैं।

वहीं, सुनील शेट्टी की एंट्री ने फैंस का उत्साह और बढ़ा दिया है। दोनों की कॉमिक टाइमिंग टीजर की सबसे बड़ी खासियत बनकर सामने आई है। एक मजेदार सीन में सुनील शेट्टी, अक्षय कुमार पर पन गन तानकर कहते हैं, 'तू मरता क्यों नहीं?' इस पर अक्षय जवाब देते हैं, 'मैं मरने में जान डाल रहा हूं।' फिर सुनील कहते हैं, 'अरे, मरने में कोई जान डालता है क्या?'

टीजर देखकर प्रतीत होता है कि 'वेलकम टू द जंगल' पूरी तरह हंसी, कन्फ्यूजन और मस्ती से भरपूर होगी। इसमें अफरा-तफरी और नॉन-स्टॉप एंटरटेनमेंट के साथ यह फिल्म दर्शकों को फुल-फैमिली एंटरटेनमेंट देगी।

अक्षय कुमार और सुनील शेट्टी की नोक झोंक एक बार फिर उसी कॉमिक अंदाज में लौटती नजर आ रही है, जिसे दर्शक सबसे ज्यादा पसंद करते हैं।

इसमें अभिनेत्री रवीना टंडन भी नजर आएंगी। हालांकि, रवीना की हल्की-सी झलक ही देखने को मिली है।

इस फिल्म के जरिए अभिनेता अक्षय कुमार और रवीना टंडन दो दशक से भी ज्यादा समय के बाद साथ में ऑन-स्क्रीन वापसी करेंगे।

अहमद खान के निर्देशन में बन रही इस मूवी में अक्षय कुमार के साथ सुनील शेट्टी, दिशा पाटनी, जैकलीन फर्नांडीज, अरशद वारसी, जैकी श्रॉफ, परेश रावल, रवीना टंडन, लारा दत्ता, फरीदा जलाल, जॉनी लीवर, श्रेयस तलपड़े, तुषार कपूर, राजपाल यादव, कृष्णा अभिषेक और कीकू शारदा सहित कई कलाकारों की टुकड़ी देखने को मिलेगी। साजिद नाडियाडवाला और स्टार स्टूडियोज द्वारा निर्मित फिल्म 26 जून को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

आलिया भट्ट के बचाव में उतरे सोनू सूद, बोले- 'कलाकार की मेहनत को कैमरों की चमक से न आंकें'

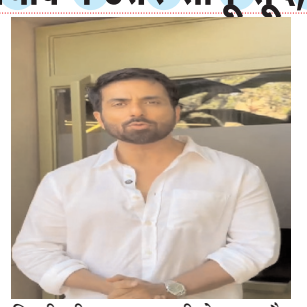

मुंबई। अभिनेत्री आलिया भट्ट इन दिनो कांस फिल्म फेस्टिवल में कथित तौर पर फोटोग्राफर के द्वारा नरअंदाज किए जाने पर सोशल मीडिया पर ट्रोलिंग का सामना कर रही है। इसी, बीच शुक्रवार को अभिनेता सोनू सूद आलिया के सपोर्ट पर सामने आए।

अभिनेता ने इंस्टाग्राम स्टोरीज पर आलिया के लिए नोट शेयर किया। इसके जरिए उन्होंने कहा कि किसी भी कलाकार की मेहनत और वैश्विक उपलब्धि को सिर्फ कैमरों की चमक से नहीं आंका जा सकता है। अभिनेता ने ट्रोलर्स को फटकार लगाते हुए नोट पर लिखा, 'जब हमारा ही कोई अपना व्यक्ति अंतर्राष्ट्रीय मंच पर कदम रखता है, तो यह हमारे लिए गर्व का पल होना चाहिए, न कि कमियां ढूंढने का बहाना। हर उपलब्धि को सार्थक होने के लिए कैमरों, सुर्खियों या अजनबियों से मान्यता मिलने की जरूरत नहीं होती। उन्होंने आलिया के अंतरराष्ट्रीय दौरे का सम्मान करते हुए लिखा, 'अंतरराष्ट्रीय स्टेज पर खड़े होना, अपनी कला का प्रतिनिधित्व करना और अपनी यात्रा को गरिमा के साथ आगे बढ़ाने का साहस ही अपने आप में बहुत बड़ी उपलब्धि है। सोनू ने आगे लिखा, 'आज की दुनिया को ट्रोलिंग की लत लग चुकी है, लेकिन हमें प्रोत्साहन को चुनना चाहिए। याद रखें जो लोग अपने सपने बुनने में व्यस्त होते हैं, उनके पास दूसरों को नीचे खींचने के लिए वक्त नहीं होता।' उन्होंने आखिरी में लिखा, 'हमें तुम पर गर्व है, मेरे दोस्त। सही लोगों ने तुम्हारी चमक को पहचान लिया। हालांकि, अपनी इस पोस्ट में सोनू ने साफ तौर पर आलिया का नाम नहीं लिखा लेकिन उनका इशारा साफ तौर पर आलिया के लिए ही था क्योंकि अभी आलिया को सोशल मीडिया पर कांस दौरे पर जमकर ट्रोल किया जा रहा है।

ब्रिक्स बैठक में बोले जयशंकर, 'सहयोग जरूरी, संवाद अनिवार्य और सुधार अब टाले नहीं जा सकते'

नई दिल्ली। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने शुक्रवार को कहा कि आज की दुनिया पहले से अधिक परस्पर जुड़ी, जटिल और बहुध्रुवीय हो चुकी है; ऐसे में विश्व व्यवस्था को अधिक विश्वसनीय और सुधारित बहुपक्षवाद की आवश्यकता है। ब्रिक्स विदेश मंत्रियों की बैठक में 'वैश्विक शासन और बहुपक्षीय प्रणाली में सुधार' विषय पर आयोजित सत्र की अध्यक्षता करते हुए जयशंकर ने कहा कि संयुक्त राष्ट्र की प्रभावशीलता और विश्वसनीयता तब तक सीमित रहेगी, जब तक सुरक्षा परिषद में स्थायी और अस्थायी दोनों श्रेणियों का विस्तार नहीं किया जाता।

उन्होंने अंतरराष्ट्रीय वित्तीय ढांचे में सुधार की आवश्यकता पर भी जोर दिया और कहा कि बहुपक्षीय विकास बैंकों (एमडीबी) को अधिक मजबूत, जवाबदेह और सक्षम बनाया जाना चाहिए। साथ ही विकास और जलवायु वित्त तक पहुंच को आसान बनाने की जरूरत है।

जयशंकर ने कहा कि विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यूटीओ) को केंद्र में रखते हुए नियम-आधारित, निष्पक्ष, खुली और समावेशी अंतरराष्ट्रीय व्यापार प्रणाली बेहद जरूरी है। उन्होंने गैर-बाजार प्रथाओं, आपूर्ति श्रृंखलाओं के केंद्रीकरण और बाजार पहुंच में अनिश्चितता जैसी चुनौतियों का भी उल्लेख किया। विदेश मंत्री ने कहा, 'आज के दौर का संदेश बिल्कुल स्पष्ट है- सहयोग आवश्यक है, संवाद जरूरी है और सुधार अब टाले नहीं जा सकते।' दो दिवसीय ब्रिक्स विदेश मंत्रियों की बैठक शुक्रवार को संपन्न हो रही है।

भारत की ब्रिक्स अध्यक्षता के तहत यह पहली बड़ी मंत्रीस्तरीय बैठक है, जिसे इस वर्ष होने वाले ब्रिक्स नेताओं के शिखर सम्मेलन के एजेंडे को तय करने की दिशा में अहम माना जा रहा है। इससे पहले गुरुवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा था कि भारत की अध्यक्षता में ब्रिक्स बहुपक्षवाद को मजबूत करने, सतत विकास को बढ़ावा देने, आर्थिक मजबूती बढ़ाने और अधिक समावेशी वैश्विक व्यवस्था बनाने की दिशा में मिलकर काम करेगा। प्रधानमंत्री मोदी ने यह टिप्पणी तब की, जब ब्रिक्स देशों के विदेश मंत्री और प्रतिनिधिमंडलों के प्रमुखों ने नई दिल्ली में उनसे मुलाकात की। प्रधानमंत्री मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, 'ब्रिक्स देशों के विदेश मंत्रियों और प्रतिनिधिमंडलों के प्रमुखों के साथ बातचीत कर खुशी हुई। ब्रिक्स उभरती अर्थव्यवस्थाओं के बीच सहयोग बढ़ाने और ग्लोबल साउथ की आकांक्षाओं को आवाज देने का एक महत्वपूर्ण मंच बनकर उभरा है।' उन्होंने आगे कहा, 'भारत की अध्यक्षता में हम बहुपक्षवाद को मजबूत करने, सतत विकास को बढ़ावा देने, आर्थिक लचीलापन बढ़ाने और अधिक समावेशी विश्व व्यवस्था बनाने के लिए साथ मिलकर काम करेंगे।'

यूएई ने भारतीय जहाज पर हुए हमले की निंदा की

नई दिल्ली। संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) ने शुक्रवार को ओमान के तट पर भारतीय झंडे वाले जहाज को निशाना बनाकर किए गए हमले की कड़ी निंदा की है। भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आज से पांच देशों के दौरे पर जा रहे हैं, जिसमें यूएई भी शामिल है। पीएम मोदी के यूएई दौरे से पहले संयुक्त अरब अमीरात ने हमले को लेकर बयान जारी किया है।

यूएई के विदेश मंत्रालय ने अपने आधिकारिक सोशल मीडिया हैंडल पर हमले की कड़ी निंदा करते हुए एक बयान जारी किया और कहा कि ओमान के समुद्री क्षेत्र के पास भारतीय झंडे वाले जहाज पर हमला अंतरराष्ट्रीय नेविगेशन की सुरक्षा के लिए एक बड़ा खतरा है।

मंत्रालय ने इस घटना को एक खतरनाक बढ़ोतरी बताया, जिसका मकसद सीधे तौर पर जरूरी पानी के रास्तों की स्थिरता को कमजोर करना था। बयान में यूएई ने भारत के साथ अपनी पूरी एकजुटता दिखाई और भारतीय जहाजों और समुद्री हितों की सुरक्षा के लिए उठाए गए सभी कदमों के लिए सुनिश्चित समर्थन जताया।

यूएई ने कहा कि यह हमला यूएन सुरक्षा परिषद के प्रस्ताव 2817 का खुला उल्लंघन है, जो नेविगेशन की आजादी का समर्थन करता है और कमर्शियल जहाजों को निशाना बनाने या अंतरराष्ट्रीय समुद्री रास्तों में किसी भी तरह की रुकावट डालने को साफ तौर पर मना करता है। किसी खास नाम का जिक्र किए बिना विदेश मंत्रालय ने कहा कि होर्मुज स्ट्रेट का इस्तेमाल आर्थिक दबाव या ब्लैकमेल के तरीके के तौर पर करना अनधिकृत उपयोग है और यह इलाके की स्थिरता, उसके लोगों और वैश्विक ऊर्जा सुरक्षा के लिए सीधा खतरा है। भारतीय विदेश मंत्रालय (एमईए) ने अभी तक जहाज या किसी भी हताहत की पहचान को लेकर कोई खुलासा नहीं किया है।

संक्षिप्त खबर

अमेरिकी सेना का दावा-'ईरान की सैन्य ताकत 90 प्रतिशत तक कमजोर'

वाशिंगटन। अमेरिका सेना ने सीनेट में एक सुनवाई के दौरान ईरान के खिलाफ सैन्य अभियान का बचाव किया है। ट्रंप प्रशासन ईरान पर हमलों को लेकर अमेरिकी सीनेट में सुनवाई का सामना करना पड़ रहा है। कई सांसदों ने बढ़ते आर्थिक और क्षेत्रीय जोखिमों को लेकर चिंता जताई है। इसी बीच, अमेरिकी सैन्य अधिकारियों ने दावा किया कि तेहरान की सैन्य क्षमताओं को गंभीर रूप से कमजोर कर दिया गया है। सीनेट सशस्त्र सेवा समिति के सामने पेश होते हुए एडमिरल चार्ल्स कूपर-द्वितीय ने 'ऑपरेशन एपिक फ्यूरी' का बचाव करते हुए कहा कि अमेरिकी सेना ने मध्य पूर्व में सैन्य शक्ति दिखाने की ईरान की क्षमता को सफलतापूर्वक कमजोर कर दिया है। एडमिरल चार्ल्स कूपर-द्वितीय ने सांसदों से कहा, '40 दिनों से भी कम समय में सेंटकॉम बलों ने हमारे सैन्य उद्देश्यों को हासिल कर लिया। हमने ईरान की अपनी सीमाओं के बाहर शक्ति दिखाने और क्षेत्र व हमारे हितों को खतरे में डालने की क्षमता को कम कर दिया है।' कूपर ने कहा कि ईरान की मिसाइल, ड्रोन और नौसैनिक औद्योगिक संरचना लगभग 90 प्रतिशत तक नष्ट हो चुकी है। उन्होंने आगे कहा कि तेहरान की नौसेना शायद एक पीढ़ी तक अपनी पुरानी ताकत हासिल नहीं कर पाएगी। कूपर ने अपनी गवाही के दौरान कहा, 'ईरानी शासन ने क्षेत्र में आतंक फैलाया है और संयुक्त राज्य अमेरिका के प्रति शत्रुता को अपने शासन का एक मुख्य सिद्धांत बना लिया है।' इसी बीच, रिपब्लिकन सांसदों ने प्रशासन के सैन्य अभियान का जोरदार समर्थन किया। सीनेटर रोजर विकर ने कहा कि ईरान दशकों से आतंकवाद का समर्थन करता रहा है, अमेरिकी हितों पर हमला करता रहा है और परमाणु व बैलिस्टिक मिसाइल क्षमताओं का विकास करता रहा है।

सीनेटर टॉम कॉटन ने तर्क दिया कि ईरान अब ऑपरेशन शुरू होने से पहले की तुलना में काफी कम खतरा है। इस पर एडमिरल कूपर सहमत हुए और कहा कि तेहरान अब उस तरह के बड़े पैमाने पर मिसाइल और ड्रोन हमले नहीं कर सकता, जैसे हाल के वर्षों में देखे गए थे। हालांकि, डेमोक्रेट सांसदों ने ट्रंप प्रशासन की रणनीति और इस संघर्ष के दीर्घकालिक परिणामों पर लगातार सवाल उठाए। सीनेटर जैक रीड ने कहा कि ईरानी परमाणु मुद्दे का कोई विशुद्ध रूप से सैन्य समाधान नहीं है। उन्होंने ट्रंप प्रशासन की जीत के लिए विश्वसनीय रणनीति न होने की आलोचना की। सीनेटर टिम केन ने प्रशासन पर कूटनीति छोड़ने का आरोप लगाया। साथ ही, उन्होंने मध्य पूर्व में एक और लंबे संघर्ष के खिलाफ चेतावनी दी। केन ने कहा, 'अगर आप कूटनीति को असंभव बना देते हैं, तो आप युद्ध को अनिवार्य बना देंगे।'

सुनवाई के दौरान कई सांसदों ने होर्मुज स्ट्रेट के बंद होने और उसके वैश्विक व्यापार व तेल कीमतों पर असर का मुद्दा उठाया। सांसदों ने चेतावनी दी कि इस रणनीतिक जलमार्ग में व्यवधान पहले ही अमेरिकी उपभोक्ताओं के लिए लागत बढ़ा रहा है। कूपर ने स्वीकार किया कि ईरान के पास अब भी शिपिंग और बुनियादी ढांचे को खतरा पहुंचाने की क्षमता मौजूद है, हालांकि उन्होंने जोर देकर कहा कि उन क्षमताओं को काफी हद तक कम कर दिया गया है।

4.3 करोड़ अमेरिकी छात्र ऋण के बोझ तले दबे हुए हैं : अमेरिकी शिक्षा सचिव

वॉशिंगटन। डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन ने कॉलेज शिक्षा की बढ़ती लागत पर लगाम कसने के अपने प्रयास तेज कर दिए हैं। इसी बीच, शिक्षा सचिव लिंडा मैकमोहन ने कांग्रेस को बताया कि 4.3 करोड़ अमेरिकी वर्तमान में कुल 1.7 ट्रिलियन डॉलर के भारी छात्र ऋण का बोझ उठा रहे हैं।

लिंडा ने प्रतिनिधि सभा की शिक्षा और कार्यबल समिति के समक्ष पेश होकर व्यापक छात्र ऋण सुधारों का बचाव किया और कहा कि असीमित संघीय ऋण व्यवस्था ने पूरे देश में कॉलेज की फीस में भारी वृद्धि को बढ़ावा दिया है। उन्होंने कहा, 'हम पर 1.7 ट्रिलियन डॉलर का कर्ज है और 4.3 करोड़ छात्र इससे प्रभावित हैं। कॉलेज की लागत कम करने के लिए हमें वास्तव में कुछ करना होगा।' यह सुनवाई जल्द ही प्रशासन की उच्च शिक्षा सुधार योजना पर तीखी बहस में बदल गई। खासकर नर्सिंग, शिक्षण और सामाजिक कार्य जैसे कार्यक्रमों के लिए स्नातकोत्तर छात्रों के ऋण पर नई सीमाओं को लेकर। डेमोक्रेटिक नेताओं ने चेतावनी दी कि ये बदलाव कार्यबल की कमी को और बढ़ा सकते हैं और छात्रों को महंगे निजी ऋण लेने पर मजबूर कर सकते हैं। कनेक्टिकट से प्रतिनिधि जो कर्टनी ने प्रशासन पर आरोप लगाया कि वह ऐसे समय में उन्नत नर्सिंग शिक्षा को और महंगा बना रहा है, जब देश गंभीर स्वास्थ्यकर्मी कमी का सामना कर रहा है। उन्होंने कहा कि कुछ स्नातकोत्तर नर्सिंग कार्यक्रम पहले ही नई संघीय ऋण सीमा से अधिक महंगे हैं।

मैकमोहन ने आलोचनाओं को खारिज करते हुए कहा कि इन सुधारों का उद्देश्य विश्वविद्यालयों पर फीस कम करने का दबाव बनाना है उन्होंने कहा, 'हमारा लक्ष्य उच्च शिक्षा की लागत को कम करना है,' और बताया कि नए नियमों की घोषणा के बाद कुछ विश्वविद्यालयों ने स्नातकोत्तर कार्यक्रमों की फीस घटानी शुरू कर दी है।

मैकमोहन ने तर्क दिया कि संघीय ऋण नीतियों ने वर्षों तक कॉलेजों को बिना किसी नियंत्रण के फीस बढ़ाने की अनुमति दी। उन्होंने सांसदों से कहा, 'विश्वविद्यालयों को मनमानी फीस वसूलने की छूट मिली हुई थी।' शिक्षा सचिव ने संघीय छात्र सहायता प्रणाली में किए गए सुधारों को भी बढ़ावा दिया। उन्होंने कहा कि नया एफएएफएसए आवेदन पहले से कहीं जल्दी शुरू किया गया है और अब इसे पूरा करने में कई दिनों के बजाय लगभग 35 मिनट लगते हैं।

बांग्लादेश में घरेलू हिंसा गंभीर संकट

ढाका। बांग्लादेश में महिलाओं के खिलाफ 'इंटीमेट पार्टनर' हिंसा गंभीर सामाजिक संकट बनी हुई है। वैश्विक और राष्ट्रीय आंकड़ों के विश्लेषण में यह सामने आया है कि घरेलू हिंसा के मामलों में बांग्लादेश दुनिया के सबसे अधिक प्रभावित देशों में शामिल है।

स्थानीय मीडिया रिपोर्ट्स में यह जानकारी दी गई। अंतरराष्ट्रीय परिवार दिवस के अवसर पर जारी रिपोर्टों में कहा गया कि अंतरंग संबंधों में होने वाली हिंसा महिलाओं के मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य पर गहरा असर डाल रही है, साथ ही परिवार व्यवस्था को भी कमजोर कर रही है। बांग्लादेश में घरेलू हिंसा लंबे समय से चिंता का विषय रही है, लेकिन इसके बावजूद देश आज भी इस समस्या से सबसे ज्यादा प्रभावित देशों में गिना जाता है। बांग्लादेश के प्रमुख अखबार 'द डेली स्टार' की रिपोर्ट के अनुसार, विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के आंकड़ों में बांग्लादेश महिलाओं के खिलाफ शारीरिक और यौन हिंसा के मामलों में दुनिया में 11वें स्थान पर है। दक्षिण एशिया में केवल अफगानिस्तान की स्थिति इससे खराब बताई गई है। डब्ल्यूएचओ के 2025 के आंकड़ों के मुताबिक, बांग्लादेश में लगभग हर दो में से एक महिला अपने अंतरंग साथी द्वारा हिंसा का शिकार हुई है। वहीं, 'द डेली स्टार' द्वारा समीक्षा किए गए बांग्लादेश ब्यूरो ऑफ स्टैटिस्टिक्स (बीबीएस) के सर्वेक्षण में भी स्थिति की गंभीरता सामने आई है। सर्वे के अनुसार, 46.7 प्रतिशत महिलाओं ने अपने साथी द्वारा शारीरिक हिंसा झेलने की बात कही, जबकि 28.5 प्रतिशत महिलाओं ने यौन हिंसा का अनुभव बताया। इसके अलावा, 32.7 प्रतिशत महिलाओं ने भावनात्मक उत्पीड़न, 9.7 प्रतिशत ने आर्थिक हिंसा और 50.1 प्रतिशत ने साथी द्वारा नियंत्रित व्यवहार का सामना करने की जानकारी दी।

ब्रिटेन की राजनीति में हलचल: सांसद के इस्तीफे से एंडी बर्नहैम की वापसी का रास्ता साफ, कीर स्टार्मर पर बढ़ा दबाव

लंदन। ग्रेटर मैनचेस्टर के मेयर एंडी बर्नहैम के लिए ब्रिटिश लेबर पार्टी के सांसद जोश सिमंस ने अपनी सीट खाली कर दी है। जोश सिमंस के इस्तीफे के बाद उनके निर्वाचन क्षेत्र पर उपचुनाव तय है, जहां से एंडी बर्नहैम चुनाव लड़ सकेंगे।

शिन्हुआ समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, एंडी बर्नहैम को ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर के खिलाफ लेबर पार्टी में संभावित प्रतिद्वंद्वी के रूप में देखा जा रहा है।

जोश सिमंस ने सोशल मीडिया पर शेयर किए अपने इस्तीफे में कहा कि सरकार उनके निर्वाचन क्षेत्र के लिए जरूरी बदलाव लाने में नाकाम रही है, इसलिए उन्होंने ऐसे नेता के लिए जगह छोड़ने का फैसला किया है, जिसके पास मौजूदा परिस्थितियों का सामना करने के लिए कट्टर सोच, ऊर्जा और जबरदस्त साहस हो।

बाद में एंडी बर्नहैम ने सोशल मीडिया पर इस बात की पुष्टि की कि वह मेकरफील्ड उपचुनाव में खड़े होने के लिए लेबर पार्टी की राष्ट्रीय कार्यकारी समिति (एनईसी) से अनुमति का अनुरोध करेंगे।

हाउस ऑफ कॉमन्स (ब्रिटिश संसद का निचला सदन) में 16 साल तक सांसद रहे बर्नहैम 2017 से ग्रेटर मैनचेस्टर के मेयर हैं। वेस्टमिंस्टर लौटने की उनकी पिछली कोशिश को इस साल की शुरुआत में एनईसी ने रोक दिया था।

ब्रिटिश मीडिया के अनुसार, बर्नहैम को लेबर पार्टी के भीतर इतना समर्थन जुटाने में सक्षम माना जाता है कि वह स्टार्मर के नेतृत्व को चुनौती दे सकें। हालांकि, पार्टी के नेतृत्व के लिए चुनाव लड़ने की पात्रता के लिए सांसद बनना एक जरूरी शर्त है।

इसी बीच, पिछले हफ्ते हुए स्थानीय चुनावों में लेबर पार्टी की बुरी हार के बाद स्टार्मर पर इस्तीफा देने का दबाव बढ़ता जा रहा है। ब्रिटिश मीडिया ने बताया कि 90 से अधिक लेबर सांसदों ने प्रधानमंत्री से पद छोड़ने की अपील की है, जबकि कई कैबिनेट मंत्रियों ने उनके पक्ष में एकजुटता दिखाई है।

वहीं, ब्रिटिश स्वास्थ्य मंत्री वेस स्ट्रीटिंग ने गुरुवार दोपहर को एक पत्र लिखकर इस्तीफा दे दिया, जिसमें उन्होंने कहा कि उन्हें स्टार्मर के नेतृत्व पर भरोसा नहीं रहा और अब वह सरकार में सम्मानपूर्वक और सिद्धांतों के आधार पर नहीं रह सकते।

पेशावर में स्मार्ट लॉकडाउन के खिलाफ सड़कों पर उतरे व्यापारी, महंगाई को लेकर गुस्सा

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के पेशावर में व्यापारियों ने सरकार द्वारा लगाए गए स्मार्ट लॉकडाउन के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया। स्थानीय मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, खैबर-पख्तूनख्वा ट्रेडर्स ऑर्गनाइजेशन के नेतृत्व में निकाली गई रैली में बड़ी संख्या में दुकानदारों और कारोबारियों ने हिस्सा लिया।

प्रदर्शनकारियों ने सरकार के खिलाफ नारेबाजी करते हुए स्मार्ट लॉकडाउन को तत्काल वापस लेने, पेट्रोलियम उत्पादों की कीमतों में कमी करने और महंगाई पर नियंत्रण के लिए ठोस कदम उठाने की मांग की। पाकिस्तान के अखबार 'द एक्सप्रेस ट्रिब्यून' की रिपोर्ट के मुताबिक, प्रदर्शन के दौरान व्यापारिक संगठन के नेताओं ने सरकार की नीतियों की कड़ी आलोचना की।

एक वक्ता ने कहा, 'लॉकडाउन से न सरकार को फायदा हुआ है और न ही व्यापारियों को। दुकानों को रात 8 बजे तक बंद करने के लिए मजबूर किया जा रहा है, जबकि भीषण गर्मी में लोग शाम के बाद ही खरीदारी के लिए निकलते हैं। यह फैसला न ऊर्जा संकट का समाधान कर पाया और न ही पेट्रोलियम उत्पादों पर जनता को राहत मिली।'

प्रदर्शनकारियों ने कहा कि पेट्रोल की लगातार बढ़ती कीमतों ने आम लोगों की पहुंच से जरूरी सामान भी दूर कर दिए हैं। उन्होंने कहा, 'ईंधन की कीमतें इतनी बढ़ गई हैं कि आम नागरिक अब बुनियादी जरूरतें भी पूरी नहीं कर पा रहा। सरकार को लॉकडाउन का फैसला तुरंत वापस लेना चाहिए और महंगाई रोकने के लिए प्रभावी कदम उठाने चाहिए।'

व्यापारिक समुदाय ने चेतावनी दी कि यदि सरकार उनकी मांगें नहीं मानती तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा। उन्होंने कहा कि सरकार की 'गलत और अर्थव्यवस्था को नुकसान पहुंचाने वाली नीति' के खिलाफ उनका संघर्ष जारी रहेगा।

इराक में नई सरकार का गठन : अहम पदों पर सहमति न बनने से अधूरी रही अल-जैदी की कैबिनेट

बगदाद। इराक में नए प्रधानमंत्री अली अल-जैदी ने अपने अधूरे मंत्रिमंडल के साथ पद और गोपनीयता की शपथ ली। देश के लॉमेकर्स अभी गृह और रक्षा मंत्रालय जैसे कई महत्वपूर्ण पदों पर सहमति नहीं बना सके हैं, इसलिए इन मंत्रालयों पर फैसला फिलहाल टाल दिया गया है।

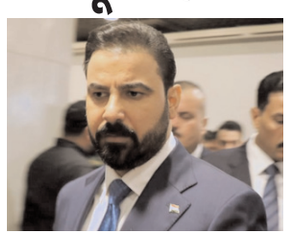

समाचार एजेंसी सिन्हुआ के मुताबिक, संसद ने अली अल-जैदी की कैबिनेट के 14 सदस्यों को मंजूरी दे दी, जबकि बाकी मंत्रालयों पर वोटिंग राजनीतिक बातचीत जारी रहने के कारण बाद में करने का फैसला लिया गया।

संसदीय बयान के मुताबिक, स्पीकर हैबत अल-हलबूसी की अध्यक्षता में हुए एक सत्र के दौरान, 266 सांसदों ने 14 मंत्रियों के पक्ष में वोट दिया। जिन लोगों को मंजूरी मिली, उनमें फुआद हुसैन शामिल है। हुसैन ने विदेश मंत्री के तौर पर अपना पद बरकरार रखा। इसके अलावा, मोहम्मद खुदेर तेल मंत्री बने और फलेह अल-सारी को वित्त मंत्री बनाया गया। इराक के संविधान के मुताबिक, किसी भी प्रधानमंत्री को आधिकारिक रूप से पद संभालने से पहले संसद से अपने मंत्रिमंडल और सरकारी कार्यक्रम की मंजूरी लेनी होती है।

27 अप्रैल को इराक के राष्ट्रपति निज़ार अमेदी ने अल-जैदी को प्रधानमंत्री पद के लिए नामित किया था। अली अल-जैदी को 'कोऑर्डिनेशन फ्रेमवर्क' का समर्थन प्राप्त है, जो संसद का सबसे बड़ा गठबंधन माना जाता है और इसमें शिया दल शामिल हैं।

संविधान के मुताबिक, प्रधानमंत्री-पद के लिए नामित व्यक्ति को कैबिनेट और सरकारी कार्यक्रम संसद के सामने पेश करने के लिए 30 दिन का समय मिलता है, ताकि उस पर विश्वास मत हासिल किया जा सके।

'बाल्टिक रणनीति को नया आकार दे रहे हैं चीन और रूस के संबंध', अमेरिकी सीनेटरों ने दी चेतावनी

वाशिंगटन। अमेरिका के वरिष्ठ सीनेटरों और राज्य विभाग के अधिकारियों ने चेतावनी दी है कि रूस की युद्ध मशीन के लिए चीन का बढ़ता समर्थन बाल्टिक देशों के बीजिंग को देखने के नजरिए को तेजी से बदल रहा है। लिथुआनिया, लातविया और एस्टोनिया अब चीन के साथ आर्थिक संबंधों को यूक्रेन युद्ध से सीधे जुड़े राष्ट्रीय सुरक्षा के मुद्दे के रूप में देख रहे हैं।

बाल्टिक सुरक्षा पर हाउस फॉरेन अफेयर्स सब-कमेटी की सुनवाई के दौरान यह मुद्दा बार-बार उठा। लॉमेकर्स ने नाटो के तीन फ्रंटलाइन देशों को रूस के खतरे और यूरोप में चीन के बढ़ते प्रभाव के खिलाफ अमेरिका के सबसे मजबूत सहयोगियों में से एक बताया। बता दें कि प्रथम विश्व युद्ध के बाद रूस से स्वतंत्रता हासिल करने वाले देशों को बाल्टिक देश कहा जाता है। बाल्टिक सागर के पूर्वी तट पर स्थित एस्टोनिया, लातविया और लिथुआनिया को बाल्टिक देश कहा जाता है। अमेरिकी विदेश विभाग के उप सहायक सचिव क्रिस्टोफर स्मिथ ने कहा कि बाल्टिक सरकारें रूस के रक्षा क्षेत्र को चीन के समर्थन की वजह से बीजिंग के साथ व्यापार और रणनीतिक संबंधों पर फिर से विचार कर रही हैं। स्मिथ ने लॉमेकर्स से कहा, 'चीन, रूस के रक्षा औद्योगिक ढांचे के लिए लगभग 80 फीसदी डुअल यूज सामान उपलब्ध कराता है।' उन्होंने आगे कहा कि बाल्टिक देश इससे सबक लेते हुए चीन के साथ अपने आर्थिक संबंधों को सीमित कर रहे हैं। यह टिप्पणी ऐसे समय में आई है, जब पूरे यूरोप में यह चिंता बढ़ रही है कि यूक्रेन युद्ध चौथे साल में भी जारी है और चीन, रूस के लिए एक महत्वपूर्ण आर्थिक और तकनीकी लाइफलाइन बन गया है।

केंद्रीय मंत्री सिंधिया ने चाय बागान कर्मियों के साथ तोड़ी चाय पत्तियां

नामची। केंद्रीय संचार एवं पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने अपने सिक्किम प्रवास के दूसरे दिन शुक्रवार को नामची स्थित प्रसिद्ध टेमी टी गार्डन का दौरा किया। सिक्किम के एकमात्र चाय बागान में पहुंचे सिंधिया ने वहां कार्यरत चाय पत्ती तोड़ने वाले श्रमिकों और कर्मचारियों से आत्मीय संवाद किया तथा उनकी मेहनत और समर्पण की सराहना की।

दौरे के दौरान सिंधिया ने पारंपरिक बांस की टोकरी पहनकर स्वयं भी चाय की पत्तियां तोड़ीं और श्रमिकों के साथ समय बिताया। उन्होंने चाय पत्ती तोड़ने की प्रक्रिया में श्रमिकों की गति, सटीकता और वर्षों की साधना से विकसित कौशल की प्रशंसा करते हुए कहा कि सिक्किम की चाय को वैश्विक पहचान दिलाने में इन कर्मियों का महत्वपूर्ण योगदान है।

इस दौरान एक आत्मीय क्षण तब देखने को मिला, जब केंद्रीय मंत्री ने श्रमिकों और स्थानीय लोगों से धाराप्रवाह नेपाली भाषा में संवाद किया। सिंधिया के नेपाली में बातचीत करने से पूरे चाय बागान में अपनत्व और उत्साह का वातावरण बन गया तथा स्थानीय लोगों ने गर्मजोशी के साथ उनका स्वागत किया।

सिंधिया ने कहा कि पूर्वोत्तर भारत की संस्कृति, परंपरा और प्राकृतिक संपदा देश की अमूल्य धरोहर है तथा टेमी टी गार्डन उसकी सुंदर पहचान प्रस्तुत करता है। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में पूर्वोत्तर क्षेत्र के पर्यटन, कृषि और स्थानीय उत्पादों को वैश्विक मंच तक पहुंचाने के लिए निरंतर कार्य कर रही है। सिंधिया ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर चाय के बगान का वीडियो पोस्ट करते हुए लिखा कि चाय अपने सबसे मौलिक और असाधारण रूप में!

उन्होंने लिखा कि आज टेमी चाय प्रोसेसिंग यूनिट के दौरे ने अनुशासित, जैविक कृषि की उपलब्धियों को प्रदर्शित किया। ताजी तोड़ी गई पत्तियों से लेकर किण्वन, सुखाने और फाइनल पैकेजिंग तक, टेमी में हर चरण एक ऐसे मानक का प्रमाण है जो वैश्विक सम्मान का पात्र है। टेमी सिक्किम का एकमात्र चाय बागान है, जो हिमालय की ऊंची चोटियों पर स्थित है और कंचनजंगा इसका शाश्वत साक्षी है। यह प्रमाणित जैविक है और दुनिया भर के बेहतरीन चाय घरों में मान्यता प्राप्त है।

यूपी के अमेठी में भीषण सड़क हादसा : तेज रफ्तार ट्रक की टक्कर से 3 युवकों की मौत

अमेठी। उत्तर प्रदेश के अमेठी में एक भीषण सड़क हादसे में शुक्रवार को तीन लोगों की दर्दनाक मौत हो गई। यह हादसा मुंशीगंज थाना क्षेत्र के शिवगंज के पास रायबरेली-सुल्तानपुर मार्ग पर हुआ, जहां तेज रफ्तार ट्रक ने बाइक सवार युवकों को जोरदार टक्कर मार दी।

जानकारी के अनुसार, बाइक पर सवार तीन लोग विपरीत दिशा से आ रहे थे, तभी ट्रक ने उन्हें टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि बाइक सवार दो युवकों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि तीसरा गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल युवक को तुरंत प्राथमिक उपचार के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) ले जाया गया, जहां उसकी हालत गंभीर देखते हुए उसे जिला अस्पताल सुल्तानपुर रेफर कर दिया गया। लेकिन इलाज के दौरान उसने भी दम तोड़ दिया। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। तत्परता दिखाते हुए पुलिस ने फरार ट्रक का पीछा कर उसे पकड़ लिया है। इस मामले में वैधानिक कार्रवाई की जा रही है और हादसे के कारणों की जांच जारी है।

गौरीगंज सीओ अखिलेश वर्मा ने बताया कि मुंशीगंज थाना क्षेत्र अंतर्गत रायबरेली-सुलतानपुर मार्ग पर स्थित शिवगंज ग्राम के पास एक बाइक पर सवार तीन व्यक्ति विपरीत दिशा से आ रहे थे, जिनकी वाहन से टक्कर हो गई। इस दुर्घटना में बाइक सवार दो व्यक्तियों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि एक व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल व्यक्ति को प्राथमिक उपचार के लिए सीएचसी ले जाया गया, जहां से बेहतर इलाज के लिए उसे जिला अस्पताल सुलतानपुर रेफर किया गया। इलाज के दौरान घायल व्यक्ति की भी मृत्यु हो गई। इस दुर्घटना के संबंध में मुंशीगंज थाने में वैधानिक कार्रवाई की जा रही है।

संक्षिप्त खबर

सिद्धिविनायक मंदिर की दानपेटी से चोरी करते हुए रंगे हाथों पकड़ा गया चोर

मुंबई। मुंबई के रिहायशी डोंबिवली एमआईडीसी इलाके में स्थित प्रसिद्ध सिद्धिविनायक मंदिर में शुक्रवार सुबह एक चोर को दानपेटी से पैसे चुराते हुए रंगे हाथ पकड़ लिया गया। पुलिस अधिकारियों ने यह जानकारी दी। यह घटना सुबह करीब 6:34 बजे हुई और मंदिर परिसर में लगे सीसीटीवी कैमरों में पूरी वारदात रिकॉर्ड हो गई।

जानकारी के मुताबिक आरोपी खुद को श्रद्धालु बताकर मंदिर में दर्शन करने के बहाने दाखिल हुआ। कुछ देर मंदिर में रुकने के बाद उसने कथित तौर पर गोंद लगी एक पतली लकड़ी की छड़ी की मदद से दानपेटी में रखे नोट बाहर निकालने शुरू कर दिए।

बाद में मंदिर प्रबंधन ने सीसीटीवी फुटेज देखते समय संदिग्ध हरकत देखी। इसके बाद मंदिर के कोषाध्यक्ष चंद्रशेखर शिंदे और सुबह दर्शन के लिए आए श्रद्धालु ने तुरंत आरोपी को पकड़ लिया, इससे पहले कि वह वहां से भाग पाता।

इसके बाद आरोपी को आगे की जांच और कानूनी कार्रवाई के लिए मानपाडा पुलिस स्टेशन के हवाले कर दिया गया।

सूत्रों के मुताबिक आरोपी दानपेटी से काफी रकम निकाल चुका था, तभी उसे पकड़ा गया। पुलिस अब उससे पूछताछ कर रही है ताकि यह पता लगाया जा सके कि क्या वह पहले भी इलाके में ऐसी चोरी की घटनाओं में शामिल रहा है।

डोंबिवली एमआईडीसी इलाके का सिद्धिविनायक मंदिर स्थानीय लोगों की आस्था का बड़ा केंद्र माना जाता है। यहां हर दिन बड़ी संख्या में श्रद्धालु आते हैं, खासकर सुबह और शाम की आरती के समय।

घटना के बाद स्थानीय लोगों ने आरोपी को पकड़ने में सतर्कता और बहादुरी दिखाने के लिए चंद्रशेखर शिंदे और पांडुरंग उडे की सराहना की।

वहीं, इलाके के लोगों ने बढ़ती चोरी और घरों में सेंधमारी की घटनाओं पर चिंता जताई और पुलिस प्रशासन से इलाके में गश्त बढ़ाने और सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने की मांग की, ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोका जा सके।

गुमशुदगी के मामलों में बोकारो पुलिस की नाकामी पर झारखंड हाईकोर्ट तल्ख

रांची। झारखंड हाईकोर्ट ने बोकारो से साल 2020 से एक 14 वर्षीय लड़की की गुमशुदगी मामले में बोकारो पुलिस की सुस्त कार्यप्रणाली और कड़ी नाराजगी जताई है। जस्टिस सुजीत नारायण प्रसाद और जस्टिस संजय प्रसाद की खंडपीठ ने शुक्रवार को इस मामले में दायर याचिका पर सुनवाई के दौरान मौखिक रूप से बेहद तल्ख टिप्पणी करते हुए सवाल किया कि आखिर क्या वजह है कि जब भी किसी बच्ची या युवती के लापता होने का मामला आता है, बोकारो पुलिस के हाथ खाली रह जाते हैं।

अदालत ने बोकारो पूर्व और वर्तमान एसपी सहित संबंधित डीएसपी की कार्यशैली पर भी सवाल उठाया। अदालत ने कहा कि अधिकारियों का ध्यान ऐसे संवेदनशील मामलों के खुलासे पर नहीं है। कोर्ट ने इस बात पर हैरानी जताई कि पुलिस खुद मान रही है कि यह अपहरण का मामला हो सकता है, तो फिर उस दिशा में ठोस अनुसंधान क्यों नहीं किया गया।

सुनवाई के दौरान अदालत ने मामले की अब तक की जांच को असंतोषजनक पाते हुए सीआईडी को तीन सप्ताह के भीतर अपनी प्रगति रिपोर्ट पेश करने का निर्देश दिया है। खंडपीठ ने कड़े लहजे में चेतावनी दी कि यदि सीआईडी की जांच में भी कोई सुधार नहीं दिखा तो अदालत राज्य की जांच एजेंसियों और सीबीआई को संयुक्त रूप से इस मामले की जांच सौंपने पर विचार कर सकती है। कोर्ट ने कहा कि साल 2020 में प्राथमिकी दर्ज होने के बाद पुलिस ने तीन संदिग्धों का नार्को टेस्ट कराने की बात कही थी, लेकिन उनमें से एक को खराब स्वास्थ्य का हवाला देकर छोड़ दिया गया। कोर्ट के अनुसार, जब पुलिस कई वर्षों तक बच्ची का सुराग पाने में विफल रही, तो अपनी नाकामियों को छिपाने के लिए अप्रैल 2026 में आनन-फानन में केस सीआईडी को स्थानांतरित कर दिया गया।

अब इस मामले की अगली सुनवाई 8 जून को तय की गई है, जिस दिन बोकारो की ही एक अन्य 18 वर्षीय युवती के लापता होने से संबंधित याचिका पर भी सुनवाई होनी है। प्रार्थी के अधिवक्ता विनसेंट रोहित मार्की ने अदालत को बताया कि पांच साल बीत जाने के बाद भी नाबालिग का कोई पता नहीं चला है। बोकारो के पिंडराजोड़ा थाने में साल 2020 में कांड संख्या 161/20 दर्ज होने के बावजूद पुलिस ने जिन चार संदिग्धों को पकड़ा था, उन्हें बाद में छोड़ दिया गया। निराश होकर नाबालिग की मां ने अपनी बेटी की तलाश के लिए हाईकोर्ट में गुहार लगाई है, जिस पर अब अदालत ने सख्त रुख अख्तियार कर लिया है।

राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने विश्वविद्यालयों को दिया शोध और स्टार्टअप को बढ़ावा देने का निर्देश

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने कहा है कि विश्वविद्यालयों को केवल शिक्षण संस्थान बनकर नहीं रहना चाहिए, बल्कि उन्हें शोध, नवाचार और सामाजिक दायित्वों के जरिए आत्मनिर्भर भारत के निर्माण में सक्रिय भूमिका निभानी होगी।

उन्होंने तकनीकी विश्वविद्यालयों में समसामयिक विषयों पर शोध को बढ़ावा देने, विश्वविद्यालयों द्वारा विकसित तकनीकों को समाजोपयोगी बनाने तथा ऊर्जा संरक्षण और स्वदेशी उत्पादों के उपयोग पर ठोस कार्ययोजना तैयार करने के निर्देश दिए। राज्यपाल और राज्य विश्वविद्यालयों की कुलाधिपति आनंदीबेन पटेल की अध्यक्षता में शुक्रवार को जन भवन में मदन मोहन मालवीय प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में विश्वविद्यालय के विभिन्न संकायों के डीन और विभागाध्यक्षों ने शिक्षकों एवं कर्मचारियों के रिक्त पदों, छात्र प्रवेश, प्लेसमेंट, स्टार्टअप, शोध गतिविधियों, छात्रावास व्यवस्थाओं और खेल गतिविधियों समेत विभिन्न शैक्षणिक एवं प्रशासनिक पहलुओं की प्रस्तुति दी। राज्यपाल ने विश्वविद्यालय में शोध गतिविधियों को और अधिक प्रोत्साहित करने पर बल देते हुए कहा कि विश्वविद्यालय द्वारा विकसित ड्रोन तकनीक का अधिकतम लाभ किसानों तक पहुंचाया जाना चाहिए।

पतरातू के कामेश्वर पांडे हत्याकांड में गैंगस्टर अमन श्रीवास्तव और लखन साव को उम्रकैद

रामगढ़। झारखंड के रामगढ़ जिले के चर्चित कामेश्वर पांडे हत्याकांड में अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश प्रथम की अदालत ने शुक्रवार को गैंगस्टर अमन श्रीवास्तव और उसके सहयोगी लखन साव को आजीवन कारावास की सजा सुनाई। अदालत ने दोनों दोषियों पर 10-10 हजार रुपए का जुर्माना भी लगाया। 7 मई को अदालत ने दोनों को हत्या और आपराधिक साजिश रचने का दोषी करार दिया था।

सजा के बिंदु पर सुनवाई पूरी होने के बाद शुक्रवार को अदालत ने हत्या के मामले में दोनों दोषियों को उम्रकैद और जुर्माने की सजा दी। वहीं धारा 120(बी) के तहत आपराधिक साजिश रचने के आरोप में भी दोनों को आजीवन कारावास और 10 हजार रुपए जुर्माने की सजा सुनाई गई। इसके अलावा आर्म्स एक्ट की धारा 27 के तहत सात वर्ष के सश्रम कारावास और 10 हजार रुपए जुर्माने की सजा सुनाई गई।

अदालत ने कहा कि जुर्माने की राशि जमा नहीं करने पर दोषियों को एक वर्ष का अतिरिक्त सश्रम कारावास भुगतना होगा। फैसला सुनाए जाने के दौरान न्यायालय परिसर में सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए थे। यह मामला पतरातू निवासी 70 वर्षीय कामेश्वर पांडे की हत्या से जुड़ा है। घटना 26 अक्टूबर, 2015 को उस समय हुई थी, जब वह स्थानीय सब्जी बाजार में खरीदारी करने गए थे। इसी दौरान श्रीवास्तव गिरोह के शूटरों ने उन पर ताबड़तोड़ फायरिंग कर दी थी।

पश्चिम बंगाल नगर पालिका भर्ती घोटाला : ईडी ने पूर्व मंत्री और पूर्व विधायक सुजीत बोस को किया गिरफ्तार

कोलकाता। पश्चिम बंगाल में कथित नगर पालिका भर्ती घोटाले में प्रवर्तन निदेशालय ने बड़ी कार्रवाई करते हुए पूर्व मंत्री और पूर्व विधायक सुजीत बोस को गिरफ्तार किया है।

ईडी की कोलकाता जोनल ऑफिस ने 11 मई 2026 को धन शोधन निवारण अधिनियम, 2002 की धारा 19(1) के तहत उन्हें गिरफ्तार किया। गिरफ्तारी के बाद उन्हें कोलकाता स्थित विशेष अदालत बिचार भवन में पेश किया गया, जहां अदालत ने ईडी को 10 दिनों की हिरासत दी है।

ईडी के मुताबिक, जांच के दौरान सुजीत बोस को कई बार पूछताछ के लिए समन भेजे गए, लेकिन वह लगातार किसी न किसी बहाने से पेश होने से बचते रहे। एजेंसी का आरोप है कि उन्होंने बार-बार समय मांगा और पूछताछ के दौरान भी सहयोग नहीं किया।

ईडी का दावा है कि जांच में यह सामने आया है कि नौकरी दिलाने के बदले सुजीत बोस को कई फ्लैट मिले थे, जो सीधे तौर पर अपराध से अर्जित संपत्ति हैं। इसके अलावा करोड़ों रुपए नकद लेने और उसे अपने कारोबारी उपक्रमों के जरिए ठिकाने लगाने के भी आरोप लगे हैं। यह जांच केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) द्वारा दर्ज एफआईआर के आधार पर शुरू की गई थी। यह एफआईआर कलकत्ता हाई कोर्ट के निर्देश पर दर्ज हुई थी। ईडी ने अदालत में दायर अपनी रिपोर्ट में दावा किया था कि पश्चिम बंगाल की विभिन्न नगरपालिकाओं में भर्ती प्रक्रिया में बड़े पैमाने पर अनियमितताएं हुईं।

ईडी की जांच में पहले शिक्षक भर्ती घोटाले के दौरान कारोबारी अयान सिल और अन्य लोगों के ठिकानों पर छापेमारी की गई थी। वहां से कई अहम दस्तावेज और डिजिटल साक्ष्य बरामद हुए थे। जांच में पता चला कि यह घोटाला सिर्फ शिक्षकों की भर्ती तक सीमित नहीं था, बल्कि कई नगरपालिकाओं में मजदूर, स्वीपर, क्लर्क, चपरासी, एम्बुलेंस अटेंडेंट, पंप ऑपरेटर, हेल्पर, ड्राइवर और अन्य पदों पर भी अवैध नियुक्तियां की गई थीं।

ईडी के अनुसार विभिन्न नगर निगमों और नगरपालिकाओं की भर्ती प्रक्रिया का ठेका एक ही कंपनी को दिया गया था, जिसके निदेशक अयान सिल थे। एजेंसी का आरोप है कि प्रश्न पत्र छापने, ओएमआर शीट तैयार करने और मूल्यांकन की जिम्मेदारी संभालने वाली इस कंपनी ने ओएमआर शीट में हेरफेर कर अयोग्य उम्मीदवारों की नियुक्ति करवाई।

प्रतीक यादव से मांगी गई थी 4 करोड़ की रंगदारी

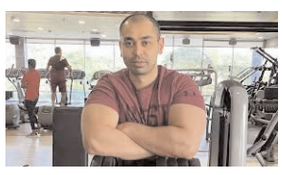

लखनऊ। प्रतीक यादव से पिछले वर्ष चार करोड़ रुपये की रंगदारी मांगे जाने का मामला सामने आया था। प्रतीक ने चिनहट के पूर्वांचल सिटी निवासी भू-व्यवसायी कृष्णानंद पांडेय, उनकी पत्नी वंदना पांडेय और पिता अशोक पांडेय के खिलाफ गौतमपल्ली थाने में मुकदमा दर्ज कराया था। उन्होंने कारोबार में निवेश के नाम पर लाखों रुपये हड़पने का आरोप लगाया था।

प्रधानमंत्री की 'फ्यूल सेविंग' की अपील पर बिहार में 'नो व्हीकल डे' मनाया गया

पटना। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की पेट्रोल और डीजल के उपयोग को कम करने की अपील का असर अब बिहार के राजनीतिक परिदृश्य में स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहा है। यहां कई नेता 'फ्यूल सेविंग' को बढ़ावा देने के लिए परिवहन के वैकल्पिक साधनों को अपना रहे हैं।

बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने पास के पटना स्थित मुख्यमंत्री आवास से सचिवालय तक पैदल चलकर 'नो व्हीकल डे' मनाया। लगभग 150 मीटर की इस पैदल यात्रा में उनके साथ मुख्यमंत्री सचिवालय के अधिकारी और सुरक्षाकर्मी भी थे। गौरतलब है कि मुख्यमंत्री ने पटना और आसपास के क्षेत्रों में आधिकारिक यात्राओं के दौरान अपने काफिले का आकार पहले ही कम कर दिया है।

योगी आदित्यनाथ ने महराजगंज को दी 208 करोड़ रुपए की सौगात

महराजगंज। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ शुक्रवार को महराजगंज में 208 करोड़ रुपए से अधिक लागत की 79 विकास परियोजनाओं के लोकार्पण और शिलान्यास कार्यक्रम में पहुंचे। इस दौरान उन्होंने विपक्षी दलों पर जुबानी हमला बोलते हुए कहा कि 2017 से पहले पूर्वी उत्तर प्रदेश इंसेफेलाइटिस, माफियावाद, अराजकता और पलायन की मार झेल रहा था, लेकिन डबल इंजन सरकार ने प्रदेश की तस्वीर और तकदीर दोनों बदल दी हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि एक समय इंसेफेलाइटिस महामारी बनकर बच्चों की जान लेती थी, स्वास्थ्य सेवाएं बदहाल थीं और किसान, नौजवान व बेटियां खुद को असुरक्षित महसूस करते थे। आज महराजगंज में मेडिकल कॉलेज है, कानून व्यवस्था मजबूत हुई है और माफिया का आतंक समाप्त हुआ है।

योगी आदित्यनाथ ने कहा, 'अब कोई माफिया गरीब की जमीन पर कब्जा नहीं कर सकता। कोई बेटी की सुरक्षा में सेंध लगाने का दुस्साहस नहीं कर सकता और गौहत्या करने वालों पर भी सख्ती से कार्रवाई हो रही है।' उन्होंने नौतनवां विधानसभा का जिक्र करते हुए कहा कि भाजपा के गठन के बाद पहली बार पार्टी समर्थित प्रत्याशी की जीत यहां हुई थी और क्षेत्र की जनता के समर्थन का ऋण विकास कार्यों के जरिए चुकाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि स्थानीय जनप्रतिनिधियों द्वारा भेजे गए प्रस्तावों को प्राथमिकता के आधार पर स्वीकृति दी गई, जिसके कारण नौतनवां तेजी से विकास के रास्ते पर आगे बढ़ रहा है।

मुख्यमंत्री ने विपक्षी दलों पर तुष्टिकरण की राजनीति का आरोप लगाते हुए कहा कि पहले करोड़ों रुपए कब्रिस्तानों की बाउंड्रीवाल पर खर्च किए जाते थे, जबकि अब वही धन मंदिरों के सुंदरीकरण और धार्मिक स्थलों के विकास में लगाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि भाजपा और सहयोगी दलों के विधायक अपने क्षेत्रों में सांस्कृतिक विरासत को सहेजने का काम कर रहे हैं। उन्होंने राम मंदिर और काशी विश्वनाथ धाम का उल्लेख करते हुए कहा कि विपक्षी दल इन परियोजनाओं में हमेशा बाधा बने रहे। उन्होंने दावा किया कि देश में डबल इंजन सरकार के मॉडल को व्यापक समर्थन मिल रहा है और पश्चिम बंगाल में भी जनता बदलाव चाहती है।

आईआईटी रुड़की ने भारत के लिए तैयार किया हाई-रिजॉल्यूशन जलवायु डेटासेट, आपदा तैयारी और जलवायु जोखिम आकलन में मिलेगी मदद

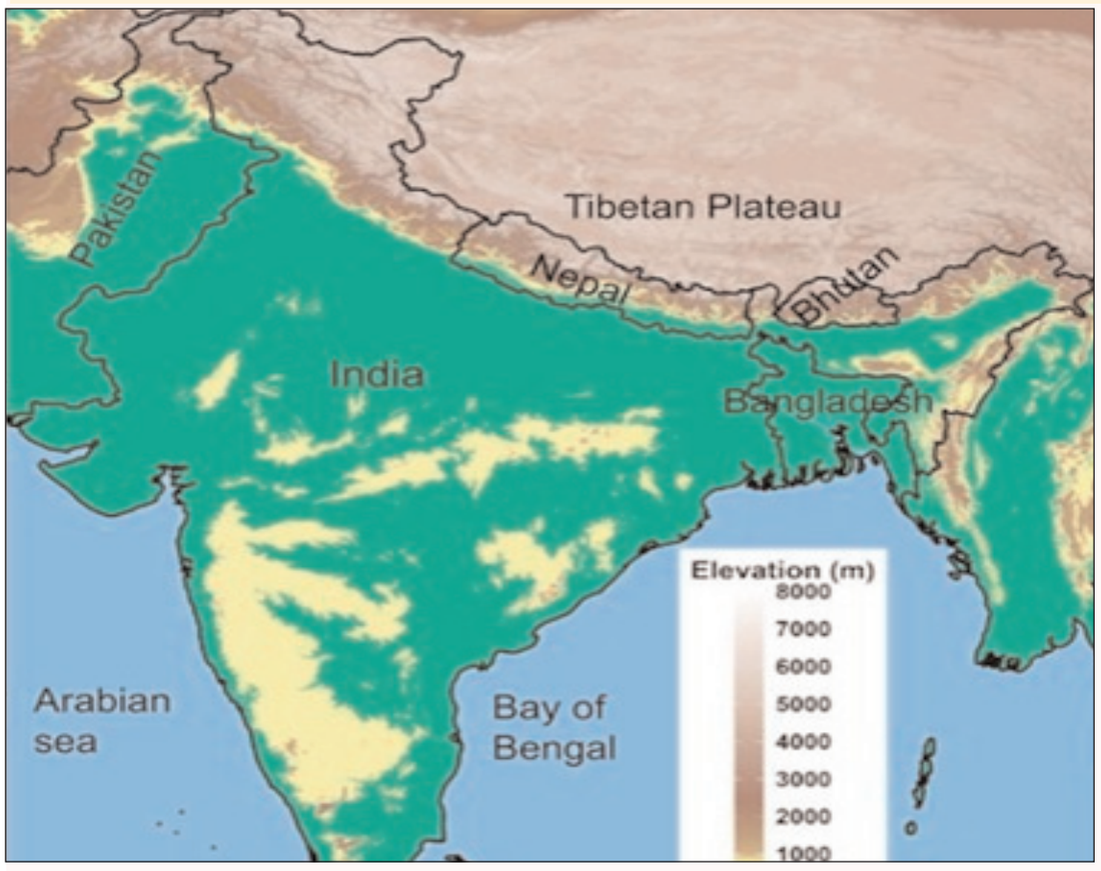

नई दिल्ली। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, रुड़की के शोधकर्ताओं ने शुक्रवार को भारत के लिए एक ओपन-एक्सेस हाई-रिजॉल्यूशन जलवायु प्रोजेक्शन डेटासेट विकसित और जारी किया। 'इंड्रा-सीएमआईपी6' नाम का यह डेटा सेट भारत में क्षेत्रीय जलवायु अनुकूलन, आपदा तैयारी और जलवायु जोखिम आकलन को मजबूत बनाने में मदद करेगा।

आईआईटी रुड़की के जल विज्ञान विभाग के शोधकर्ताओं द्वारा विकसित इस डेटा सेट को नेचर पोर्टफोलियो की पत्रिका 'साइंटिफिक डेटा' में प्रकाशित किया गया है। यह डेटासेट भारतीय उपमहाद्वीप के लिए लगभग 10 किलोमीटर के स्थानिक रिजॉल्यूशन पर दैनिक वर्षा और तापमान का अनुमान उपलब्ध कराता है।

यह पहल वैश्विक जलवायु मॉडलों से जुड़ी एक बड़ी समस्या को दूर करने के उद्देश्य से शुरू की गई है। वैश्विक मॉडल अक्सर बड़े पैमाने पर अनुमान देते हैं, जिससे भारत की जटिल भौगोलिक परिस्थितियों, मानसून प्रणाली और क्षेत्रीय मौसम की चरम स्थितियों का सही आकलन नहीं हो पाता।

हाल के वर्षों में भारत में जलवायु परिवर्तन का असर तेजी से बढ़ा है, जिसमें बढ़ता तापमान, अनियमित मानसून, शहरी बाढ़, लू का तनाव और जल संसाधनों पर बढ़ता दबाव शामिल है।

शोधकर्ताओं ने कहा कि शहरी जल निकासी योजना, तटबंधों को मजबूत करने, बाढ़ की तैयारी और जलवायु-अनुकूल कृषि जैसे कदमों के लिए जिला और नदी बेसिन स्तर पर जलवायु अनुमान जरूरी हैं; केवल महाद्वीपीय औसत आंकड़े पर्याप्त नहीं होते।

इंड्रा-सीएमआईपी6 डेटासेट को 14 सीएमआईपी6 वैश्विक जलवायु मॉडलों के आउटपुट के आधार पर तैयार किया गया है। इसके लिए 'डबल बायस-करेक्टेड कंस्ट्रक्टेड एनालॉग (डीबीसीसीए)' नामक सांख्यिकीय डाउनस्केलिंग तकनीक का इस्तेमाल किया गया।

शोधकर्ताओं के अनुसार, यह तकनीक भारतीय उपमहाद्वीप में दैनिक मौसम बदलाव, क्षेत्रीय वर्षा वितरण और तापमान की चरम स्थितियों को बेहतर तरीके से दर्शाती है।

इस डेटासेट में 0.1ए म 0.1ए रिजॉल्यूशन पर दैनिक वर्षा, न्यूनतम तापमान और अधिकतम तापमान के अनुमान शामिल हैं। शोधकर्ताओं ने अलग-अलग जलवायु मॉडल के आउटपुट के साथ-साथ मल्टी-मॉडल एंसेंबल भी उपलब्ध कराया है, जिससे उपयोगकर्ता विभिन्न अनुमानों की तुलना कर सकते हैं और केवल एक जलवायु अनुमान पर निर्भर रहने के बजाय अनिश्चितताओं का भी आकलन कर सकते हैं।

स्पेस में बैंगनी रंग की खूबसूरती, नासा ने दिखाई तारों से भरी 'पिनव्हील गैलेक्सी' की झलक

नई दिल्ली। स्पेस की दुनिया जितनी रहस्यमयी है, उतनी ही खूबसूरत भी। अमेरिकी स्पेस एजेंसी नासा ने स्पेस की बैंगनी रंग की अनोखी खूबसूरती का शानदार नजारा साझा किया है। इस तस्वीर में दिख रही है पिनव्हील गैलेक्सी, जिसे वैज्ञानिक मेसियर 101 यानी एम-101 भी कहते हैं।

यह गैलेक्सी एक ट्रिलियन यानी एक हजार अरब से भी ज्यादा तारों से भरी हुई है और बेहद आकर्षक बैंगनी रंग में नजर आ रही है।नासा के चंद्रा एक्स-रे ऑब्जरवेटरी द्वारा ली गई इस तस्वीर में अन्य टेलीस्कोपों का डेटा भी शामिल किया गया है। गैलेक्सी बैंगनी और गुलाबी रंग की इसलिए दिख रही है क्योंकि चंद्रा के एक्स-रे डेटा को इन रंगों में दिखाया गया है। दृश्य प्रकाश और इन्फ्रारेड तरंगदैर्ध्य को अलग-अलग रंगों में मिलाकर वैज्ञानिकों ने यह कंपोजिट इमेज तैयार की है। इससे गैलेक्सी के अंदर चल रही गतिविधियों को बेहतर तरीके से समझने में मदद मिलती है।

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम पर तस्वीरों को पोस्ट करते हुए नासा ने बताया, ऐसी कंपोजिट तस्वीरें वैज्ञानिकों को गैलेक्सी के अंदर तारों के जन्म, ऊर्जा और विकास की प्रक्रिया समझने में बड़ी मदद करती हैं। पिन व्हील गैलेक्सी सक्रिय स्टार फॉर्मेशन वाले क्षेत्रों के लिए भी जानी जाती है। यह खूबसूरत तस्वीर ब्रह्मांड की विशाल, रंगीन और रहस्यमयी झलक दिखाता है।

पिनव्हील गैलेक्सी एक सर्पिल आकार की गैलेक्सी है। यह पृथ्वी से लगभग 21 से 25 मिलियन प्रकाश वर्ष दूर स्थित है। इसकी चौड़ाई 1,70,000 प्रकाश वर्ष है, जो मिल्की वे गैलेक्सी से लगभग दोगुनी है। इसकी सर्पिल भुजाओं में गैस और धूल के विशाल बादल हैं, जहां नए तारे बन रहे हैं। गर्म और नीले तारे इन भुजाओं को और भी चमकदार बनाते हैं।

यह गैलेक्सी उत्तरी गोलार्ध में उरसा मेजर तारामंडल यानी 'बिग डिपर' के पास स्थित है। अगर आसमान साफ और अंधेरा हो तो छोटे टेलीस्कोप या दूरबीन से इसे देखा जा सकता है। पिन व्हील गैलेक्सी की खोज 1781 में पियरे मेचैन ने की थी, जो चार्ल्स मेसियर के सहयोगी थे। इसकी आभासी चमक 7.9 है। यानी ये रात में धुंधली दिखाई देती है।

क्या है 'बेबी प्रूफिंग', जानें बच्चों के लिए घर को कैसे बनाएं सुरक्षित?

नई दिल्ली। हर माता-पिता का सपना होता है कि उनका बच्चा स्वस्थ, सुरक्षित और खुश रहे। लेकिन छोटे बच्चे जिज्ञासु स्वभाव के कारण हर चीज को छूना, मुंह में डालना और एक्सप्लोर करना चाहते हैं। यही जिज्ञासा उनके विकास के लिए अच्छी है, पर इससे अनजाने में चोट लगने का खतरा भी बढ़ जाता है।

यूनाइटेड नेशंस इंटरनेशनल चिल्ड्रेंस इमरजेंसी फंड (यूनिसेफ) के अनुसार, दुनिया भर में पांच साल से कम उम्र के बच्चों की मौत और विकलांगता के मुख्य कारणों में अनजाने में लगने वाली चोटें शामिल हैं और इनमें से ज्यादातर चोटें घर के अंदर ही होती हैं। इसलिए घर को बच्चों के लिए सुरक्षित बनाना यानी बेहद जरूरी है।

बच्चों के लिए घर को सुरक्षित बनाना कोई एक बार का काम नहीं है। बच्चे जैसे-जैसे बड़े होते हैं, खतरे भी बदलते हैं। इसलिए समय-समय पर घर की जांच करते रहें। बच्चे के नजरिए से घर देखें- जमीन पर झुककर देखें कि क्या-क्या उनके हाथ लग सकता है।

अब समझते हैं कि वास्तव में बेबी प्रूफिंग क्या है? बच्चों के लिए घर को

सुरक्षित बनाना यानी घर में ऐसे बदलाव करना जिससे बच्चे को चोट, जलन, गिरने, डूबने या जहर खाने जैसे खतरे न हों।

इसका मतलब बच्चे की जिज्ञासा को रोकना नहीं बल्कि उसे सुरक्षित माहौल में खेलने और सीखने की आजादी देना है। ऐसे में एक्सपर्ट घर को सुरक्षित बनाने के आसान और जरूरी उपाय सुझाते हैं।

जलने और झुलसने से बचाव : गर्म चाय, कॉफी, स्टोव और गर्म पानी छोटे बच्चों के लिए सबसे बड़ा खतरा हैं। गर्म पेय और खाना हमेशा मेज के बीच में रखें, किनारे पर नहीं। स्टोव पर बर्तनों के हैंडल अंदर की तरफ घुमाकर रखें। नहाने से पहले पानी का तापमान हाथ से या थर्मामीटर से जांच लें। सबसे सही तापमान 37-38ए सेल्सियस है। माचिस, लाइटर और मोमबत्तियां बच्चों की पहुंच से दूर रखें। साथ ही स्मोक अलार्म लगवाएं और आग लगने पर घर से निकलने का अभ्यास करें।

दम घुटना या गला दबना : बच्चे कुछ भी पाते ही सबसे पहले उसे मुंह में डालते हैं। नट्स, साबुत अंगूर, सख्त टॉफी छोटे बच्चों को न दें। छोटे खिलौने, बैटरी, सिक्के उनकी पहुंच से दूर रखें। बच्चे को पीठ के बल सख्त गद्दे पर सुलाएं, उसके पास तकिया, कंबल या खिलौने न रखें। पर्दों की डोरियों को बांधकर ऊंचा रखें।

डूबने से बचाव : बच्चा सिर्फ 5 सेंटीमीटर गहरे पानी में भी डूब सकता है। नहाते समय बच्चे को कभी भी अकेला न छोड़ें। बाल्टी, टब और बेसिन इस्तेमाल के बाद खाली कर दें। घर के आसपास तालाब या पूल हो तो चारों तरफ बाड़ लगाएं। हमेशा बच्चे के पास रहें और उस पर निगरानी रखें।

अपने बच्चे को ऑनलाइन वर्ल्ड से सुरक्षित कैसे रखें? 5 आसान और प्रभावी तरीके

नई दिल्ली। आजकल बच्चे स्कूल से लेकर मनोरंजन तक हर काम के लिए इंटरनेट का इस्तेमाल कर रहे हैं। जैसे-जैसे बच्चे बड़े होते हैं, उनका ऑनलाइन समय भी बढ़ता जाता है। इंटरनेट पर दोस्तों से जुड़ना, नई चीजें सीखना और रुचियां पूरा करना बहुत अच्छा है, लेकिन इसमें कई जोखिम भी हैं। माता-पिता के लिए यह जरूरी है कि वे बच्चों के ऑनलाइन अनुभवों को सुरक्षित और सकारात्मक बनाएं।

यूनाइटेड नेशंस इंटरनेशनल चिल्ड्रेंस इमरजेंसी फंड (यूनिसेफ) 5 ऐसे आसान तरीकों के बारे में सुझाव देता है जो बच्चों को ऑनलाइन खतरे से बचा सकते हैं और उन्हें हेल्दी डिजिटल लाइफ जीने में मदद कर सकते हैं।

स्पष्ट नियम तय करें :- बच्चों से खुलकर बात करें कि वे ऑनलाइन किससे बात करते हैं, क्या शेयर करते हैं और कौन उनकी पोस्ट देख सकता है। उन्हें समझाएं कि जो भी ऑनलाइन जाता है - फोटो, वीडियो या कमेंट वह हमेशा के लिए एक 'डिजिटल फुटप्रिंट' छोड़ जाता है। बच्चों को सिखाएं कि भेदभावपूर्ण, अपमानजनक या दूसरों को दुख पहुंचाने वाली बातें कभी न करें। अगर बच्चे को ऑनलाइन कोई परेशानी, डर या असहजता महसूस हो तो तुरंत माता-पिता को बताएं। साथ ही, गैजेट्स के इस्तेमाल के लिए समय, जगह और तरीके के साफ नियम बनाएं।

सुरक्षा के लिए तकनीक का उपयोग करें :- बच्चे के फोन या टैबलेट को हमेशा अपडेट रखें। प्राइवेसी सेटिंग्स ऑन रखें ताकि अनचाहे लोग जानकारी न देख सकें। वेबकैम इस्तेमाल न करने पर उसे ढककर रखें। छोटे बच्चों के लिए पेरेंटल कंट्रोल और सेफ सर्च का इस्तेमाल करें। बच्चों को अपनी निजी जानकारी जैसे नाम, फोटो, पता या स्कूल किसी को भी न बताने की सलाह दें। मुफ्त ऑनलाइन संसाधनों या ऐप्स का इस्तेमाल करते समय सावधानी बरतें।

बच्चों के साथ ऑनलाइन समय बिताएं :- बच्चों के साथ ऑनलाइन बैठकर गेम खेलें, वीडियो देखें और बातचीत करें। इससे आप उनकी गतिविधियों पर नजर रख सकते हैं और उन्हें गलत जानकारी, झूठी खबरों और गलत कंटेंट से बचने में मदद कर सकते हैं।

उन्हें सिखाएं कि विज्ञापनों को कैसे पहचानें और नेगेटिव मैसेजिंग से कैसे दूर रहें। उम्र के अनुसार सही ऐप्स और गेम्स चुनने में उनकी मदद करें।

औषधीय गुणों से भरपूर प्रकृति का तोहफा 'महुआ', फूल-फल से लेकर बीज तक फायदेमंद

नई दिल्ली। आज के अव्यवस्थित समय में शायद ही कोई इंसान ऐसा होगा जिसे शारीरिक या मानसिक समस्याएं न हो। मगर प्रकृति के पास इसका समाधान औषधीय गुणों से भरपूर फल, फूल व जड़ी बूटियों के रूप में है। ऐसा ही प्रकृति का तोहफा है महुआ, जिसके फल-फूल से लेकर बीज तक सेहत के लिए बेहद फायदेमंद है।

बिहार सरकार का पर्यावरण, वन एवं जल विभाग महुआ वृक्ष के बारे में विस्तार से जानकारी देता है। आयुर्वेद में महुआ को प्रकृति का अनमोल उपहार माना जाता है। यह पोषण और औषधीय गुणों से भरपूर है। इसके फूल, फल और बीज न सिर्फ स्वास्थ्य के लिए बेहद लाभकारी हैं, बल्कि ग्रामीण क्षेत्रों में लोगों की आजीविका भी मजबूत करते हैं।

विभाग का कहना है कि महुआ न सिर्फ स्वास्थ्य के लिए उपयोगी है बल्कि प्रकृति के साथ हमारे जुड़ाव को भी गहरा बनाता है। महुआ विटामिन और मिनरल्स से भरपूर होता है, खांसी, सूजन और त्वचा रोगों में राहत तो पाचन सुधारता है और ऊर्जा बढ़ाता है।

महुआ का वैज्ञानिक नाम मधुका इंडिका है। यह भारत का एक अत्यंत उपयोगी वृक्ष है, जो मुख्य रूप से अपने मीठे फल - फूलों और बीजों के लिए प्रसिद्ध है। महुआ के फूलों में अच्छी मात्रा में विटामिन सी, कैरोटीन, कैल्शियम, फॉस्फोरस और ग्लूकोज पाई जाती है। ये तत्व इसे अत्यंत पौष्टिक बनाते हैं। सूखे फूलों को आटा बनाकर रोटी, हलवा या अन्य व्यंजन बनाए जाते हैं। इसके अलावा, महुआ के फूलों से शरबत भी बनाया जाता है।

महुआ के बीजों से प्राप्त तेल का उपयोग खाने, दीप जलाने और औषधि बनाने में होता है। यह तेल त्वचा के लिए बहुत अच्छा माना जाता है। आयुर्वेद में महुआ के फूलों और फलों का उपयोग सूजन, खांसी, सर्दी-जुकाम और विभिन्न चर्म रोगों के इलाज में किया जाता है।

कमजोर कोर मसल्स, खराब पाचन और कब्ज से छुटकारा, 'शलभासन' के फायदे

नई दिल्ली। क्या आप कमजोर कोर मसल्स, खराब पाचन या बार-बार कब्ज से परेशान हैं? अगर हां, तो शलभासन आपके लिए बेहद उपयोगी साबित हो सकता है। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस करीब आ रहा है। इसी कड़ी में भारत सरकार का आयुष मंत्रालय रोजाना योगासन और उसके फायदों की जानकारी दे रहा है। आज इस सीरीज में शलभासन के बारे में बताया गया है।

आयुष मंत्रालय के अनुसार, हमारे शरीर अक्सर कोई बड़ी समस्या आने से पहले हल्के संकेत देता है। कोर की कमजोर मांसपेशियां, पाचन तंत्र की कमजोरी और बार-बार कब्ज जैसी समस्याएं रोजमर्रा की जिंदगी को प्रभावित करती हैं। इन समस्याओं से निपटने में शलभासन बहुत प्रभावी माना जाता है।

शलभासन को लोकस्ट पोज भी कहा जाता है। इस आसन में व्यक्ति पेट के बल लेटकर दोनों पैरों को ऊपर उठाता है, जिससे शरीर तीर की तरह दिखता है। इस अभ्यास से पेट के निचले हिस्से की मांसपेशियां मजबूत होती हैं, पीठ की मांसपेशियां भी ताकतवर बनती हैं और पूरा कोर एरिया मजबूत होता है।

शलभासन के अभ्यास से कई फायदे मिलते हैं- यह कोर मसल्स को मजबूत बनाता है, पाचन क्रिया को बेहतर करता है और कब्ज की समस्या में राहत देता है। यही नहीं पीठ और कमर के दर्द को कम कर शरीर की ताकत और सहनशक्ति को भी बढ़ाता है। थकान दूर करने और ऊर्जा बढ़ाने में मदद करता है।

एक्सपर्ट के अनुसार, शलभासन के अभ्यास के लिए पेट के बल मैट पर लेट जाएं। ठोड़ी जमीन पर रखें।

दोनों हाथों को शरीर के साथ रखें और हथेलियां नीचे की ओर। सांस अंदर लेते हुए दोनों पैरों को धीरे-धीरे ऊपर उठाएं। जितना हो सके ऊपर उठाएं और कुछ सेकंड इसी स्थिति में रहें फिर सांस छोड़ते हुए धीरे-धीरे पैर नीचे लाएं। शुरुआत में 3-4 बार करें, बाद में बढ़ा सकते हैं।

जम्मू-कश्मीर में स्टाइपेंड न बढ़ने से इंटर्न डॉक्टर नाराज, उपराज्यपाल से की दखल की मांग

श्रीनगर । जम्मू-कश्मीर में एमबीबीएस और बीडीएस इंटर्न डॉक्टरों की स्टाइपेंड बढ़ाने की मांग एक बार फिर जोर पकड़ती नजर आ रही है। लंबे समय से इंटर्न डॉक्टर अपनी स्टाइपेंड बढ़ाने की मांग कर रहे हैं, लेकिन अब तक इस मामले में कोई ठोस फैसला नहीं हो पाया है। ऐसे में अब इंटर्न डॉक्टरों ने जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा से मामले में दखल देने की मांग की है।

इंटर्न डॉक्टरों का कहना है कि उनकी स्टाइपेंड बढ़ाने से जुड़ी फाइल लगातार एक विभाग से दूसरे विभाग में घूम रही है। वित्त विभाग का कहना है कि फाइल मुख्यमंत्री कार्यालय के पास है जबकि विधानसभा में मंत्री सकीना इटू ने कहा कि मामला अभी वित्त विभाग में लंबित है।

इस मुद्दे पर डॉक्टर मोमिन ने कहा कि जम्मू-कश्मीर में एमबीबीएस और बीडीएस इंटर्न डॉक्टरों को फिलहाल सिर्फ 12,300 रुपये महीना स्टाइपेंड दिया जा रहा है, जो बेहद कम है। उन्होंने कहा कि एक एमबीबीएस छात्र करीब 5 साल की कठिन पढ़ाई करता है, लगातार 36 घंटे तक काम करता है, नाइट शिफ्ट करता है और मरीजों की सेवा में लगा रहता है लेकिन इसके बावजूद उन्हें इतनी कम राशि मिलती है।

डॉ. मोमिन ने दूसरे राज्यों का उदाहरण देते हुए कहा कि बिहार ने हाल ही में इंटर्न डॉक्टरों की स्टाइपेंड बढ़ाने को मंजूरी दी है। वहीं, ओडिशा और पश्चिम बंगाल जैसे राज्यों में इंटर्न डॉक्टरों को 30 हजार रुपये से ज्यादा स्टाइपेंड दिया जा रहा है। ऐसे में जम्मू-कश्मीर के डॉक्टर खुद को उपेक्षित महसूस कर रहे हैं।

उन्होंने कहा कि आज एक मजदूर भी दिनभर काम करके 700 से 800 रुपये कमा लेता है लेकिन एक प्रशिक्षित डॉक्टर, जो लोगों की जान बचाने में लगा है, उसे महीने में सिर्फ 12,300 रुपये मिलना बेहद निराशाजनक और अन्यायपूर्ण है।

डॉक्टरों का आरोप है कि इस अहम मुद्दे को लगातार टाला जा रहा है। जब वे वित्त विभाग से संपर्क करते हैं तो कहा जाता है कि फाइल मुख्यमंत्री कार्यालय भेज दी गई है और जब मुख्यमंत्री कार्यालय में पूछताछ की जाती है तो जवाब मिलता है कि जल्द फैसला होगा लेकिन लंबे समय से सिर्फ आश्वासन ही मिल रहे हैं।

अब इंटर्न डॉक्टरों ने जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा से हस्तक्षेप की मांग की है। उनका कहना है कि सरकार को इस मामले को गंभीरता से लेते हुए जल्द से जल्द स्टाइपेंड बढ़ाने पर फैसला करना चाहिए।

आईपीएल 2026: एलएसजी ने सीएसके को 7 विकेट से हराया

लखनऊ। चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के आईपीएल 2026 के प्लेऑफ खेलने की संभावना पर लखनऊ सुपर जायंट्स (एलएसजी) ने ग्रहण लगा दिया है। शुक्रवार को इकाना क्रिकेट स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में एलएसजी ने सीएसके को 7 विकेट से हरा दिया। इस हार के साथ ही सीएसके का पिछले 3 मैचों की लगातार जीत का क्रम टूट गया और प्लेऑफ की संभावना भी शायद बेहद कम हो गई है।

सीएसके से मिले 188 रन के लक्ष्य को एलएसजी ने 16.4 ओवर में 3 विकेट खोकर हासिल कर लिया। एलएसजी की तरफ से पारी की शुरुआत करने आए मिशेल मार्श ने मात्र 38 गेंदों पर 7 छक्कों और 9 चौकों की मदद से 90 रन की पारी खेल टीम को जीत दिलाने में बड़ी भूमिका निभाई। जोश इंग्लिश ने 32 गेंदों पर 36 और निकोलस पूरन ने 17 गेंदों पर नाबाद 32 रन बनाए। मुकुल चौधरी भी 10 गेंदों पर 13 रन बनाकर नाबाद रहे।

इससे पहले टॉस गंवाकर पहले बल्लेबाजी करते हुए सीएसके ने 5 विकेट के नुकसान पर 187 रन बनाए थे। सीएसके के लिए कार्तिक शर्मा ने 42 गेंदों पर 5 छक्कों और 6 चौकों की मदद से 71 रन की पारी खेली थी। इसके अलावा शिवम दुबे ने 16 गेंदों पर 32 और डेवाल्ड ब्रेविस ने 16 गेंदों पर 25 रन की पारी खेली थी।

एलएसजी के लिए आकाश महाराज सिंह ने 4 ओवर में 26 रन देकर 3 विकेट लिए थे।

एलएसजी-सीएसके मैच के बाद अंकतालिका पर नजर डालें तो हार के साथ ही सीएसके छठे नंबर पर चली गई है। सीएसके के 12 मैचों में 6 जीत और 6 हार के साथ 12 अंक हैं। लगातार तीन जीत के बाद सीएसके को यह हार मिली है।

एलएसजी प्लेऑफ की रेस से बाहर हो चुकी है। टीम दसवें नंबर पर है। सीजन के 12वें मैच में एलएसजी की यह चौथी जीत थी।

इटैलियन ओपनः इगा स्वियातेक को हराकर एलिना स्वितोलिना ने बनाई फाइनल में जगह

रोम। दो बार की चैंपियन एलिना स्वितोलिना ने रोमांचक इटैलियन ओपन 2026 के सेमीफाइनल में तीन बार की विजेता इगा स्वियातेक को 6-2, 4-6, 6-2 से हराकर तीसरी बार फाइनल में जगह बना ली है।

स्वितोलिना 2017-18 में लगातार दो ट्रॉफी जीतने के बाद पहली बार फाइनल मैच में पहुंची हैं। खिताबी मुकाबले में स्वितोलिना का सामना कोको गॉफ से होगा। स्वितोलिना तीसरी बार इस खिताब को अपने नाम करना चाहेंगी, तो गॉफ की निगाहें पहली बार इस ट्रॉफी को उठाने पर होंगी।

इसके साथ ही, दोनों खिलाड़ी सीजन का अपना पहला डब्ल्यूटीए 1000 टाइटल जीतने की कोशिश भी करेंगी। स्वितोलिना इस साल गॉफ को दो बार हरा चुकी हैं, और वह अपने इस शानदार रिकॉर्ड को फाइनल में भी कायम रखना चाहेंगी। एलिना स्वितोलिना ने स्वियातेक को 2 घंटे 14 मिनट में हराने के बाद कहा, 'इतने सालों बाद फिर से फाइनल में होना बहुत अच्छा लग रहा है। मुझे लगता है कि टूर्नामेंट में शानदार प्रदर्शन करके इस तरीके से फाइनल में पहुंचना शानदार एहसास है।'

स्वितोलिना ने सेमीफाइनल में 16 में से 11 ब्रेक पॉइंट बचाए, जिसमें फाइनल सेट में उनके सभी पांच ब्रेक पॉइंट शामिल थे। उन्होंने इस सीजन में किसी भी डब्ल्यूटीए मेन ड्रॉ में किसी भी खिलाड़ी के मुकाबले सबसे ज्यादा (59) ब्रेक पॉइंट का सामना किया है, जबकि 44 बचाए हैं। हालांकि, इसमें टीम और ग्रैंड स्लैम इवेंट शामिल नहीं हैं।गॉफ के खिलाफ एलिना स्वितोलिना का हेड टू हेड रिकॉर्ड 3-2 का रहा है। स्वितोलिना ने गॉफ को ऑस्ट्रेलियन ओपन और फिर दुबई में हराया था।

टी-20 विश्व कप जीतने पर मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने ईशान किशन को किया सम्मानित

नई दिल्ली। टीम इंडिया को टी20 विश्व कप 2026 की ट्रॉफी जिताने में अहम किरदार निभाने वाले विकेटकीपर-बल्लेबाज ईशान किशन को बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने एक करोड़ रुपये की इनामी राशि देकर सम्मानित किया। इसके साथ ही मुख्यमंत्री ने ईशान को उनके सफल क्रिकेट करियर के लिए शुभकामनाएं भी दीं। मुख्यमंत्री ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट 'एक्स' पर ईशान संग तस्वीरें शेयर करते हुए लिखा, 'आईसीसी टी20 विश्व कप 2026 के विजेता भारतीय क्रिकेट टीम के सदस्य, शानदार बल्लेबाज, बिहार के लाल ईशान किशन को विश्व कप जिताने में उनके महत्वपूर्ण योगदान के लिए राज्य सरकार द्वारा एक करोड़ रुपये की राशि देकर सम्मानित किया। सफल क्रिकेट करियर के लिए हार्दिक शुभकामनाएं, बिहार का नाम यूं ही रोशन करते रहिए। '

टी20 विश्व कप 2026 में ईशान का प्रदर्शन दमदार रहा था। नंबर तीन पर खेलते हुए विकेटकीपर-बल्लेबाज ने अहम योगदान दिया। उन्होंने टूर्नामेंट में खेले 9 मुकाबलों में 193 के बेमिसाल स्ट्राइक रेट से खेलते हुए 317 रन बनाए। इस दौरान उनके बल्ले से तीन अर्धशतक निकले और उनका सर्वाधिक स्कोर 77 रन रहा। ईशान टी20 वर्ल्ड कप में भारत की ओर से संजू सैमसन के बाद सर्वाधिक रन बनाने वाले बल्लेबाज रहे।

न्यूजीलैंड के खिलाफ फाइनल मुकाबले में भी ईशान ने बेहतरीन बल्लेबाजी करते हुए सिर्फ 25 गेंदों में 54 रनों की तेज तर्रार पारी खेली थी, जिसके बूते भारतीय टीम पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 5 विकेट खोकर स्कोरबोर्ड पर 255 रन लगाने में सफल रही थी। हालांकि, 256 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए न्यूजीलैंड की पूरी टीम 159 रन बनाकर ढेर हो गई थी। भारत की ओर से गेंदबाजी में जसप्रीत बुमराह ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 4 ओवर में सिर्फ 15 रन देकर 4 विकेट अपने नाम किए। सूर्यकुमार यादव की कप्तानी में भारतीय टीम घरेलू सरजमीं पर टी20 विश्व कप का खिताब जीतने वाली दुनिया की पहली टीम बनी। इसके साथ ही टीम इंडिया क्रिकेट के सबसे छोटे फॉर्मेट में विश्व कप के टाइटल का बचाव करने वाली भी पहली टीम रही।

पोलार्ड पर लगा मैच फीस का 15 प्रतिशत जुर्माना, 'अभद्र भाषा' का इस्तेमाल करना पड़ा महंगा

मुंबई । मुंबई इंडियंस के बैटिंग कोच कीरोन पोलार्ड पर मैच फीस का 15 प्रतिशत जुर्माना लगाया गया है। पंजाब किंग्स (पीबीकेएस) और मुंबई इंडियंस (एमआई) के बीच हुए मुकाबले में पोलार्ड को आईपीएल कोड ऑफ कंडक्ट तोड़ने का दोषी पाया गया है।

मैच फीस के साथ-साथ पोलार्ड के खाते में एक डिमेरिट पॉइंट भी जोड़ा गया है। दरअसल, मुंबई इंडियंस की पारी के 19वें ओवर में पोलार्ड चौथे अंपायर से बहस करते हुए नजर आए थे। इस दौरान पोलार्ड ने अंपायर को अपशब्द भी कहे। पोलार्ड ने आईपीएल कोड ऑफ कंडक्ट के आर्टिकल 2.3 का उल्लंघन किया है, जो खिलाड़ियों और टीम अधिकारियों के खिलाफ मैच के दौरान 'अभद्र भाषा' के इस्तेमाल से जुड़ा हुआ है।आईपीएल ने शुक्रवार को जारी किए एक बयान में कहा, 'मुंबई इंडियंस के बैटिंग कोच कीरोन पोलार्ड पर आईपीएल के खिलाड़ियों और टीम अधिकारियों के लिए कोड ऑफ कंडक्ट के लेवल 1 को तोड़ने के लिए उनकी मैच फीस का 15 प्रतिशत जुर्माना लगाया गया है और एक डिमेरिट पॉइंट भी मिला है। पोलार्ड को आईपीएल के कोड ऑफ कंडक्ट के आर्टिकल 2.3 को तोड़ने का दोषी पाया गया है, जो मैच के दौरान सुनाई देने वाली अभद्र भाषा के इस्तेमाल से जुड़ा हुआ है। यह घटना दूसरी पारी के 19वें ओवर में हुई जब पोलार्ड ने चौथे अंपायर के लिए अभद्र भाषा का इस्तेमाल किया। पोलार्ड ने अपनी गलती मानते हुए मैच रेफरी पंकज धर्माणी द्वारा सुनाई गई सजा को स्वीकार कर लिया है। गुरुवार को धर्मशाला के हिमाचल प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में मुंबई इंडियंस ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए पंजाब किंग्स को 6 विकेट से हराया। पहले बल्लेबाजी करते हुए पीबीकेएस ने 20 ओवर में 8 विकेट खोकर स्कोरबोर्ड पर 200 रन लगाए। टीम की ओर से प्रभसिमरन सिंह ने बेहतरीन बल्लेबाजी करते हुए।

साक्षी ने कॉमनवेल्थ और एशियन गेम्स के लिए बनाई भारतीय टीम में जगह, वर्ल्ड चैंपियन मीनाक्षी को हराया

पटियाला । नेशनल बॉक्सिंग ट्रायल्स के सेमीफाइनल में दो बार की वर्ल्ड चैंपियन निखत जरीन को हराने वाली साक्षी चौधरी ने ग्लासगो में होने वाले कॉमनवेल्थ गेम्स और इस साल के आखिर में जापान में होने वाले एशियन गेम्स के लिए भारतीय टीम में जगह बना ली है।

साक्षी ने शुक्रवार को एनआईएस पटियाला में खेले गए फाइनल मुकाबले में 48 किलोग्राम वर्ग में मौजूदा वर्ल्ड और एशियन चैंपियन मीनाक्षी हुड्डा को हराया। मीनाक्षी 51 किलोग्राम वर्ग में आ गई थीं। वहीं, अस्ताना में 2025 वर्ल्ड बॉक्सिंग कप में 54 किलोग्राम वर्ग में गोल्ड मेडल जीतने वाली साक्षी ट्रायल्स के लिए 51 किलोग्राम वर्ग में उतरी थीं।

फाइनल में हारने वाले बॉक्सर का चयन 15 से 20 जून तक चीन के गुइयांग में होने वाले वर्ल्ड बॉक्सिंग कप के लिए किया जाएगा, जबकि विजेता बॉक्सर को हर चार साल में होने वाले इन दोनों बड़े इवेंट्स के लिए कोटा मिलेगा। इससे पहले सेमीफाइनल में साक्षी ने दो बार की वर्ल्ड चैंपियन, कॉमनवेल्थ गेम्स की गोल्ड मेडलिस्ट और एशियन गेम्स की ब्रॉन्ज मेडलिस्ट निखत जरीन को शानदार प्रदर्शन के दम पर हराकर चौंका दिया था। वहीं, मीनाक्षी ने पूर्व वर्ल्ड चैंपियन नीतू घंघास को मात दी।

51 किलोग्राम वर्ग में इस बार युवा बॉक्सर देश का प्रतिनिधित्व करेंगी। निखत और नीतू दोनों हारकर बाहर हो चुकी हैं। पिछले महीने मंगोलिया के उलानबटार में हुई एशियन चैंपियनशिप में डायरेक्ट एंट्री हासिल करने में नाकाम रहने के बाद निखत को ट्रायल्स में उतरना पड़ा। वह कॉन्टिनेंटल मीट के सेमीफाइनल तक पहुंची थीं, लेकिन चीन की वू यू से 0-5 से हार गईं। वू यू मौजूदा ओलंपिक गोल्ड मेडलिस्ट हैं।

इसके अलावा, सचिन सिवाच (पुरुष 60 किलोग्राम), प्रीति पवार (महिला 54 किलोग्राम) और प्रिया घंघास (महिला 60 किलोग्राम) ने उलानबटार में हुई एशियन चैंपियनशिप के फाइनल में पहुंचने के बाद एशियन गेम्स और कॉमनवेल्थ गेम्स दोनों के लिए क्वालिफाई किया।

जैस्मिन लैम्बोरिया (महिला 57 किलोग्राम) और अरुंधति चौधरी (महिला 70 किलोग्राम) ने केवल कॉमनवेल्थ गेम्स के लिए क्वालिफाई किया, क्योंकि उनकी वेट कैटेगरी एशियन गेम्स कार्यक्रम का हिस्सा नहीं है। कॉमनवेल्थ गेम्स 23 जुलाई से 2 अगस्त तक ग्लासगो में होंगे। इसके बाद 19 सितंबर से 4 अक्टूबर तक जापान के आइची-नागोया में एशियन गेम्स आयोजित किए जाएंगे।

साल 2030 तक ब्राजील फुटबॉल टीम के हेड कोच बने रहेंगे कार्लो एंसेलोटी

रियो डी जनेरियो । कार्लो एंसेलोटी ब्राजील के नेशनल टीम के हेड कोच पद पर साल 2030 तक बने रहेंगे। ब्राजीलियन फुटबॉल परिसंघ (सीबीएफ) ने उनके कॉन्ट्रैक्ट को 2030 तक बढ़ा दिया है।

66 वर्षीय एंसेलोटी ने मई 2025 में ब्राजील के हेड कोच का पद संभाला था और टीम को फीफा वर्ल्ड कप 2026 के लिए क्वालिफाई कराया था, जिसका आयोजन 11 जून से अमेरिका, मैक्सिको और कनाडा में होना है। उनकी अगुवाई में ब्राजील ने 10 मुकाबले खेले हैं, जिसमें से टीम को 5 में जीत, तो 3 मुकाबलों में हार का सामना करना पड़ा है। वहीं, दो मैच ड्रॉ रहे हैं।

एंसेलोटी ने सीबीएफ की आधिकारिक वेबसाइट से कहा, 'मैं एक साल पहले ब्राजील आया था। पहले मिनट से ही, मैं समझ गया था कि इस देश के लिए फुटबॉल का क्या मतलब है। एक साल से हम ब्राजीलियन नेशनल टीम को दुनिया में टॉप पर वापस लाने के लिए काम कर रहे हैं। हालांकि, सीबीएफ और मैं अभी और जीत, समय और काम चाहते हैं।'

एंसेलोटी ने आगे कहा, 'हमें यह बताते हुए बहुत खुशी हो रही है कि हम अगले चार साल तक साथ रहेंगे। हम 2030 वर्ल्ड कप तक साथ रहने वाले हैं। मैं सीबीएफ को उनके भरोसे के लिए धन्यवाद देना चाहता हूं। ब्राजील, इतने अच्छे स्वागत और इतने प्यार के लिए धन्यवाद।' पद संभालने क के बाद से एंसेलोटी ने पांच जीत, दो ड्रॉ और तीन हार देखी हैं।

सीबीएफ प्रेसिडेंट समीर जौद ने इस विस्तार को एक ऐतिहासिक दिन बताया। उन्होंने कहा, 'कार्लो एंसेलोटी का कॉन्ट्रैक्ट बढ़ना पांच बार की वर्ल्ड कप जीतने वाली नेशनल टीम को एक मजबूत, आधुनिक और प्रतिस्पर्धी संरचना देने के हमारे प्रतिबद्धता में एक और मजबूत कदम है। ब्राजील वर्ल्ड कप 2026 में अपने अभियान का आगाज 13 जून को मोरक्को के खिलाफ शुरू करेगी। फुटबॉल के सबसे अनुभवी दिमागों में से एक एंसेलोटी का ब्राजील कोच के तौर पर यह उनका पहला ग्लोबल फाइनल होगा।

17 जुलाई से होगा एलपीएल 2026 का आगाज, जाफना किंग्स और गॉल मार्वल्स के बीच पहला मुकाबला

कोलंबो । श्रीलंका क्रिकेट बोर्ड (एसएलसी) ने बताया है कि लंका प्रीमियर लीग (एलपीएल) 2026 का आगाज 17 जुलाई से होगा। टूर्नामेंट का पहला मैच जाफना किंग्स और गॉल मार्वल्स के बीच खेला जाएगा।

एसएलसी की शुक्रवार को जारी आधिकारिक प्रेस रिलीज के मुताबिक, इस मल्टी-टीम टूर्नामेंट का पहला मैच पिछले साल के चैंपियन जाफना किंग्स और रनर-अप गॉल मार्वल्स के बीच खेला जाएगा। कैंपेन का पहला मैच कोलंबो के सिंहली स्पोर्ट्स क्लब क्रिकेट ग्राउंड में खेला जाएगा।

बोर्ड ने यह भी बताया है कि ब्लॉकबस्टर शुरुआत से पहले फैंस के मनोरंजन के लिए ग्राउंड पर एक शानदार ओपनिंग सेरेमनी का भी आयोजन किया जाएगा। वहीं, लीग का फाइनल मुकाबला 8 अगस्त को खेला जाएगा। एलपीएल का छठा संस्करण असल में दिसंबर 2025 में होना था, लेकिन आईसीसी मेंस टी20 वर्ल्ड कप 2026 की वजह से स्थगित करना पड़ा था। टी20 विश्व कप का आयोजन भारत और श्रीलंका की संयुक्त मेजबानी में हुआ था।

टी20 वर्ल्ड कप 2026 के लिए 'होस्ट वेन्यू' को पहले से तैयार करने की बड़ी जरूरत को देखते हुए टूर्नामेंट को स्थगित कर दिया गया था। लीग में कुल 24 मैच होंगे, जिसमें 20 लीग मैच और चार नॉकआउट मैच शामिल हैं। टूर्नामेंट के सभी मुकाबले कोलंबो में सिंहलीज स्पोर्ट्स क्लब, कोलंबो में आर. प्रेमदासा इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम, कैंडी में पल्लेकेले इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम और दांबुला में रंगिरी दांबुला इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में खेले जाएंगे।

टूर्नामेंट फॉर्मेट में लीग फेज के दौरान सभी पांच फ्रेंचाइजी एक-दूसरे से दो बार भिड़ेंगी। राउंड-रॉबिन स्टेज के बाद, टॉप चार टीमें प्लेऑफ में जाएंगी। पहला प्लेऑफ मैच, क्वालिफायर 1, टॉप दो टीमों के बीच खेला जाएगा, जिसमें जीतने वाली टीम सीधे फाइनल में जगह बनाएगी।तीसरे और चौथे नंबर पर रहने वाली टीमें एलिमिनेटर में मुकाबला करेंगी, और उस मैच की जीतने वाली टीम क्वालिफायर 1 की हारने वाली टीम से क्वालिफायर 2 में भिड़ेगी। दूसरे क्वालिफायर को जीतने वाली टीम फाइनल में पहुंचेगी। टूर्नामेंट का खिताबी मुकाबला 8 अगस्त को खेला जाएगा।

आईपीएल 2026: हार्दिक पांड्या के बचाव में उतरे अश्विन, बोले- सिर्फ उन पर इल्जाम लगाना ठीक नहीं

नई दिल्ली। आईपीएल 2026 में मुंबई इंडियंस (एमआई) का प्रदर्शन काफी निराशाजनक रहा है। टीम का प्लेऑफ में पहुंचने का सपना टूट चुका है। हालांकि, भारत के पूर्व गेंदबाज रविचंद्रन अश्विन का मानना है कि एमआई के खराब प्रदर्शन के लिए सिर्फ हार्दिक पांड्या को जिम्मेदार नहीं ठहराया जाना चाहिए।

एमआई ने इस सीजन अब तक कुल 12 मुकाबलों में खेले हैं, जिसमें से टीम को महज 4 मुकाबलों में जीत नसीब हुई है। अश्विन ने 'ईएसपीएन क्रिकइंफो' संग बात करते हुए कहा, 'मैं इस साल उनकी कप्तानी का बिल्कुल भी रिव्यू नहीं करूंगा। सच कहूं तो, जब आपका सीजन ऐसा जाता है, तो कप्तान पर इल्जाम लगाना काफी गलत है। कोई नहीं आगे आया। टीम खेलने में नाकाम रही और हार्दिक खुद पर इल्जाम ले लें, आप उनसे कुछ ज्यादा ही करने के लिए कह रहे हैं।'

अश्विन ने आगे कहा, 'वह गुजरात टाइटन्स में थे। दो शानदार सीजन खेले (एक में खिताब जीता और एक में रनर-अप)। साफ है कि एक लीडर के तौर पर उन्होंने वहां कुछ सही किया। इसके बाद जब वह मुंबई इंडियंस में लौटे, तो उन्हें काफी कुछ झेलना पड़ा। रोहित शर्मा जैसे मौजूदा भारतीय कप्तान, व्हाइट-बॉल कप्तान की जगह लेना आसान नहीं है। आईपीएल में पांच खिताब। रोहित ने एक टी20 वर्ल्ड कप जीता है और हार्दिक आकर उनकी जगह ले लेते हैं। देश में आपके बहुत सारे फैन हैं। आजकल सोशल मीडिया पर टिके रहने के लिए आपको मोटी चमड़ी रखनी पड़ती है।'

अश्विन ने इस बात पर भी जोर दिया कि टीम की नाकामियों के लिए सिर्फ कप्तानी ही जिम्मेदार नहीं है। उन्होंने कहा, 'मैं उनकी कप्तानी को ज्यादा जज नहीं करूंगा क्योंकि गेंदबाजी ने भी हर तरफ रन लुटाए हैं। हर बार जब कोई ओवर छह या सात रन के लिए फेंका जाता है, तो 15 रन का ओवर आता है। एक कप्तान के तौर पर आप क्या करते हैं? और हां, उन्होंने कुछ ऐसे फैसले लिए हैं जिन पर बहस हो सकती है। कप्तानी इस बात का नतीजा है कि आपकी टीम आपको कैसा दिखाती है। इसी वजह से मेरा मानना ??है कि जब आपका सीज़न अच्छा हो।

स्वात्वधिकारी राइवल्स मीडिया प्राइवेट लिमिटेड के लिए, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक सुजीत कुमार द्वारा साई प्रीटिंग प्रेस, डी-85, सेक्टर 6 नोएडा,गौतम बुध्द नगर पिन कोड -201301 उ.प्र. से मुद्रित और मकान संख्या एन-58 जगतराम पार्क के सामने, लक्ष्मी नगर पूर्व दिल्ली-110053 से प्रकाशित
समाचार संपादक : चन्द्रमणी साव (पीआरबी एक्ट के अनुसार समाचार पत्र चयन एवं संपादन के लिए उत्तरदायी। नोट किसी भी विवाद के निपटारे के लिए न्यायक्षेत्र दिल्ली होगा) मोबाइल 9340573892 ई-मेलः vishwakesari2026@gmail.com,आर.एन.आई.नं. DLHIN/2015/61415